हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 14.01.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 170 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

निपाह वायरस को लेकर झारखंड सरकार अलर्ट, सिविल सर्जनों को सतर्क रहने के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामलों के सामने आने के बाद झारखंड सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों के सिविल सर्जनों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि निपाह वायरस एक अत्यंत खतरनाक जूनोटिक बीमारी है, जो जानवरों से मनुष्यों में फैलती है। यह वायरस मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों (फ्रूट बैट) से फैलता है। इसके अलावा संक्रमित जानवरों, विशेषकर सूअरों के सीधे संपर्क, उनके संक्रमित मांस के सेवन अथवा संक्रमित व्यक्ति के शरीर से निकलने वाले लार, रक्त और अन्य द्रवों के संपर्क में आने से भी संक्रमण फैल सकता है।

डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि राज्य के सभी जिलों में सख्त निगरानी, त्वरित रिपोर्टिंग प्रणाली और जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, ताकि लोगों को निपाह वायरस के लक्षण, बचाव और आवश्यक सावधानियों की पूरी जानकारी मिल सके और राज्य में इसके किसी भी संभावित प्रकोप को रोका जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार इस खतरनाक बीमारी की रोकथाम के लिए पूरी तरह मुस्तैद है और स्वास्थ्य विभाग को हर स्तर पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। विज्ञप्ति में बताया गया है कि निपाह वायरस की मृत्यु दर (फैटेलिटी रेट) काफी अधिक होती है, जो प्रकोप की गंभीरता के अनुसार 40 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक हो सकती है। इसी कारण इसे एक अत्यंत गंभीर और घातक रोग माना जाता है। निपाह वायरस के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, मानसिक भ्रम, मस्तिष्क पर गंभीर प्रभाव (एन्सेफेलाइटिस) और कोमा जैसी गंभीर स्थितियां शामिल हैं।

24 घंटे निगरानी में निपाह संक्रमित पश्चिम बंगाल की दो नर्सें, हालत गंभीर

कोलकाता : निपाह वायरस से संक्रमित पश्चिम बंगाल की दो नर्सों की हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है। दोनों बारासात इलाके के एक अस्पताल में कार्यरत हैं और वहीं के आईसीयू आइसोलेशन वार्ड में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल में कोविड काल के दौरान लागू की गई सभी गाइडलाइनों को फिर से सख्ती से लागू किया गया है। संक्रमित नर्सों में से एक पूर्व बर्धमान जिले की निवासी हैं, जबकि दूसरी नदिया जिले से हैं। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, दोनों 5 जनवरी से शारीरिक रूप से अस्वस्थ थीं। उनकी स्थिति पर 24 घंटे कड़ी नजर रखी जा रही है। फिलहाल, स्थिति में न तो कोई गिरावट आई है और न ही अब तक कोई सुधार देखा गया है। संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए अस्पताल प्रशासन ने सख्त एहतियाती कदम उठाए हैं। निर्देश के तहत अस्पताल के सभी कर्मचारी और चिकित्सकों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। सुरक्षा कर्मियों और मरीजों के परिजनों पर भी यही नियम लागू किया गया है। निपाह संक्रमित स्वास्थ्यकर्मियों के इलाज में लगे डॉक्टरों और स्टाफ को पीपीई किट पहनकर ड्यूटी करनी पड़ रही है। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को सहयोग देने के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त आउटब्रेक प्रतिक्रिया टीम तैनात की है। इस टीम में कोलकाता स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड पब्लिक हाइजीन, पुणे का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), चेन्नई का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई), एम्स कल्याणी तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वन्यजीव विभाग के विशेषज्ञ शामिल हैं।

धरती आबा की बेटियों की आत्मनिर्भरता से परिचित होगी दुनिया : कल्पना सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व आर्थिक सम्मेलन 2026 में पहली बार झारखण्ड की उपस्थिति कई मायनों में अहम है। झारखण्ड औद्योगिक क्षमता और इनफि नाइट ऑपर्च्युनिटी स्टेट का संदेश तो देगा ही साथ ही, यह भी स्पष्ट करेगा कि जब आधी आबादी नेतृत्व करती हैं, तो अर्थव्यवस्थाएं मजबूत होती हैं, लोग अप्रत्याशित बदलावों का सामना करने वाले बनते हैं और विकास स्थायी होता है। कुछ ऐसा ही संदेश झारखण्ड की बेटी और झारखण्ड विधानसभा के महिला एवं बाल विकास समिति की अध्यक्ष सह विधायक कल्पना सोरेन दावोस में आयोजित होने वाली विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में और यूनाइटेड किंगडम की अपनी यात्रा के दौरान वैश्विक मंच से देंगी। कल्पना सोरेन महिला नेतृत्व, लैंगिक समानता और समावेशी विकास से संबंधित कई उच्च स्तरीय मंचों पर राज्य का प्रतिनिधित्व कर झारखण्ड की आधी आबादी के आत्मविश्वास, उद्यमशीलता और नेतृत्व कौशल का प्रमाण प्रस्तुत करेंगी। वे आदिवासी, ग्रामीण और आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों की महिलाओं की

वास्तविकताओं और आकांक्षाओं को वैश्विक मंच पर साझा कर बतायेंगी कि ये वे समूह हैं जो अब झारखण्ड के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की वाहक बन रहीं हैं।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखण्ड सरकार राज्य की महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य कर रही है। उसी कड़ी में दावोस में कल्पना सोरेन महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व, आर्थिक भागीदारी और सभी को समान अवसर देने पर केंद्रित नीतिगत संवादों और अंतर्राष्ट्रीय मंचों से संबोधित करेंगी। इनमें महिला सशक्तिकरण पर ब्रिक्स पैनल, ईटी महिला सशक्तिकरण संवाद और एलायंस फॉर ग्लोबल गुड का 'वी लीड' मंच और भारत पवेलियन में आधिकारिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं। राज्य सरकार का महिला विकास के प्रति दृष्टिकोण कल्पना सोरेन इन वैश्विक मंचों पर प्रस्तुत करेंगी। वे बतायेंगी कि महिला विकास प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व पर आधारित नहीं है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण और संस्थागत शक्ति पर आधारित है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहीं महिलाएं

दावोस में दुनिया को बताया जाएगा कि झारखण्ड राज्य आजीविका संवर्धन समिति के माध्यम से राज्य में 35 लाख से अधिक महिलाएं दो लाख 80 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं हैं। हाल के वर्षों में इन महिलाओं के सशक्तिकरण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से ₹5000 करोड़ से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया है। ये महिलाएं अब किसान, उद्यमी, बैंकर, कारीगर और विभिन्न आजीविका की सृजनकर्ता के साथ सम्मानजनक जीवन यापन करने वाली हैं।

एक नजर

रामेश्वरम के 10 मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने हिरासत में लिया

चेन्नई : श्रीलंका की नौसेना ने रामेश्वरम के 10 मछुआरों को हिरासत में लिया है। इस दौरान एक मछली पकड़ने वाली नाव को पकड़ा है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के मछुआरों को सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किया जाना और उनकी नौकाओं को जब्त कर सरकारी संपत्ति घोषित किए जाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे मछुआरों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। इसी क्रम में, नेदुनथीवु (क्षेत्र में सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में रामेश्वरम के 10 मछुआरों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि मछुआरों को जाफना मत्स्य विभाग के अधिकारियों के समक्ष पेश किया जाएगा। मछुआरों की गिरफ्तारी से उनके परिवारों और मछुआरा समुदाय में आक्रोश फैल गया है। आरोप लगाया गया है कि श्रीलंकाई नौसेना ने अतिक्रमण करते हुए कार्रवाई की है, मछुआरों की तत्काल रिहाई की मांग की जा रही है।

चीन-पाकिस्तान को आर्मी चीफ की दो टूक, 1963 का समझौता अवैध, शक्सगाम घाटी में दखल बर्दाश्त नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 के समझौते को भारत गैर-कानूनी मानता है। इसलिए, शक्सगाम घाटी में किसी भी गतिविधि को हम मंजूरी नहीं देते हैं। इस संबंध में विदेश मंत्रालय पहले ही बयान जारी कर चुका है। इसलिए, चीन में जो संयुक्त बयान जारी किया गया है, CPEC 2.0 के बारे में मैं जो समझता हूं, हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं, और हम इसे दोनों देशों (चीन-पाकिस्तान) द्वारा की जा रही एक गैर-कानूनी कार्रवाई मानते हैं। चीन ने भारत की आपत्तियों के बीच सोमवार को शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावों को दोहराया। और कहा कि इस इलाके में उसकी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बिल्कुल उचित हैं। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) को लेकर भारत द्वारा आलोचना किए जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग के पुराने रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि यह एक आर्थिक पहल है, जिसका उद्देश्य स्थानीय आर्थिक व सामाजिक विकास करना और लोगों की जीवन में सुधार लाना है।

शक्सगाम घाटी को भारत ने बताया अपना क्षेत्र

भारत ने पिछले शुक्रवार को शक्सगाम घाटी में चीन की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आलोचना करते हुए कहा था कि यह भारतीय क्षेत्र है। ड्रैगन और पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, उसके पास अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है। हमने 1963 में किए गए तथाकथित चीन-पाकिस्तान 'सीमा समझौते' को कभी मान्यता नहीं दी है। हम लगातार कहते आए हैं कि यह समझौता अवैध और अमान्य है। उन्होंने कहा, हम तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को भी मान्यता नहीं देते, क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिसपर पाकिस्तान का अवैध और जबरन कब्जा है। पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र में से शक्सगाम घाटी के 5180 वर्ग किलोमीटर हिस्से को चीन को सौंप दिया था।

ब्लिंकिट नहीं करेगा 10 मिनट में डिलीवरी, जोमैटो-स्विगी भी हटाएंगे फीचर, केंद्र सरकार के दखल पर बड़ा फैसला

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया की सख्त पहल के बाद क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट ने अपने सभी ब्रांड प्लेटफॉर्म्स से '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा पूरी तरह हटा दिया है। यह फैसला डिलीवरी वर्कर्स की सुरक्षा और बेहतर कामकाजी हालात को ध्यान में रखकर लिया गया है।

केंद्र सरकार की सख्त सलाह के बाद दावा हटाया

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने इन कंपनियों को सलाह दी कि सख्त डिलीवरी टाइम लिमिट को हटाया जाए, ताकि डिलीवरी पार्टनर्स की जान को खतरा न हो और वे सुरक्षित तरीके से काम कर सकें।

बैठक में सभी कंपनियों ने सरकार को भरोसा दिया कि वे अपने ब्रांड विज्ञापनों, सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स से डिलीवरी टाइम की सख्त कमिटमेंट हटा देंगे। ब्लिंकिट ने तुरंत यह बदलाव लागू कर दिया है, जबकि बाकी कंपनियां भी जल्द ही ऐसा करने वाली हैं।

क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने क्यों लिया फैसला?

पिछले कुछ हफ्तों में गिग वर्कर्स यूनियनों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और स्ट्राइक की थीं। उन्होंने 10-20 मिनट की अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी मॉडल को असुरक्षित बताया था, क्योंकि इससे डिलीवरी पार्टनर्स को तेज रफ्तार से गाड़ी चलानी पड़ती है, जिससे एक्सीडेंट का खतरा बढ़ जाता है। यूनियनों ने न्यू ईयर ईव (31 दिसंबर 2025) पर भी स्ट्राइक की थी और श्रम मंत्री को ज्ञापन सौंपा था।

सरकार ने इन चिंताओं को गंभीरता से लिया और कंपनियों से बातचीत की। यह कदम डिलीवरी वर्कर्स के लिए एक बड़ी राहत है, जो रोजाना सड़कों पर जान जोखिम में डालकर काम करते हैं। यह बदलाव क्विक कॉमर्स इंडस्ट्री में एक अहम मोड़ है, जहां पहले स्पीड को सबसे बड़ा आकर्षण बनाया जाता था, लेकिन अब वर्कर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

अब क्या बदल जाएगा?

कंपनियां अपने प्रचार में अब फिक्स टाइम कमिटमेंट नहीं दिखाएंगी। यानी वह यह वादा नहीं करेंगी कि हर हाल में 10 मिनट में ही सामान पहुंचेगा। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि डिलीवरी की रफ्तार कम हो जाएगी, बल्कि फोकस इस बात पर होगा कि सुरक्षित तरीके से बिना किसी अनावश्यक दबाव के डिलीवरी हो।

10 मिनट में डिलीवरी कैसे चलन में आया?

भारत में कोरोना महामारी के दौरान जरूरी सामान की तेज डिलीवरी की मांग बढ़ी और यहीं से क्विक डिलीवरी का मॉडल चलन में आया। उस समय आधे घंटे के भीतर डिलीवरी भी बड़ी बात मानी जाती थी। यह मॉडल और तेजी से फैलता चला गया और दवाओं से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक सब कुछ 10 मिनट में पहुंचाने का दावा किया जाने लगा।

'सनातन धर्म को मिटाना आसान नहीं, ये सूरज और चांद की तरह अमर', सोमनाथ मंदिर को लेकर बोले शाह

एजेंसी

गांधीनगर : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति, लोगों की आस्था को खत्म करना आसान नहीं है। अमित शाह ने सोमनाथ मंदिर के बीती सदियों में बार-बार तोड़े जाने और 16 बार पुनर्निर्माण का हवाला दिया। शाह ने कहा कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए, वो मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी उसी जगह पर पूरे गर्व के साथ खड़ा है।

'सनातन धर्म, सूरज और चांद की तरह शाश्वत और अमर'

अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं। मंगलवार को अमित शाह ने गांधीनगर में 267 करोड़ रुपये की

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शाह ने कहा, '16 बार तबाह किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर 1000 साल बाद भी पूरे गर्व और सम्मान के साथ खड़ा है और इसके शीर्ष पर धर्मध्वजा लहरा रही है।' गृह मंत्री ने कहा, 'ये पूरी दुनिया के लिए संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। यह चांद और सूरज की तरह शाश्वत और अमर है। सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गर्व का प्रतीक है।'

पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया

बीती 11 जनवरी को पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया था। यह पर्व सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी के हमले और मंदिर के पुनर्निर्माण के 1000 हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। महमूद गजनी ने साल 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर के भव्य कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे सालभर देश में मनाया जाएगा। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा।

'मंदिर पर हमला हमारी आस्था पर हमला था'

शाह ने कहा, 'एक हजार साल पहले महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और इसे तोड़ा। उसके बाद अन्य हमलावरों जैसे अलाउद्दीन खिलजी, अहमद शाह, महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने भी हमले किए, लेकिन हर हमले के बाद मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। हमलावर तबाही में विश्वास रखते थे और मंदिर बनाने वालों का विश्वास रचना में। आज 1000 साल बाद हमलावर मिट गए हैं, लेकिन सोमनाथ मंदिर अभी भी पूरे गर्व के साथ खड़ा है।'

गृह मंत्री ने कहा, 'सोमनाथ मंदिर पर हमला सिर्फ एक मंदिर पर हमला नहीं था बल्कि ये हमारी आस्था, विश्वास और आत्म सम्मान पर हमला था। हमले का जवाब दूसरा हमला नहीं हो सकता। इसका उत्तर आत्म-सम्मान में छिपा है।'

'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद कश्मीर में मस्जिदों और मदरसों की प्रोफाइलिंग शुरू

एजेंसी

श्रीनगर : पिछले वर्ष 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी में मस्जिदों, मदरसों तथा इन धार्मिक संस्थानों से जुड़े प्रबंधनकर्ताओं, इमामों और शिक्षकों की प्रोफाइलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मस्जिदों, मदरसों, इमामों (नमाज के अगुआ), शिक्षकों और इन संस्थानों की प्रबंधन समितियों से जुड़े व्यक्तियों का विवरण एकत्र करने के लिए गांव स्तर के नंबरदारों (राजस्व विभाग के कर्मचारी) को एक निर्धारित प्रोफार्मा उपलब्ध कराया गया है। इस प्रक्रिया के तहत धार्मिक संस्थानों की वित्तीय स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें निर्माण कार्यों के लिए प्रयुक्त धन के स्त्रोतों और दैनिक खर्चों से

जुड़ी जानकारी शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, सामान्य विवरण के अलावा मदरसों के शिक्षकों और इमामों से आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, संपत्ति स्वामित्व, सोशल मीडिया हैंडल, पासपोर्ट, एटीएम कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, सिम कार्ड, मोबाइल फोन मॉडल और आईएमईआई नंबर जैसी विस्तृत जानकारियां भी मांगी गई हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य मस्जिदों, मदरसों और उनसे जुड़े व्यक्तियों का एक समग्र और अद्यतन डेटाबेस तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के दौरान जांच में यह सामने आया था कि कुछ संदिग्धों को मदरसों या सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी बनाया गया था। अधिकारियों के अनुसार, मौलवी इरफान सहित कुछ इमामों की संदिग्ध भूमिका के चलते वे जांच के दायरे में आए थे।

एक नजर

कार और बाइक की टक्कर में दो घायल, रेफर

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलोतीया मोड़ के नजदीक हुई बाइक और कार की टक्कर में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल व्यक्ति की पहचान नरेश केशरी उम्र करीब 50 वर्ष पिता स्व जगदीश साव बरसोत निवासी एवं दिलीप कुमार उम्र करीब 45 वर्ष पिता गन्दौरी प्रसाद भगत करियातपुर की रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के बाद कार सवार भागने का प्रयास कर रहा था। इसी क्रम में बरही बायपास स्थित टाटा मोटर्स के नजदीक कार पलट गई। जिससे कार सवार मेराज साह उम्र 28 वर्ष पिता मो सईद एवं सुहानी बानो उम्र 18 पति मेराज साह मामूली रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से नरेश केशरी एवं दिलीप कुमार को गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। इधर घटना के बाद परिजनों का रो – रो कर बुरा हाल है, इधर बरही पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

पूर्व विधायक के आवास पर मकर संक्रांति का पारंपरिक उत्सव

चौपारण : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बरही विधानसभा के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के आवास पर भव्य एवं पारंपरिक आयोजन का साक्षी क्षेत्र बना। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक भोज में हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, राजनीतिक कार्यकर्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए और पर्व की खुशियां आपसी सौहार्द के साथ साझा कीं। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला द्वारा उपस्थित अतिथियों के स्वागत एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देने के साथ हुई। आयोजन स्थल पर उत्सव और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला। ग्रामीणों ने पारंपरिक व्यंजन चूड़ा, गुड़ और तिलकुट का स्वाद लेकर पर्व का आनंद उठाया। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। बरही डीएसपी अजीत कुमार विमल, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, अंचलाधिकारी संजय यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीएसपी अजीत कुमार विमल ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पारंपरिक पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज में भाईचारा और सामूहिकता का संदेश देते हैं। ऐसे आयोजनों से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास और मजबूत होता है। राजनीतिक क्षेत्र से भी कई प्रमुख हस्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। कांग्रेस जिला अध्यक्ष जेपी भाई पटेल की उपस्थिति से आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई।

डाडीघाघर में 'सगुन सोहराय मिलन समारोह' की धूम पारंपरिक गीतों और झूमर से गूंजा इचाक और पदमा

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

हजारीबाग : प्रकृति की गोद में बसे झारखंड की सांस्कृतिक विरासत आज इचाक प्रखंड के डाडीघाघर में जीवंत हो उठी। यहां 'सगुन सोहराय मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, कला और प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम का अनूठा संगम देखने को मिला। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति इस गौरवशाली कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम मांझी हाम के केंद्रीय अध्यक्ष, मनोतन बिनोद किस्कू उपस्थित हुए। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत दिशोम मरांग प्रगना दशई किस्कू और सम्मानित अतिथि के

रूप में भारत दिशोम जोगवा दीपक टुडू ने शिरकत की। प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए इचाक प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार एवं पदमा ओ.पी. थाना प्रभारी आलोक सोरेन भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के संचालक राजेश मुर्मू, विनोद हांसदा, किशोर मरांडी, बाबूराम हांसदा, राजेंद्र मरांडी, काली मरांडी, नागो मरांडी, सुरेश टुडू ,महादेव हेंब्रम,मोहन सोरेन, केशव मांझी, परमेश्वर हांसदा, छातो हेंब्रम। प्रकृति और संस्कृति का संगम कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति और प्रकृति के गहरे संबंध पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने कहा कि आदिवासी समाज अनादि काल से प्रकृति का संरक्षक और पूजक रहा है। सोहराय पर्व इसी कृतज्ञता को प्रकट करने का माध्यम है। कार्यक्रम की मुख्य झलकियां:

पारंपरिक झूमर: ढोल-नगाड़ों और मांदर की थाप पर ग्रामीणों ने पारंपरिक झूमर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने सबका मन मोह लिया।

सांस्कृतिक गायन: आदिवासी जीवन दर्शन से जुड़े विभिन्न लोक गीतों के गायन से पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। सद्भाव का संदेश: समारोह में न केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन हुए, बल्कि समाज की एकजुटता और विकास पर भी चर्चा की गई।

स्थानीय प्रशासन की सराहना

मौके पर मौजूद बीडीओ संतोष कुमार और थाना प्रभारी आलोक सोरेन ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी जड़ों को मजबूती देते हैं। उन्होंने शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से पर्व मनाने के लिए डाडीघाघर के ग्रामीणों को बधाई दी। यह समारोह अपनी भव्यता और प्राकृतिक जुड़ाव के कारण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज और मिलन के साथ इस उत्सव का समापन हुआ।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल का पश्चिम बंगाल के शिक्षाविदों के प्रतिनिधिमंडल ने किया दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में पश्चिम बंगाल से आए शिक्षाविदों का एक प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य कैलाश कुमार ने सभी अतिथियों का गुलदस्ता भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान शिक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राममोहन मिशन स्कूल, कोलकाता के प्राचार्य सुजय बिस्वास ने किया। वे ASISC के पूर्व अध्यक्ष एवं उक्त्रउए की समिति के सदस्य रह चुके हैं। प्रतिनिधिमंडल में अनिमेष कुमार डे डायरेक्टर, गुरुकुल विद्या मंदिर, जोका कोलकाता, पूर्व प्राचार्य आर्मी पब्लिक स्कूल, बीकेपी कैंट, प्रो. जे. चक्रवर्ती सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, शोभन दत्ता एडवोकेट एवं कंसल्टेंट, राजीव मजूमदार सीनियर एग्जीक्यूटिव, एवं संजय बिस्वास सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान आधुनिक शिक्षा प्रणाली, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, नैतिक शिक्षा और डिजिटल लर्निंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी ने कहा कि श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहा है।

18 जनवरी को सिझुआ में मेहता विकास मंच का भव्य महासम्मेलन किया गया आयोजन

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : मेहता विकास मंच हजारीबाग की ओर से मंगलवार को हजारीबाग प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में आयोजक मंडली ने जानकारी दी कि आगामी 18 जनवरी दिन रविवार को पूर्वाह्न 10 बजे से उच्च विद्यालय सिझुआ के प्रांगण में मेहता विकास मंच का भव्य महासम्मेलन आयोजन किया गया है। आयोजकों ने बताया कि महासम्मेलन में समाज के बुद्धिजीवी, शिक्षित वर्ग, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग शामिल होंगे। पत्रकार वार्ता में जयनारायण मेहता ने बताया कि समाज के अभिभावक एवं पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, जिला

परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, समाजसेवी दिगंबर कुमार मेहता, बटेश्वर प्रसाद मेहता, डॉ. आरसी प्रसाद मेहता, बालेश्वर प्रसाद मेहता, आरके मेहता, प्रदीप मेहता सहित कई प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा हजारीबाग जिले के मेहता समाज से जुड़े सभी जिला परिषद सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्य तथा मेहता कुशवाहा विकास मंच के सभी सम्मानित सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। प्रेस वार्ता में बताया गया कि सम्मेलन को लेकर समाज के लोगों में जबरदस्त उत्साह है। आयोजक मंडली ने आरोप लगाया कि समाज के नियम-कायदों की अवहेलना करते हुए करीब 20 से 25 लोगों द्वारा बिना आम सभा आयोजित किए मेहता विकास मंच की नई समिति का गठन कर लिया गया है, जो मंच की नियमावली के अनुसार पूरी तरह अमान्य है। 18 जनवरी का महासम्मेलन ऐतिहासिक एवं एकजुटता का प्रतीक होगा। इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में नागेश्वर प्रसाद मेहता, अजय कुमार मेहता, बालेश्वर प्रसाद मेहता, प्रभु प्रसाद मेहता, बिंदेश्वरी प्रसाद मेहता, एवं धर्मनाथ प्रसाद मेहता आदि उपस्थित थे।

अदाणी फाउंडेशन की पहल: गोंदुलपारा परियोजना से जुड़ी तीन बालिकाएं बनेंगी फायर फाइटर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : अदाणी फाउंडेशन की ओर से गोंदुलपारा खनन परियोजना से प्रभावित होने वाले परिवारों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। परियोजना क्षेत्र के परिवारों की तीन बालिकाओं का चयन फायर फाइटिंग ट्रेनिंग के लिए किया गया है। इनमें दो बालिकाएं गाली गांव और एक बालिका चंदौल गांव की निवासी हैं। वहीं, गोंदुलपारा और चंदौल पंचायत से चार युवकों का चयन अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण के लिए किया गया है, जिसकी निशुल्क ट्रेनिंग अहमदाबाद में तीन महीने के लिए होगी। ट्रेनिंग के बाद इन्हें रोजगार से जोड़ा जाएगा। अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से तीनों बालिकाओं को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, नागपुर में छह महीने की प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जाएगी। यह प्रशिक्षण फायर फाइटिंग,

फायर सेफ्टी, रेस्क्यू ऑपरेशन और इंडस्ट्रियल सेफ्टी जैसे विषयों पर आधारित होगा। ये सभी छात्राएं नागपुर स्थित इंस्टीट्यूट पहुंच चुकी हैं। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद अदाणी फाउंडेशन द्वारा इन बालिकाओं को फायर एंड सेफ्टी डिपार्टमेंट में रोजगार दिलाने में भी सहयोग किया जाएगा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, नागपुर देश के प्रतिष्ठित फायर सेफ्टी प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल है। यहां आधुनिक उपकरणों के साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे प्रशिक्षु वास्तविक आपात परिस्थितियों से निपटने में सक्षम बनते हैं। इस संस्थान से कोर्स करने के बाद इंडस्ट्री, फैक्ट्री, पावर प्लांट, माइनिंग, एयरपोर्ट और बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों में फायर एंड सेफ्टी से जुड़ी नौकरियों के अवसर खुलते हैं। साथ ही यह कोर्स युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सुरक्षित करियर की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करता है। अदाणी फाउंडेशन द्वारा हजारीबाग जिला में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, खेल और आजीविका संवर्धन जैसे कई सीएसआर कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

जिप सदस्यों का पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड पंचायती राज विभाग द्वारा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारी की क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया बिहार में आयोजित किया गया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के जिला परिषद सदस्य यास्मीन निशा पश्चिम एवं सुनीता देवी जिला परिषद मध्य ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को ग्रामीण स्थानीय निकायों और पंचायतो के कार्य संचालन विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वित्तीय प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत योजना का निर्माण ई ग्राम स्वराज पोर्टल डिजिटल लेनदेन प्रणाली जल एवं पर्यावरण प्रबंधन स्वच्छ गांव जल पर्याप्त गांव तथा सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। बड़कागांव पश्चिमी जिला परिषद सदस्य यासमीन निशा एवं सुनीता देवी जिला परिषद मध्य ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण के दौरान कहा कि पंचायती राज्य

संस्थाओं को सशक्त बनाना लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को मजबूत करना तथा गांव को के त्वरित सामाजिक एवं आर्थिक विकास को सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जनप्रतिनिधियों को योजनाओं को पारदर्शी एवं प्रभावित तरीके से लागू करने में सहायता मिलती है उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग प्रखंड क्षेत्र में विकास योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने पंचायत की कार्य क्षमता बढ़ाने तथा आम जनता को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने में किया जाएगा। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी एवं उप प्रमुख अमेरिका महतो भी सम्मिलित रहे।

मकर संक्रांति पर बिरहोर टोला में सेवा का संदेश उदय राणा के नेतृत्व में चूड़ा, तिलकुट वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत पंचायत बसरिया के ग्राम कठम्बा बिरहोर टोला एवं रामपुर पंचायत के नावागढ़ में बिरहोर समुदाय के परिवारों के बीच चूड़ा, तिलकुट का वितरण किया गया। इस सामाजिक कार्यक्रम का नेतृत्व चौपारण प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिरहोर जैसे आदिवासी एवं वंचित समुदायों के बीच आपसी सौहार्द, सहयोग और सामाजिक जुड़ाव को सशक्त बनाना था। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक खाद्य पदार्थ चूड़ा, तिलकुट का वितरण कर जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया, ताकि मकर संक्रांति जैसे पर्व को गरीब परिवार भी हर्षोल्लास के साथ मना सकें। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि के साथ दर्जनों युवाओं ने सक्रिय सहभागिता

निभाई। प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सहयोग पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने आगे भी इस तरह के सामाजिक और जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों और युवाओं ने इस सेवा भावना की सराहना की।

झामुमो नगर कमेटी ने दही-चूड़ा कार्यक्रम के साथ चुनावी तैयारी का किया आगाज

प्रत्यूष नवबिहार। बरही

हजारीबाग : झारखंड मुक्ति मोर्चा नगर कमेटी की ओर से मंगलवार को पार्टी कार्यालय, हजारीबाग में पारंपरिक दही-चूड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश ने की, जबकि संचालन जिला सचिव निसार अहमद ने किया। मौके पर पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने दही-चूड़ा और तिलकुट का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। झामुमो जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि मकर संक्रांति के बाद 16 जनवरी से पार्टी कार्यकर्ता

प्रत्येक वार्ड में जोर-शोर से जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से आम जनता को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश ने कहा कि झामुमो नगर निगम चुनाव मजबूती के साथ लड़ेगी। उन्होंने हेमंत सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की कई योजनाओं से आम जनता को सीधे लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से महिलाओं को ह्लमइयां सम्मान योजनाह्व का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार जो कहती है, उसे करके भी दिखाती है। विकास राणा ने कहा कि इस बार झामुमो हजारीबाग नगर निगम चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरेगी और पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को सभी नेता व कार्यकर्ता एकजुट होकर समर्थन देंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय सचिव मो. इजहार अंसारी, नगर उपाध्यक्ष राजदेव यादव, राजीव वर्मा, हसीब खान, राजा मोहम्मद, राजकिशोर प्रसाद, मो. अख्तर, सतीश दास, कौशर जमाल, मो. आजाद अंसारी, सुधीर पांडेय, धर्मेंद्र ठाकुर, मो. खलील सहित अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव में विकास पुरुष स्व. गुरुदयाल महतो की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

बड़कागांव : बड़कागांव के पूर्व प्रमुख एवं विकास पुरुष स्वर्गीय गुरूदयाल महतो की जयंती प्राचार्य जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय के सभा भवन में मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य राम लखन महतो ने की। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें छात्राओं के द्वारा गुररूदयाल महतो अमर रहे। जब तक सूरज चांद रहेगा गुरूदयाल महतो का नाम रहेगा, विकास पुरुष अमर रहे जैसे नारा लगाया गया। तत्पश्चात जीडीएम चौक में स्वर्गीय गुरूदयाल महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय के सभा भवन में प्रधानाध्यापक राम लखन महतो के संचालन में कार्यक्रम की शुरूआत किया गया। साथ ही छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं अतिथियों में पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि स्व. गुरूदयाल महतो बड़कागांव क्षेत्र के एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने हाई स्कूल बड़कागांव एवं बालिकाओं के लिए बालिका उच्च विद्यालय का निर्माण कराया। जिसमें आज हजारों की संख्या में बालिकाएं शिक्षा ग्रहण कर अपने परिवार को संवारा है। सचिव सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा की जिस उद्देश्य से स्वर्गीय गुरूदयाल महतो ने इस विद्यालय का निर्माण करवाया इसका उद्देश्य आज पूरा हो रहा है। वहीं पूर्व डीएसपी मटुकधारी महतो ने कहा कि उनके सपनों को साकार करने के लिए हम लोगों को आगे आना होगा और बालिकाओं को और अधिक सेवाएं उपलब्ध कराने होंगे।

मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने पंचायत के लोगों के बीच किया कंबल वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने पश्चिमी पंचायत भवन में बढ़ती ठंड से राहत देने के लिए पंचायत के जरूरतमंद बुजुर्ग,असहाय एवं विधवा लोगों के बीच कम्बल का वितरण किया। कम्बल देते हुए रंजीत कुमार ने लोगों से अपील किया के आप लोग बढ़ते ठंड को देखते हुए कंबल का उपयोग करें आवश्यकता अनुसार घर से बाहर निकले। बेवजह ठंड में बाहर नहीं निकले। मौके पर उपमुखिया सत्यदेव महतो, पंचायत सेवक अरविंद दांगी,वार्ड सदस्य अनीता कुमारी,सुरेंद्र कुमार सहित अन्य लोगों उपस्थित थे।

सोहराय मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत रानीचुवां पंचायत के कुटमा के खेल मैदान में सोहराय पर्व धूमधाम से मनाया गया। सोहराय पर्व आदिवासियों का प्रमुख पर्व है। इस आयोजन का संचालन कर रहे बाबूलाल मुर्मू ने बताया कि सोहराय पर्व आदिवासी संस्कृति व परम्परा का प्रतीक है। सोहराय पर्व आदिवासी समाज का सिर्फ प्रकृति पर्व ही नहीं माना जाता है, बल्कि भाई-बहन का प्रतीक पर्व भी माना जाता है। सोहराई पर्व का मुख्य उद्देश्य पशुओं का सम्मान, कृषि की समृद्धि के लिए प्रार्थना और देवी-देवताओं को धन्यवाद देना है। यह पर्व जीवन,उर्वरता और प्रकृति के चक्र को दशार्ता है, और इसकी विशेषता यह है कि यह पूरी तरह से पशु-प्रकृति-कृषि पर केंद्रित है। इस पर्व में जीतपुर, कुटमां, कुरहरिया ,पिपरा,कूटमा बसरिया टोला आदि गांवों से सैकड़ों महिला पुरुष ने पर्व का आनंद उठाया। इस कार्यक्रम का शुरूआत 2017 में धनी मुर्मू एवं मुन्ना सोरेन द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनी मुर्मू,मुन्ना सोरेन,करियातपुर से धनंजय कुमार,अशोक हंसदा,बाबूलाल मुर्मू, सुरेश टुडू, बासो मुर्मू,जगलाल हंसदा,हीरालाल हंसदा,मोहन हंसदा,उमेश हंसदा,रमेश हंसदा,सूरज हंसदा समेत कई लोग मौजूद थे।

झारखंड महाविद्यालय में सरस्वती पूजा सह विदाई समारोह को लेकर हुई बैठक

बड़कागांव : झारखंड महाविद्यालय में सरस्वती पूजा के सन्दर्भ में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता शिक्षक रंजीत कुमार संचालन शिक्षक सूरज दास के द्वारा किया गया। धूमधाम से सरस्वती पूजा मनाने के निर्णय लिया गया पूजा के लिए प्रबंधन समिति का गठन एवं इंटर द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं की विदाई समारोह किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से झारखंड महाविद्यालय के प्राचार्य विनोद यादव, सचिव श्यामसुंदर तिवारी, शिक्षक शमशेर आलम ,शिक्षक मुदस्सर आलम , धर्मनाथ उपस्थित थे। पूजा प्रबंधन के अध्यक्ष-पूनम कुमारी,सचिव चित्तरंजन कुमार, कोषाध्यक्ष पूजा कुमारी, सहयोगी सदस्य नेहा कुमारी, दुर्गा कुमारी, मोनिका कुमारी, गोपी कुमार, आनंद कुमार, सुभाष कुमार और अन्य सदस्य का चयन किया गया।

थाना प्रभारी के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई, मुरानिया में 10 एकड़ अफीम खेती नष्ट

चौपारण : थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध चौपारण पुलिस ने बड़ी और सराहनीय सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के कुशल नेतृत्व, सक्रिय रणनीति और सतत निगरानी का ही परिणाम रहा कि पुलिस ने समय रहते अवैध अफीम की खेती पर करारा प्रहार किया। मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम मुरानिया में चौपारण पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा योजनाबद्ध अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को चिन्हित कर मौके पर ही पूरी तरह विनष्ट कर दिया गया। साथ ही घटनास्थल से चार डिलीवरी पाइप भी बरामद किए गए, जिन्हें वहीं नष्ट कर दिया गया।स्थानीय लोगों के अनुसार थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी लगातार क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं और नशे के कारोबार के खिलाफ उनकी सख्त कार्यशैली से अपराधियों में भय का माहौल है।

एक नजर

प्रशासन को व्यापारियों की सुरक्षा को देनी होगी सर्वोच्च प्राथमिकता : चेंबर

रांची : झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के लॉ एंड आर्डर उप समिति की बैठक मंगलवार को चेंबर भवन में हुई। बैठक में कानून-व्यवस्था को लेकर विमर्श किया गया। राज्य की विधि-व्यवस्था, व्यापारियों की सुरक्षा, पुलिस गश्ती व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और प्रशासनिक समन्वय जैसे विषयों पर बैठक में चर्चा की गई। बैठक में रामगढ़ जिले के भुरकुंडा क्षेत्र स्थित ज्वेलर्स दुकान में दिसंबर माह में घटित घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया। पीड़ित व्यवसायी की ओर से भुरकुंडा थाना में दिए गए आवेदन के पर चेंबर ने इस विषय पर संज्ञान लेते हुए रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक और झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र भेज कर त्वरित जांच, अपराधियों की गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बैठक में चेंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि आपराधिक घटनाओं और आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को व्यापारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

शराब घोटाला मामला : चार्जशीट दाखिल नहीं होने पर तीन कारोबारियों को डिफॉल्ट बेल

रांची : झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा गिरफ्तार किए गए कारोबारी महेश शिडगे, परेश ठाकोर और विक्रम ठाकुर को अदालत से डिफॉल्ट बेल मिल गई है। एसीबी की ओर से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आरोपपत्र (चार्जशीट) दाखिल नहीं किए जाने के कारण विशेष अदालत ने उन्हें यह राहत प्रदान की। मंगलवार को रांची स्थित एसीबी की विशेष अदालत ने तीनों आरोपितों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। एसीबी ने पिछले साल अक्टूबर माह में इन आरोपितों को गुजरात से गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में न्यायिक हिरासत में बंद थे। जांच में सामने आया है कि आरोपितों की कंपनी ने वर्ष 2022-23 के दौरान झारखंड में शराब कारोबार से जुड़ी गतिविधियों के लिए मैनपावर की आपूर्ति की थी। मामले में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप दर्ज हैं। गौरतलब है कि इस मामले के मुख्य आरोपी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी विनय चौबे सहित अन्य कई आरोपियों को भी इससे पहले चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण डिफॉल्ट बेल मिल चुकी है। इससे एसीबी की जांच प्रक्रिया और समयबद्ध कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आपसी विवाद में सगे भाई की हत्या आरोपी गिरफ्तार

मुरी : सिल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धर्मपुर में बीती रात आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। घटना में 65 वर्षीय बलराम मुंडा पिताझस्व. खेदन मुंडा की उसके ही सगे भाई सीदाम मुंडा द्वारा लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मारपीट इतनी गंभीर थी कि बलराम मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस द्वारा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेजा गया।मृतक की पत्नी के लिखित आवेदन के आधार पर सिल्ली थाना कांड संख्या 03/26 के तहत मामला दर्ज किया गया! अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त सीदाम मुंडा उम्र करीब 65 वर्ष, पिता स्व. खेदन मुंडा, निवासी धर्मपुर, थाना सिल्ली, जिला रांची को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पशुओं के नस्ल सुधार में ऑस्ट्रेलिया के प्रयोग को अपनाएगा झारखंड : शिल्पा नेहा तिर्की

झारखंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच पशुपालन तकनीक के आदान-प्रदान पर सहमति, एमओयू की दिशा में पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में पशुओं के नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर मंगलवार को रांची में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और ऑस्ट्रेलिया के एग्रीकल्चरल काउंसलर किरण करामिल शामिल हुए। इस दौरान पशुपालन तकनीक के आदान-प्रदान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ शीघ्र समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पशुपालन के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की तकनीक विश्व स्तर पर सबसे उन्नत और सफल मानी जाती है। झारखंड सरकार इस तकनीक को अपनाकर राज्य के पशुपालकों और किसानों को इसका लाभ पहुंचाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि पशुओं के नस्ल सुधार से विशेषकर गौ-पालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में आसानी होगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि संभव है। मंत्री तिर्की ने बताया कि बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलिया सरकार या वहां के प्रतिष्ठित पशुपालन संस्थानों के साथ एमओयू करने की योजना पर भी विचार किया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर विभागीय अधिकारियों की एक टीम ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां की आधुनिक पशुपालन तकनीकों का अध्ययन भी कर सकती है। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के एग्रीकल्चरल काउंसलर किरण करामिल ने झारखंड सरकार के साथ हुई चर्चा को सकारात्मक बताते हुए भविष्य में इस दिशा में सहयोग की व्यापक संभावनाएं जताईं। उल्लेखनीय है कि इसी क्रम में बीते वर्ष 16 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर फिलिप ग्रीन के साथ भी रांची में बैठक हुई थी, जिसमें पशुपालन और कृषि क्षेत्र में सहयोग को लेकर प्रारंभिक बातचीत की गई थी। बैठक में पशुपालन विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी तथा आईसीएआर गढ़खटंगा के निदेशक सुजय रक्षित भी उपस्थित रहे।

बेरोजगारी-महंगाई पर चर्चा नहीं संघीय ढांचा पर आक्रमण : पंकज मिश्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी और महंगाई है। केंद्र सरकार को अपना फोकस इन समस्याओं को दूर करने की दिशा में लगानी चाहिए। मगर सरकार की पूरी ताकत संघीय ढांचों को ध्वस्त करने और जनता को मुख्य मुद्दों से भटकाने में लगी है। आईएमएफ की रिपोर्ट के एक भाग जिसमें वित्तीय स्थिति को मजबूत होने की संभावना बताई गई है को बढ़चढ़कर बताया जा रहा है, वहीं डेटा रखरखाव में सी ग्रेड क्यूं मिला इस बात को छुपा रही है। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत संघीय ढांचों की रक्षा करने का दायित्व पूरी तरह केंद्र सरकार के हाथों में है। राज्यों को उनके हक का राजस्व तो देना ही है,। विपरीत परिस्थितियों में विशेष सहायता भी प्रदान करना केंद्र सरकार का दायित्व है। मगर गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ अक्सर भेदभाव किए जाने की घटना सुनने को मिलती है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। मिश्र ने केंद्र सरकार पर संविधान को रौशन का आरोप लगाते हुए कहा कि अब लोकतंत्र की परिभाषा चुनाव आयोग और ईडी ही रह गया है। विपक्ष को समाप्त करने की साजिश के तहत एसआईआर का सहारा लिया जा रहा है। वहीं बचा-खुचा काम ईडी से कराया जा रहा। कई राज्यों में चुनाव के वक्त ईडी की सक्रियता देखी जा चुकी है। ताजा पश्चिम बंगाल में देखी जा रही है। जयप्रकाश जनता के राष्ट्रीय सचिव ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह दुर्भाग्यपूर्ण कार्यों से काम करने के बजाय राष्ट्र हित में काम करे।

झारखंड में 69वीं राष्ट्रीय स्कूली शतरंज व साइक्लिंग प्रतियोगिता का भव्य आगाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की मेजबानी में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली शतरंज एवं साइक्लिंग (रोड एवं ट्रैक) प्रतियोगिता की शुरूआत हो गई है। मंगलवार को प्रतियोगिता का आगाज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और दीप प्रज्वलन कर हुआ। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 13 जनवरी से 17 जनवरी तक आयोजित होगी। साइक्लिंग रोड एवं ट्रैक प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह रिंग रोड स्थित विकास नेवरी में हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व खेल मंत्री मिथलेश कुमार ठाकुर सहित विशिष्ट अतिथियों में ट्रैफिक डीएसपी शिवकुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, सेवानिवृत्त डिप्टी कमांडेंट एसएस गील, झारखंड साइक्लिंग संघ के महासचिव शैलेन्द्र कुमार पाठक एवं डॉ। धर्मेंद्र लाम्बा शामिल हुए। वहीं शतरंज प्रतियोगिता का उद्घाटन खेलगांव स्थित हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त सचिव- मनीष कुमार, अखिल भारतीय शतरंज संघ के अधिकारी सहित विशिष्ट अतिथियों में नवजोत अलंग (सचिव, रांची जिला शतरंज संघ) एवं दीपक कुमार (अंतर्राष्ट्रीय आर्बिटर) शामिल हुए। सभी अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। साइक्लिंग रोड एवं ट्रैक प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व खेल मंत्री मिथलेश कुमार ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि खेल वह माध्यम है, जिससे खिलाड़ी न केवल अपना, बल्कि अपने परिवार, राज्य और देश का नाम रौशन करते हैं। पढ़ाई जीवनयापन सिखाती है, जबकि खेल मान-सम्मान, पहचान और आत्मविश्वास प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में झारखंड को मिल रही नई पहचान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दूरदर्शी सोच और निरंतर समर्थन का परिणाम है।

गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव कर रही है एनडीए सरकार : माकपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार देशहित को ताक पर रखकर गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव कर रही है। साथ ही उन्हें आर्थिक रुप से पंगु बनाने के दिशा में काम कर रही है। यह बातें माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने कहा कि केंद्र के भेदभाव का ताजा उदाहरण केरल है जिसे केंद्र की नीतियों के कारण अपने राजस्व में उसे पिछले पांच वर्षों में 57 हजार करोड़ रुपये का भारी घाटा झेलना पड़ा। उसी प्रकार संवैधानिक प्रावधानों की गलत व्याख्या कर राज्यों के कर्ज लेने की सीमाओं पर कटौतियां थोप दी गई केंद्रीय टैक्स में से केरल का हिस्सा, जो 10 वें वित्त आयोग के दौरान 3.875 प्रतिशत थी वर्तमान 15 वें वित्त आयोग के समय मात्र 1.925 प्रतिशत रह गयी है। इससे वर्ष 2024-25 में ही केरल को 27 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद केरल की वाम सरकार ने अपने संसाधनों से काम किया। प्रकाश विप्लव ने कहा कि झारखंड के साथ केंद्र सरकार यही कर रही है। उन्होंपने कहा कि अपने उचित हिस्से के लिए भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वित्तमंत्री को दिल्ली जाकर विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों से संपर्क करना पड़ता है। झारखंड को 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा के आलोक में मिलने वाले दो वित्तीय वर्ष के बकाये राशि पर केंद्र सरकार कुंडली मार कर बैठी थी जिसका भुगतान नहीं होने से राज्य में वंचित समुदायों के बच्चों की पढ़ाई छात्रवृत्ति नहीं मिलने से वाधित हुई। इसके अलावा पैसे के अभाव में झारखंड के चार हजार से ज्यादा पंचायतों में विकास का काम ठप्प हो गया। राज्य सरकार के मंत्रियों ने दिल्ली में डेरा डाले जाने के बाद वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर वर्ष 2024 - 25 के लिए प्रथम किश्त की अनुदान राशि 275.13 करोड़ रुपये वित्त मंत्रालय ने जारी किया।

मयंक मुरारी को मिला वर्ष 2026 का आचार्य विद्यानिवास स्मृति सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : चिंतक और लेखक डॉ मयंक मुरारी को विद्यानिवास मिश्र के जन्मशती वर्ष के अवसर पर बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी काशी में विद्याश्री न्यास द्वारा विद्यानिवास मिश्र स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मेरी पुस्तक जंबूद्वीपे भरतखंडे के लिए मिला है, जो प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित है। मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल लक्ष्मण, काशी विद्यापीठ के कुलपति आनंद कुमार त्यागी, करपात्री महाराज के धर्म संघ पीठ अध्यक्ष अध्यक्ष जगजीतन पांडेय और विद्या न्यास के सचिव डॉ दयानिधि मिश्र के हाथों यह सम्मान मिला। डॉ मयंक मुरारी ने कई अकादमिक सत्रों में शामिल हुए और देश और काल में लोक पर अपने विचार प्रकट किये। उन्होंने कहा कि वैचारिक ज्ञान गंगा के संवाहक इस महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान में आकर चेतन को नया धरातल मिला। डॉ मयंक मुरारी के पूर्व इस सम्मान से देश के लब्धप्रतिष्ठित साहित्यकार एवं बुद्धिजीवी कृष्ण बिहारी मिश्र, अमृतलाल बेगड़ा, नंदकिशोर आचार्य, श्यामसुंदर दूबे, राजेंद्ररंजन चतुर्वेदी, उषा किरण खान एवं रामपरिहार आदि सम्मानित हो चुके हैं। डा मयंक मुरारी एक विचारक और सक्रिय लेखक हैं। उनके संपूर्ण लेखन का उद्देश्य भारतीय जीवन और संस्कृति की ज्ञानात्मक समृद्धि से परिचय कराना, इतिहास, परंपरा और विरासत का वैज्ञानिक विश्लेषण करना और लोकजीवन में निहित नैतिक एवं जीवन मूल्यों को प्रस्तुत करना है।

झारखंड हाई कोर्ट ने जेयूटी-एआईसीटीई की सीबीआई जांच के दिए आदेश, दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने छात्रों को कथित रूप से फंसाने के गंभीर मामले में झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) की भूमिका की जांच का आदेश दिया है। न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दो सप्ताह के भीतर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश कुमार ने धनबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया। मामले की अगली सुनवाई की तिथि 3 फरवरी निर्धारित की गई है। याचिका में धनबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य ने आरोप लगाया था कि एआईसीटीई ने 30 अप्रैल 2025 को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नामांकन की अनुमति दी, जिसके आधार पर कॉलेज में छात्रों का नामांकन किया गया। इसके बावजूद जेयूटी छात्रों को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दे रहा है, जिससे छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। मामले के तथ्यों को देखते हुए उच्च न्यायालय ने जेयूटी के रजिस्ट्रार को आज (13 जनवरी) को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया था। आदेश के आलोक में रजिस्ट्रार अदालत में उपस्थित हुए। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह मामला ट्रैफिक पुलिस द्वारा नो-एंट्री और नो-पार्किंग बोर्ड हटाकर यात्रियों से अवैध वसूली करने जैसा प्रतीत होता है। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि जेयूटी ने भी इसी प्रकार का रवैया अपनाया है। अदालत ने कहा कि एआईसीटीई द्वारा नामांकन की अनुमति दिए जाने के बाद छात्र दाखिला लेने के लिए प्रेरित हुए, लेकिन बाद में उन्हें परीक्षा में शामिल होने से रोका जा रहा है। यह मामला अत्यंत गंभीर है, क्योंकि यह राज्य के अधिकारियों द्वारा छात्रों के भविष्य को बर्बाद करने जैसा प्रतीत होता है। न्यायालय ने इसे भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला मानते हुए इस याचिका में सीबीआई को चौथा प्रतिवादी बनाए जाने का आदेश दिया। सीबीआई को प्रतिवादी बनाए जाने के बाद न्यायालय ने नोटिस जारी किया, जिसे सीबीआई की ओर से एएसजीआई प्रशांत पल्लव ने स्वीकार किया। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह यह जांच करे कि एआईसीटीई और जेयूटी की ओर से छात्रों को किस प्रकार फंसाया गया, इस पूरे प्रकरण में किसकी क्या भूमिका रही और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। अदालत ने सीबीआई को दो सप्ताह में जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने टुसू महोत्सव पर दी शुभकामनाएं

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को मोरहाबादी में आयोजित टुसू महोत्सव के अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि टुसू पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि लोक-परंपराओं, सामूहिक श्रम-संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति और मानव जीवन के बीच स्थापित आत्मीय संबंध को लोक-आस्था के माध्यम से अभिव्यक्त करता है तथा कृषि समाज के उल्लास और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि टुसू पर्व झारखण्ड की लोक-चेतना का प्रतिनिधित्व करता है और यह संदेश देता है कि हमारी परंपराएँ केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान को दिशा देने वाली जीवन-दृष्टि भी हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं तथा सामाजिक समरसता और सौहार्द की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी केह्यएक भारत श्रेष्ठ भारत के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक विविधता और लोक-परंपराओं में निहित है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड के राज्यपाल के पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों के सुदूरवर्ती ग्रामों का भ्रमण कर वहाँ के नागरिकों से संवाद किया तथा उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने यह अनुभव हुआ कि राज्य के लोग परिश्रमी, सरल और अपनी संस्कृति से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हर्ष है की बात है कि राज्य की महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक-सामाजिक रूप सशक्त हो रही हैं और अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर सजग हैं।

187वां श्री सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार 187वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। कार्यकारिणी सदस्य राजेश ढांढनीया ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। बलराम मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। बलराम मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अशोक लड़ियां कार्यकारणी सदस्य राजेश ढांढनीया बलराम मोदी अंकित संकेत ऋषभ हर्ष प्रणव पांडे आदि भक्त उपस्थित थे। साल की पहली एकादशी बुधवार 14 जनवरी को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भजन संकीर्तन के साथ आयोजित की गई है। प्रातः दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। एकादशी का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 से ज्योत के साथ प्रारंभ होगा। देर रात्रि आरती की जाएगी। मंडल के मंत्री पंकज गाड़ोदिया ने सभी श्याम भक्तों को एकादशी संकीर्तन में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

झारखंड आंदोलनकारी एवं भाजपा नेता को मातृ शोक

रांची : भाजपा नेता एवं झारखंड आंदोलनकारी वीरेंद्र सिंह उर्फ रिंकू सिंह की माता शशि प्रभा देवी का निधन सोमवार को इलाज के दौरान रिम्स रांची में हो गया। वह 82 वर्ष की थी उनके पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री का हरा भरा परिवार है। उनके अंतिम संस्कार में समाज के कई गणमान्य व्यक्ति के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की एवं उनके परिवार को इस दुख घड़ी में सबल प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना की।

पहाड़ी मंदिर क्षेत्र में चला अतिक्रमण मुक्त अभियान

रांची : रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्थित पहाड़ी मंदिर शहर का एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है, जो लगभग 27 एकड़ क्षेत्रफल में विस्तारित है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं आम नागरिक दर्शन हेतु आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए नगर निगम के प्रशासक के निर्देशानुसार आज दिनांक 13.01.2026 को निगम की इनफोर्समेंट टीम द्वारा पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार के दोनों ओर एवं आसपास के संपूर्ण क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मंदिर के बाहर अस्थायी रूप से लगाई जा रही सभी दुकानों को हटाया गया। इसके अतिरिक्त निगम द्वारा बंदोबस्ती के अंतर्गत आवंटित दुकानों के बाहर अवैध रूप से निर्मित चबूतरों को भी हटाया गया। इसके अलावा मार्ग पर बनाए गए अवैध संरचनाओं एवं अन्य अतिक्रमण सामग्रियों को भी जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि पहाड़ी मंदिर परिसर के बाहर रांची नगर निगम द्वारा कुल 40 दुकानों का बंदोबस्ती के आधार पर आवंटन किया गया है। जांच के उपरांत यह तथ्य सामने आए कि मंदिर के मुख्य द्वार के दोनों ओर कई दुकानदारों द्वारा आवंटित क्षेत्रफल से बाहर टीन शेड लगाकर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया था, जिससे मार्ग संकीर्ण हो गया और यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। नियमों के उल्लंघन के मद्देनजर निगम द्वारा कुल 33 दुकानों पर 25,000 प्रति दुकान की दर से जुमार्ना लगाया गया है। जांच में यह भी पाया गया कि लगभग 7 दुकानों में किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं था। भविष्य में पुनः नियमों का उल्लंघन पाए जाने की स्थिति में संबंधित दुकानों का आवंटन रद्द करते हुए उन्हें काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाएगी। पहाड़ी मंदिर में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रांची नगर निगम पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु निगम द्वारा निरंतर योजनाबद्ध एवं ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। रांची नगर निगम सभी सम्मानित नागरिकों से अपील करता है कि पहाड़ी मंदिर एवं इसके आसपास के क्षेत्रों को कूड़ा मुक्त एवं अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

मनरेगा में फर्जीवाड़ा : बीपीओ चारू प्रसाद मांझी और रोजगार सेवक केदार नाग की संविदा रद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताओं, कदाचार एवं फर्जीवाड़े के मामलों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। उपायुक्त सह जिला कार्यक्रम समन्वयक, सिमडेगा के आदेश पर बानो प्रखंड में पदस्थापित ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर चारू प्रसाद मांझी एवं ग्राम रोजगार सेवक केदार नाग की संविदा तत्काल प्रभाव से रद्द कर उन्हें कार्यमुक्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के अपर सचिव के पत्रांक (N) 975 (अनु०), दिनांक 10.07.2025 के आलोक में प्राप्त निदेश के आधार पर कराई गई जिला स्तरीय जांच के उपरांत की गई। उक्त निर्देश के अनुपालन में जिला ग्रामीण विकास शाखा, सिमडेगा द्वारा पत्रांक 1060 (ii)/जि०ग्रा०, दिनांक 21.07.2025 के माध्यम से जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सिमडेगा सह वरीय पदाधिकारी, बानो प्रखंड को जांच का दायित्व सौंपा गया था। इसके क्रम में पत्रांक 482 (ii), भू०अ०, दिनांक 30.07.2025 के तहत जांच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। जांच में पंचायत गेनमेर, रायकेरा एवं जमतई में मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में व्यापक अनियमितताएं उजागर हुईं। ग्राम सभा पंजी के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं किया गया, जबकि पंचायत गेनमेर अंतर्गत बहुरण नायक का टीसीबी निर्माण, संतोषी देवी, गोविंद सन्यासी एवं झालो देवी के नाम से स्वीकृत लूज बोल्डर चेकडैम निर्माण योजनाएं धरातल पर अस्तित्व में नहीं पाई गईं, इसके बावजूद उन्हें पूर्ण दर्शाकर राशि की निकासी कर ली गई। जांच में यह भी पाया गया कि महिला मेट के स्थान पर बिचौलियों के माध्यम से कार्य कराया जा रहा था। साथ ही कुछ जॉबकार्ड अन्य राज्य (ओडिशा) के व्यक्तियों के नाम पर पाए गए। इसके अतिरिक्त नाबालिग बच्चों गुलाब महतो एवं अजीत सिंह के नाम पर फर्जी जॉबकार्ड बनाकर, आधार कार्ड में जन्म तिथि में डिजिटल हेर-फेर कर अवैध रूप से मजदूरी राशि की निकासी की गई। जांच प्रतिवेदन के आलोक में निर्गत स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाए जाने पर ग्रामीण विकास विभाग (मनरेगा) के झारखंड राज्य योजना संख्या 4729, दिनांक 04.06.2007 के अंतर्गत मनरेगा नियुक्ति सेवा शर्त एवं कर्तव्य नियमावली 2007 की कंडिका 11(च) के तहत यह कार्रवाई की गई। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि बिना कार्य के निकाली गई राशि की वसूली ब्याज सहित सुनिश्चित करते हुए विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाए।

एक नजर

लोहड़ी पर्व ने एकता और खुशहाली का दिया संदेश : भूषण बाड़ा

कुरडेग : लोहड़ी के पावन अवसर पर सिमडेगा जिला कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा एवं महिला जिला अध्यक्ष जोशीमा खाखा ने समस्त देशवासियों एवं सिमडेगा जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि लोहड़ी पर्व मेहनत, प्रकृति और खुशहाली का प्रतीक है, जो देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को एक सूत्र में बांधता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व नई फसल, नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संदेश देता है, ठीक वैसे ही जैसे भारत की साझा संस्कृति विविधता में एकता की मिसाल है। वहीं महिला जिला अध्यक्ष जोशीमा खाखा ने कहा कि लोहड़ी जैसे पारंपरिक त्योहार सामाजिक समरसता, भाईचारे और पारिवारिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, किसानों और मजदूर वर्ग के सुख-समृद्धि की कामना की और कहा कि लोकपर्व हमारी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

राह के कांटे दुश्मन नहीं,चलना सिखाते हैं : एस के सचिन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सांढ़ निवासी एस.के. सचिन लगातार तीन पुस्तकों की सफलता के बाद अब एस.के. सचिन द्वारा चौथी पुस्तक राह के कांटे लिखी गई। यह पुस्तक बजार में आ चुकी है। पाठकों की पसंद बनते जा रही है,लोग खूब पसंद कर रहे हैं। यह पुस्तक आनलाईन तथा पुस्तकालयों में उपलब्ध है। बताते चलें कि इस पुस्तक से पहले इन्होंने आईना जिंदगी का, अँधेरे के जुगनू और धड़कनों की जुबां पुस्तक लिख चुके हैं जो काफी चर्चा में रही। एस.के.सचिन पुस्तक लिखने के साथ – साथ वालीवुड (फिल्म जगत)के लिए भी लेखक के रूप में काम करते हैं, जहां वो कथा, पटकथा, संवाद और गीत लिखते हैं। इनके द्वारा लिखी गई कई फिल्म प्रदर्शित हो चुकी है और मो.अजीज,विनोद राथोड,पेमिला जैन, तरन्नुम, खुशबू जैन, राहुल पांडे के अलावा अनेकों गायक गायिका के लिए गीत भी लिख चुके हैं। जो बहुत सारे गीत यू ट्यूब पर सुन भी सकते हैं। एस.के.सचिन जिन्होंने यह साबित कर दिखाया जितने का जुनून हो तो बाधाएं जायद देर तक नहीं टिक सकती है।

एसकेवी स्कूल में श्रद्धा के साथ मना लोहड़ी उत्सव

रामगढ़ : शहर के श्री कृष्ण विद्या मंदिर के प्रांगण में लोहड़ी पर्व मंगलवार को श्रद्धा और परंपरा के साथ आयोजित किया गया। लोहड़ी उत्तर भारत की एक प्राचीन लोक परंपरा है जिसका ऐतिहासिक संबंध कृषि सभ्यता से जुड़ा हुआ है। यह पर्व शीत ऋतु के अंत, सूर्य के उत्तरायण होने और नई फसल के स्वागत का प्रतीक माना जाता है। विद्यार्थी और शिक्षकों ने पारंपरिक लोकगीतों के साथ उसकी परिक्रमा की एवं तिल, गुड़, रेवड़ी तथा मूंगफली अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। वहीं मौके पर विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उल्लास और उमंग से भर दिया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने सभी को लोहड़ी की बधाई देते हुए कहा कि हमारा देश भारत और इसकी संस्कृति हमें अनेकता में एकता का पाठ पढ़ाता है। लोहड़ी पर्व पूरे भारत को एक सूत्र में बांधने का काम करता है। भी वकार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रशासक एसपी सिन्हा, प्रभारी प्राचार्य विजय तिवारी और शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक सभी कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

जलस्रोत पर स्नान के दौरान लोग बरतें विशेष सतर्कता : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नदी, तालाब और अन्य जलस्रोतों में स्नान की परंपरा को देखते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने जिले वासियों से जलस्रोत पर स्नान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उपायुक्त ने मंगलवार को कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचने के लिए पूरी सतर्कता बरतें और सुरक्षा नियमों का विशेष रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न घाट, तालाब, नदी और डैम क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए इन सभी चिन्हित स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे लगातार निगरानी रखें और भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। लोगों को विशेष रूप से गहरे पानी में जाने से बचने, नशे की हालत में स्नान न करने और बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष निगरानी रखने की अपील की है। इसके अलावा, जिले के स्थानीय गोताखोरों को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

बच्चों के झगडे को लेकर किया जानलेवा हमला, आधा दर्जन लोग घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : जिले के भुजुडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत पोलकिरी भुजुडीह गांव में मंगलवार को पड़ोसियों ने एक ही परिवार के घर में घुसकर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें बेहतर इलाज के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती किया गया है। घटना में घायल हुए लोगों की पहचान अनुज कुमार ठाकुर, निलेश ठाकुर, किशोर ठाकुर, मनोज ठाकुर, गोपाल ठाकुर, सावित्री देवी और प्रतिमा देवी के रूप में हुई है। हमले में महिलाओं और पुरुषों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार, सोमवार की शाम पोलकिरी भुजुडीह गांव के क्रिकेट ग्राउंड के पास दो बच्चों के बीच मामूली विवाद हुआ था। इस विवाद को गांव के मुखिया की मौजूदगी में उसी रात सुलझा लिया गया था और दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हो गया था। इसके बाद माहौल शांत हो गया था। लेकिन, मंगलवार की सुबह अचानक 8 से 10 की संख्या में पहुंचे लोगों ने अनुज कुमार ठाकुर के घर पर धावा बोल दिया। आरोप है कि हमलावर चाकू, लाठी-डंडा और कुल्हाड़ी से लैस थे। हमलावरों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों पर अंधाधुंध हमला किया और ईंट-पत्थर भी चलाए। घटना के बाद घायल सभी लोगों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद सभी की गंभीर स्थिति को देखते हुए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में सभी का इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष ने अनूप ठाकुर, अंजन ठाकुर, शंकर ठाकुर सहित कई अन्य लोगों पर घर में घुसकर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद गांव में तनाव और दहशत का माहौल है। मामले की सूचना भुजुडीह ओपी पुलिस को दी गई है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

कोडरमा के तीन कबड्डी खिलाड़ी झारखंड टीम में चयनित, पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला कबड्डी संघ के लिए गर्व का विषय है कि जिले के तीन होनहार खिलाड़ियों का चयन झारखंड राज्य टीम में हुआ है। ये खिलाड़ी 51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिसका आयोजन 15 से 18 जनवरी तक विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों में नवाज दिलशान (पिता मिर्जा नयीम बेग, भदोडीह, झुमरी तिलैया), रवि कुमार (पिता प्रभु यादव, तिलैया डैम, सिमरिया) एवं बिट्टू कुमार (पिता पंकज कुमार, सुंदर नगर, कोडरमा) शामिल हैं। इस उपलब्धि पर कोडरमा जिला कबड्डी संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। संघ के अध्यक्ष संदीप कुमार सिन्हा, सचिव धर्मेंद्र कुमार सिंह उपाध्यक्ष विकास कुमार, तौफीक हुसैन, सह सचिव जय गोपाल शर्मा, विजय कुमार साव एवं दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष विशाल सिंह, तकनीकी अध्यक्ष कुंदन कुमार राणा, तकनीकी प्रमुख सुनील कुमार साव, प्रवीण कुमार, राजू रंजन सिन्हा एवं श्रवण कुमार, तथा कार्यकारिणी सदस्य आदित्य कुमार ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एवं पदक जीतकर जिले व राज्य का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि यह चयन खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

मंदिर परिसर के कुएं में आपत्तिजनक सामग्री फेंकने से लोगों में आक्रोशित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सतगावां प्रखंड अंतर्गत मीरगंज पंचायत में एक मामला सामने आया जिसमें एक मंदिर परिसर के कुएं में आपत्तिजनक सामग्री फेंके जाने से शुरू हुआ, जिससे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था, लेकिन समय रहते पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। जानकारी के अनुसार, मीरगंज स्थित एक मंदिर परिसर अंदर बने कुएं में एक विशेष समुदाय के व्यक्ति द्वारा मिट्टी के बर्तन में कुछ संदिग्ध वस्तु डालकर फेंक दी गई। उस समय मंदिर में पूजा कर रही महिलाओं ने यह देख लिया और शोर मचाया। देखते ही देखते यह खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और मंदिर परिसर में लोगों की भारी भीड़ जमा होने लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय बुद्धिजीवियों ने तुरंत सतगावां थाना को सूचित किया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सौरव कुमार शर्मा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत कराया। प्रशासन ने ग्रामीणों के सहयोग से कुएं में मोटर लगवाकर सारा पानी बाहर निकलवाया। कुएं की सफाई के दौरान वह मिट्टी की बर्तन और एक बाल्टी बरामद की गई, मौके पर पहुंचे डोमचांच इंस्पेक्टर अरविंद कुमार और थाना प्रभारी ने बरामद सामग्री को साक्ष्य के तौर पर अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही आरोपी की पहचान कर उसे सख्त सजा दी जाएगी। आप लोग किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें।

टीआरआईएफ के 10 वर्ष पूर्ण, केरसई में विकास यात्रा पर हुआ संवाद, ग्रामीण सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरसई : ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर टीआरआईएफ केरसई टीम द्वारा केरसई प्रखंड स्थित सीएलएफ भवन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीआरआईएफ की अब तक की विकास यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम में केरसई प्रखंड जिला परिषद सदस्य प्रेमा बड़ा, अंचल अधिकारी केरसई, जेएसएलपीएस प्रतिनिधि, सीएलएफ एवं एफपीओ के बोर्ड सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्थानीय दीदियां (महिला समूह सदस्य) उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों और प्रतिभागियों ने टीआरआईएफ के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बीते 10 वर्षों में संस्था ने ग्रामीण आजीविका, कृषि विकास, संस्थागत मजबूती और समुदाय सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भविष्य की अपेक्षाओं को भी साझा किया, जिसमें किसानों की आय बढ़ाने, महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। अंचल अधिकारी केरसई ने दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि टी.आर.आई एवं जेएसएलपीएस के सहयोग से आधुनिक खेती को अपनाकर कम मेहनत में अधिक उत्पादन और बेहतर मुनाफा संभव है। उन्होंने महिलाओं से इंटरप्राइजेज के माध्यम से आगे बढ़ने, बच्चों को बेहतर शिक्षा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की अपील की। इस अवसर पर टीआरआईएफ केरसई के कोऑर्डिनेटर श्री प्रियव्रत महतो ने अपने तीन वर्षों के कार्यानुभव साझा करते हुए बताया कि समुदाय की भागीदारी से कई महत्वपूर्ण पहलें सफल हुई हैं। उन्होंने 2030 तक के टीआरआईएफ केरसई के विजन पर प्रकाश डालते हुए किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, मजबूत सामुदायिक संस्थाएं खड़ी करने और सतत ग्रामीण विकास की ओर आगे बढ़ने की बात कही। एफपीओ के सीईओ ने बताया कि उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराकर और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर किसानों को सशक्त किया जा रहा है, जिससे कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और किसानों की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

सदर अस्पताल में जेएमएम युवा कार्यकर्ताओं की तत्परता से जरूरतमंद मरीज को मिला रक्त

सिमडेगा: सदर अस्पताल सिमडेगा में भर्ती एक जरूरतमंद मरीज को गंभीर अवस्था में बी+ रक्त की आवश्यकता थी। समय पर रक्त उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मामला चिंताजनक हो गया था, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के युवा कार्यकर्ताओं की सक्रियता से मरीज की जान बचाई जा सकी। मिली जानकारी के अनुसार, अंजली बाड़ा एवं सौरव कुमार स्वयं मरीज हैं, जिन्हें इलाज के दौरान बी+ रक्त की जरूरत पड़ी थी। इस स्थिति की जानकारी मिलते ही जिला परिषद अध्यक्ष के पीए वैभव कुमार ने तत्परता दिखाते हुए रक्त की व्यवस्था कराई, जिससे समय रहते मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जा सका। यह कार्य जन सेवा का एक सशक्त उदाहरण है, जिसमें जेएमएम से जुड़े युवा कार्यकर्ताओं और सहयोगियों ने मानवता को सर्वोपरि रखते हुए जिम्मेदारी निभाई। इस मानवीय पहल की अस्पताल प्रशासन एवं स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

एलाइंट स्कॉलर एप्टीट्यूड टेस्ट में सेक्रेड हार्ट के छात्रों ने मारी बाजी

कोडरमा : एलाइंट अकादमी के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय एलाइंट स्कॉलर एप्टीट्यूड टेस्ट 2025 में सेक्रेड हार्ट स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सेक्रेड हार्ट स्कूल के कक्षा दसवीं के छात्रों में राजवीर मोदी, आयुष कुमार, शौर्य तिवारी, मोहित राज, सौरभ कुमार, आर्यन जायसवाल, प्रभजोत सिंह एवं असदक शाजादा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टॉप–10 में अपना स्थान सुनिश्चित किया। इस परीक्षा में सेक्रेड हार्ट स्कूल के कुल 73 छात्रों को सर्टिफिकेट एवं 50,000 से 85,000 तक की स्कॉलरशिप रिबेट प्रदान की गई। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में एलाइंट अकादमी द्वारा सेक्रेड हार्ट स्कूल परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में एलाइंट अकादमी के सेंटर हेड ऋषभ सिन्हा एवं मार्केटिंग हेड राज बल्लभ साहा, सेक्रेड हार्ट स्कूल के प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा के साथ उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा छात्रों को गिफ्ट एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर सेक्रेड हार्ट स्कूल के प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने एलाइंट अकादमी के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। ऐसी प्रतियोगी परीक्षाएँ छात्रों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एलाइंट अकादमी द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का यह प्रयास सराहनीय है। मैं सभी विजेता छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ। कार्यक्रम का संचालन संयुक्ता बिंद ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्राचार्य प्रवीण कुमार, कोऑर्डिनेटर शगुफ्ता परवीन, सतीश कुमार, फैयाज कैशर, भोला कुमार, टिंकू कुमार, सुमित साव, प्रियंका कुमारी, अलका सिंह, विशाल आनंद, वंदन पाण्डेय, शाहिद आलम सहित अन्य शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित थे।

वन भोज कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ कोडरमा के अंतर्गत पथलडीहा प्रक्षेत्र के तत्वावधान में पथलडीहा स्थित पिकनिक स्पॉट में वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ के पदाधिकारी गण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ पथलडीहा प्रक्षेत्र के अध्यक्ष जयनारायण सिंह ने की, जबकि संचालन महासंघ के युवा मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव दिनेश कुमार सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के अध्यक्ष रामलखन सिंह ने कहा कि क्षत्रियों का इतिहास गौरवशाली रहा है। हमें समाज के सभी वर्गों को लेकर चलने और समाज को एक नई दिशा प्रदान करने में अहम भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश महासचिव कामाख्या नारायण सिंह ने क्षत्रियों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि क्षत्रियों की एकता काफी आवश्यक है, तभी क्षत्रिय समाज का गौरव आने वाली पीढ़ियों को भी अपने समाज की गौरवशाली इतिहास की याद दिलाएगा। अपने संबोधन में महासंघ के महासचिव शिवलाल सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज के उत्थान में युवाओं की भूमिका काफी अहम है। अतः समाज के युवाओं को समाज से जुड़कर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी, तभी समाज का विकास संभव है। वहीं महासंघ के संरक्षक रामवंद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी क्षत्रियों को आपसी मतभेदों को भूलकर समाज के उत्थान और विकास में सभी को सक्रिय रूप से पहल करना होगा, तभी क्षत्रिय समाज का विकास संभव है।

भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह का निधन से प्रखण्ड में शोक की लहर

कोडरमा : सतगावां प्रखंड में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सह मंडल प्रतिनिधि मरचोई गाँव निवासी बालमुकुंद सिंह उम्र 60 वर्ष की मौत सोमवार की रात्रि दिल का दौरा पड़ने से हो गयी। निधन की खबर सुनकर भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावे गाँव, प्रखंड व जिला में शोक की लहर दौड़ गयी। निधन के उपरांत गांव में कोहराम मच गया। पूर्व शिक्षा मंत्री सह कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव,जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय आदि उनके आवास पर पहुंचे। निधन होने के बाद कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव व जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने उनके पार्थिव शरीर पर भाजपा के झंडा में लपेटकर अंतिम संस्कार के लिए मरचोई स्थित सकरी नदी के तट पर ले गए, जहां उनका दाह संस्कार किया गया और इसी के साथ संगठित जमीनी कार्यकर्ताओं वाली पार्टी कहे जाने वाली भाजपा एक पीढ़ी का अंत हो गया। तत्पश्चात कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी आदि ने कहा कि उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। वे सिर्फ नेता ही नहीं एक सच्चे समाजसेवी के रूप में हमेशा याद किए रहेंगे। निधन की सूचना पर थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा,सेवानिवृत इंजीनियर उपेंद्र सिंह, झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय,भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह,नरेश यादव,सांसद प्रतिनिधि विनोद यादव,जिप प्रतिनिधि धनंजय यादव,पूर्व मुखिया सुनील सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल यादव पुरुषोत्तम सिंह आदि पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से भेंट कर ढांढस बंधाया।

एक नजर

आग लगने से पांच झोपड़ी जलकर हुआ राख, लाखों रुपये का नुकसान

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा लोहंडा में आग लगने से गरीबों की पांच झोपड़ी जलकर राख हो गया। आग में अपना सबकुछ गंवा चुके बबलू मुर्मू ने बताया कि घटना के समय वह वहां नहीं था, आग कैसे लगी यह पता नहीं है। उन्होंने संभावना जताते हुए बताया कि उसके घर के ऊपर से विद्युत विभाग का तार गया हुआ है। संभवत: उसी से आग लगी होगी। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसका टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखा, बैटरी सहित कई समान जलकर बर्बाद हो गया। बताया कि उसे करीब चार लाख का नुकसान हुआ है। अग्नि पीड़ितों ने जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

प्रज्ञा केंद्र संचालक ने संघ का किया विस्तार

साहिबगंज: जिला के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के हाई स्कूल मैदान में प्रज्ञा केंद्र संचालक की बैठक तारीक रहमान के अध्यक्षता में आयोजन हुआ। वहीं इस बैठक में प्रखंड कमिटी का विस्तार किया गया। उक्त बैठक में क्षेत्र के सभी पंचायत के प्रज्ञा केंद्र संचालक शामिल हुए। तत्पश्चात प्रखंड कमिटी का गठन को लेकर चर्चा हुआ। वहीं इस बैठक में सर्व सम्मति से प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमे अध्यक्ष के रूप में शाहनवाज आलम, सचिव हरिदेव रविदास, उपाध्यक्ष विनोद मरांडी तथा कोषाध्यक्ष मो. तारिक रहमान को चयन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने बताया कि प्रज्ञा केंद्र संचालक विभिन्न मांगों को लेकर 16 जनवरी को रांची में धरना प्रदर्शन करेंगे। जिसको लेकर तैयारी सभी प्रखंड से शुरू हो चुकी है। जहां 16 जनवरी को प्रदेश कमिटी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन पर शामिल होंगे। मौके पर प्रज्ञा केंद्र संचालक जहांगीर आलम, सरफराज अंसारी, सोनू कुमार पंडित, मदन कुमार दे, जीतू हांसदा, मुक्ताज अंसारी, पंकज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दुमका पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया

साहिबगंज: दुमका जिला पुलिस ने मंगलवार को राधानगर पुलिस की मदद से पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत के डकैत टोला एवं राजमहल थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर मोटरसाइकिल चोरी मामले में दो संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लेकर अपने साथ दुमका ले गई साथ ही एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दुमका जिला के गोपीकांदर थाना क्षेत्र में बीते दिनों मोटरसाइकिल चोरी हुई है।मामले में गोपीकांदर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अनुसंधान के क्रम घटना का तार राधानगर थाना क्षेत्र से जुड़ा मिला। इस पर मंगलवार को गोपीकांदर थाना पुलिस राधानगर पहुंचे एवं स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग से राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत के डकैत टोला एवं राजमहल थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया एवं इस दौरान एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। गोपीकांदर थाना प्रभारी दोनों संदिग्ध को मंगलवार को अपने साथ ले गई। छापेमारी दल में शामिल दुमका थाना के एसआई सुमित भगत, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज समेत अन्य मौजूद थे।

जमशेदपुर में टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम ने टीईईपी 2.0 फ्रेमवर्क का सफल किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम टीम ने द यूनाइटेड क्लब, जमशेदपुर में टीईईपी 2.0 फ्रेमवर्क का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। इस अवसर पर 26 साझेदार विद्यालयों के शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डी.बी. सुंदरा रामम, वाइस प्रेसिडेंट - कॉर्पोरेट सर्विसेज; पीयूष गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट - टीक्यूएम, जीएसपी एवं सप्लाई चेन; अतुल भटनागर, एमडी, टीएसयू आईएसएल; तृप्ति श्रीवास्तव, चीफ - टीक्यूएम एवं सीक्यूए; तथा सौरव रॉय, चीफ -सीएसआर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके साथ ही टीईईपी टीम के सदस्य और टाटा स्टील फाउंडेशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम टाटा स्टील और उसकी सहयोगी स्कूलों द्वारा सह निर्मित टीईईपी 2.0 फ्रेमवर्क तथा उसके नए लोगो के आधिकारिक अनावरण का साक्षी बना। यह अपडेटेड फ्रेमवर्क बदलती शैक्षणिक आवश्यकताओं को दशार्ता है और स्कूल प्रणालियों में पढ़ाईझसिखाने की प्रक्रियाओं, नेतृत्व क्षमताओं तथा छात्र-केंद्रित परिणामों को सुदृढ़ करने की साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। डी. बी. सुंदरा रामम, चेयरपर्सन, टीईईपी कार्यकारी समिति एवं वाइस प्रेसिडेंट-कॉरपोरेट सर्विसेज, ने फ्रेमवर्क के विकास में शामिल सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों और योगदान की सराहना की। उन्होंने 30 सहयोगी स्कूलों में टीईईपी 2.0 के आगामी कार्यान्वयन के महत्व पर जोर देते हुए इसे निरंतर सहयोग और उत्कृष्टता आधारित प्रक्रियाओं के माध्यम से स्कूल प्रणालियों को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। पीयूष गुप्ता, वैकल्पिक चेयरपर्सन, टीईईपी कार्यकारी समिति एवं वाइस प्रेसिडेंट - टीक्यूएम, जीएसपी और सप्लाई चेन, ने साझा किया कि टाटा स्टील के रूप में संगठन अपने संसाधनों, ज्ञान और पहुँच के माध्यम से स्कूलों को बेहतर इंसान बनाने की दिशा में सहयोग करने की विशिष्ट क्षमता रखता है, ताकि वे आगे चलकर कल के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। उन्होंने रेखांकित किया कि टीईईपी 2.0 शैक्षणिक उत्कृष्टता पर एक भविष्य उन्मुख दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो केवल अकादमिक परिणामों तक सीमित न होकर मूल्यों, नेतृत्व और समग्र विकास पर केंद्रित है। टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम स्कूलों के साथ सशक्त साझेदारी में निरंतर कार्य करते हुए शिक्षा प्रणाली में सतत सुधार ला रहा है और भविष्य के लिए तैयार, नवोन्मेषी शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम के बारे में वर्ष 2003 में शुरू किया गया टीईईपी, एक सुव्यवस्थित और चरणबद्ध दृष्टिकोण के माध्यम से स्कूलों को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में सक्षम बनाता है। यह कार्यक्रम वर्तमान में जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों के स्कूलों में संचालित किया जा रहा है। स्कूल इस कार्यक्रम में स्वेच्छा से भाग लेते हैं, जिसमें एक वर्ष की सहभागिता होती है, जिसके बाद टीईईपी के निर्धारित आकलन मानकों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाता है।

गंगाधर सोंसिया हत्याकांड का आरोपित गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला स्थित गुवा थाना क्षेत्र में हुए गंगाधर सोंसिया हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए पुलिस ने घटना के मुख्य नामजद आरोपित तीलू पुरती को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपितने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, इसके बाद पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी करते हुए आरोपित को जेल भेज दिया। यह मामला तब सामने आया जब ग्राम गंगदा टोला जोजोगुटू, थाना गुवा निवासी सपनी सोंसिया ने अपने पति गंगाधर सोंसिया की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए गुवा थाना में लिखित आवेदन दिया। आवेदन के आधार पर गुवा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले में ग्राम बेतरकिया, थाना गुवा निवासी तीलू पुरती (40) को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित रेनू के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किरीबुरु अजय केरकेट्टा को सौंपा गया। जांच टीम में गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार, अनुसंधानकर्ता ललन कुमार मंडल सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल किए गए। विशेष जांच टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ-साथ संदिग्धों की गतिविधियों, आपसी रंजिश और तकनीकी साक्ष्यों की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान मिले ठोस सुरागों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपिततीलू पुरती को उसके घर ग्राम बेतरकिया से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद की गई पूछताछ में आरोपितने गंगाधर सोंसिया की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

जिले में आज मनाई जाएगी मकर संक्रांति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला में मकर सक्रांति का पर्व बुधवार को शहर सहित प्रखंड क्षेत्र में मनाया जायेगा। पुरोहितों के अनुसार मकर संक्रांति का त्यौहार 14 जनवरी को मनाया जाएगा इधर लोगों ने पर्व के पूर्व मंगलवार को भी मुक्तेश्वर बिजली घाट व अन्य गंगा घाट में गंगा स्नान किया। पर्व को लेकर लोगों ने बाजार में जमकर खरीदारी किया। दिन भर चहल-पहल रही सड़क पर खरीदारों की भिड़ और वाहनों की लंबी कतार लगा रहा। बाजार में गुड़, लाई, तिलवा, तिलकुट, चूड़ा, दही, मुड़ी, की कई दुकान सजी थी। पश्चिम बंगाल के मिष्टी दोई (दही) विक्रेता भी बाजार में अपनी दही लेकर पहुंचे थे। मिष्टी दोई की भी लोगों ने काफी खरीदारी की। साथ ही मिठाई दुकान में घेवर, मिठाई खरीदने की भीड़ देखी गई। मकर संक्रांति का महत्व हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, मकर संक्रांति भगवान सूर्य के अपने पुत्र शनिदेव से मिलने का उत्सव है, जो मेल-मिलाप और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक है। एक अन्य कथा इसे देवी संक्रांति की बुराई पर विजय से जोड़ती है, जो विजय और नवीनीकरण के प्रतीक माना जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्यदेव मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इसी दिन सर्य दक्षिनायण से उत्तरायण होते हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय, तेलियापोखर में विद्यालय प्रबंधन समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जवाहर नवोदय विद्यालय, तेलियापोखर के शैक्षणिक भवन स्थित प्राचार्य कक्ष में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विद्यालय की बुनियादी सुविधाओं, अधोसंरचना विकास, विद्युत व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जलापूर्ति एवं चापाकल की समस्या पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

बैठक में विद्यालय में जलापूर्ति एवं चापाकल से संबंधित समस्या से उपायुक्त को अवगत कराया गया। इस पर उपायुक्त ने पीएचईडी विभाग को अग्रेतर कार्रवाई हेतु पत्राचार के माध्यम से सूचित करने का निर्देश दिया, ताकि समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

विद्यालय परिसर में पीसीसी सड़क निर्माण पर जोर

विद्यालय परिसर में पीसीसी सड़क निर्माण के संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अनुमानित व्यय का प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत किया जाए, ताकि कार्यपालक अभियंता द्वारा जांच कर तत्काल कार्रवाई की जा सके। साथ ही इस विषय में नवोदय विद्यालय समिति को भी आधिकारिक पत्र के माध्यम से अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

सौर लैंप एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार

विद्यालय परिसर में सौर लैंप की व्यवस्था को अत्यंत आवश्यक बताते हुए उपायुक्त ने इस कार्य को तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। विद्युत आपूर्ति से संबंधित अनियमितता के मुद्दे पर उन्होंने निर्देश दिया कि प्राचार्य अपने स्तर से विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को प्रस्ताव प्रेषित कर प्राक्कलन प्राप्त करें, ताकि ग्रामीण फीडर से शहरी फीडर में परिवर्तन सहित समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके।

टाटा स्टील के 91 बैच के साथियों ने पारिवारिक माहौल में मनाया पिकनिक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : 35 वर्ष के साथी एक साथ पटमदा के नेचर इन में पारिवारिक माहौल में मिले और बड़े धूम धाम से अपने यादगार पल को याद किया और दिन भर मनोरंजन किये। पार्टी की शुरूआत गरमागरम पूड़ी, सब्जी, अंडा, केला, रसगुल्ला के शानदार नास्ता और हंसी मजाक से आरम्भ हुआ। सेफ्टी डिपार्टमेंट के चीफ आगम कुमार, विशाल भारती, राजेश सिन्हा ने अपने साथी विद्या वाचस्पति और विद्या सागर नेपाल भारत साहित्य रत्न से सम्मानित साथी डॉ अरबिंद तिवारी एवं पत्नी स्वेता तिवारी को पुरे बैच मेट के साथियों के साथ सम्मानित किया। इसके बाद वेस्ट बोकारो माइंस से आये साथी यूनियन के जनरल सेक्रेटरी योगेंद्र सिंह का सम्मान फूलों के गुलदस्ता से सारे साथियों ने किया। फिर शुरू हुआ मस्ती का दौर, सारे साथियों ने अपने ट्रेनिंग के समय को याद करते हुए खुब हँसी मजाक और आनंद के पल तथा उपलब्धयों को साझा किया। संदीप वर्मा, संजीव चौधरी,वरुण कुमर यू के गुप्ता ने हाउजी गेम खिलाकर लकी पर्सन को पुरस्कृत किया। श्री कुमार राजीव की पत्नी और स्वेता तिवारी ने शिलवट शब्द के सही अर्थ बताकर पुरस्कार पाए। मृत्युंजय कुमार की पत्नी ने मिसेज बेस्ट भाभी का पुरस्कार पाया। आगम कुमार, संजीव चौधरी ए के नरौनी, निरंजन राउथ, अशोक सिंह परिडा, योगेंद्र सिंह, अरबिंद पाडेय , रमाकांत पाण्डेय संजीव कुमार योगेंद्र पाण्डेय अरिंदम गुहा शिवरंजन शाहू, निरंजन शाहू,राकेश मिश्रा के साथ माइंस से आये अनेक साथियों ने मिलकर डांस किया।

विधायक प्रतिनिधि ने जमालपुर-बसना पथ निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, ग्रामीणों में खुशी की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड में जमालपुर ब्रिज से जमालपुर गांव होते हुए आर.ई.ओ. पथ बसना तक बन रहे सड़क निर्माण कार्य का विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान ने अपने सहयोगी कार्यकर्ताओं के साथ स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं समयबद्ध पूर्णता को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की अनुशंसा पर स्वीकृति मिली थी। यह सड़क वर्षों से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है, जो अब साकार होती नजर आ रही है। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद बसना सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। अब उन्हें लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी, जिससे समय की बचत के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था भी सुगम होगी। विशेष रूप से बरहरवा, श्रीकुंड एवं प्रखंड मुख्यालय आने-जाने में ग्रामीणों को काफी सहूलियत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की पहल के लिए पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि यह सड़क उनके क्षेत्र के विकास की नई राह खोलेगी और सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्य के शीघ्र पूर्ण होने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान ने कहा कि क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है और जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप हेतु पाकुड़ जिले के दो खिलाड़ियों का झारखंड टीम में चयन

पाकुड़ : जिले के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2026 के लिए जिले के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन झारखण्ड राज्य टीम में किया गया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जिलेभर में खुशी की लहर दौड़ गई है। चयनित खिलाड़ियों में गृह रक्षा वाहिनी, पाकुड़ के जवान श्री रंजीत टुडू का चयन पुरुष वर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता हेतु किया गया है, जबकि दिव्या मुर्मू का चयन महिला वर्ग की 6 किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 जनवरी 2026 को रांची में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार ने दोनों खिलाड़ियों को उनके चयन पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के कोच श्री अक्षय बाउरी को भी इस सफलता के लिए बधाई दी। वहीं जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार ने दोनों खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं और उनके उत्साहवर्धन की सराहना की। जिला प्रशासन एवं खेल विभाग को पूर्ण विश्वास है कि दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय मंच पर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाकुड़ जिला एवं झारखण्ड राज्य का नाम गौरवान्वित करेंगे। इस उपलब्धि पर पाकुड़ जिला ओलंपिक संघ एवं एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष, सचिव एवं सभी सदस्यों ने भी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

साहिबगंज में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान तेज

साहिबगंज: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के तहत साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के सभी प्रमुख क्षेत्रों में दोपहिया, तिपहिया, टोटो, ऑटो सहित छोटे–बड़े वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य रात्रि, कोहरे एवं धुंध के दौरान वाहनों की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। रिफ्लेक्टिव टेप के प्रयोग से अंधेरे में वाहन दूर से ही दिखाई देते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका कम होती है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि 1 से 31 जनवरी 2026 तक जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर जन–जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, यातायात नियमों का पालन करें तथा जिम्मेदार नागरिक बनकर सड़क सुरक्षा में सहयोग दें। इस अवसर पर एम.वी.आई. कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, कार्यालय लिपिक, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

डॉ सूयार्नंद ने आदिवासी ग्रामीणों के बीच बांटा कंबल

साहिबगंज: कड़ाके की ठंड के बीच मानवता की मिसाल पेश करते हुए पोद्दार होमियो क्लीनिक के चिकित्सक डॉ सूयार्नंद ने मंगलवार को जरूरतमंद आदिवासी ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया। मशहूर होमियोपैथिक चिकित्सक और समाजसेवी डॉ सूर्यनंद पोद्दार ने मंगलवार की अहले सुबह जलेबिया घाटी के ऊपर आदिवासी पहाड़िया गांव अदरो पहुंचकर करीब 50 पहाड़िया ग्रामीणों को कंबल दिया। ठंड से कांपते हाथों से जब बुजुर्गों ने कंबल थामा तो डॉ सूयार्नंद के प्रति आभार था। डॉ सूयार्नंद पोद्दार ने कहा कि पोद्दार होमियो क्लिनिक की ओर से गरीब आदिवासी ग्रामीणों के बीच कंबल के साथ आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत देखकर उन्हें शांति और सुकून मिलता है, यही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। बताया कि गांव के वृद्ध व लाचार आदिवासी महिला–पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मनोज कुमार गुप्ता, प्रवीण कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

अवैध बालू माफिया की लापरवाही से गई चालक की जान

पश्चिमी सिंहभूम: अवैध बालू माफिया की लापरवाही से गई चालक की जान, ट्रैक्टर हादसे ने खोली प्रशासनिक अनदेखी की पोल पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार एक बार फिर घातक साबित हुआ है। धानापाली गांव के पास सोमवार देर रात अवैध बालू से लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 41 वर्षीय अजित टोप्पो के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अजित टोप्पो रोज की तरह रात के समय अवैध रूप से बालू ढोने निकला था। तेज रफ्तार ट्रैक्टर गांव के पास एक मंदिर के समीप खेत में जा पलटा। ट्रैक्टर पर लदा भारी मात्रा में बालू उसके ऊपर गिर पड़ा, जिससे वह पूरी तरह दब गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे बाहर निकालकर मनोहरपुर उप–स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही मनोहरपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि शुरूआत में मामले को दबाने का प्रयास किया गया। जब लोगों का आक्रोश बढ़ा, तब पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार मनोहरपुर, आनंदपुर, गोइलकेरा और गुदड़ी क्षेत्र की कोयल और कारो नदियों से अवैध बालू उठाव लंबे समय से जारी है। आरोप है कि यह पूरा नेटवर्क प्रशासनिक मिलीभगत से संचालित हो रहा है। पहले एसडीओ स्तर पर की गई छापेमारी में कई ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त की गई थीं, लेकिन फिलहाल किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। बताया जाता है कि बालू माफिया रात के अंधेरे में अवैध खनन और परिवहन करते हैं, जिससे सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। केवल मनोहरपुर क्षेत्र में ही प्रतिदिन 50 से 60 ट्रैक्टर और कई हाईवा अवैध बालू की ढुलाई में लगे रहते हैं।

रक्तहीन क्रांति के 105 साल

भारत की आजादी के लिए हुए जन संघर्षों की विस्तृत श्रृंखला में 14 जनवरी, 1921 की तारीख को नहीं भुलाया जा सकता । इसी रोज उत्तराखंड की जनता ने अहिंसक सामूहिक प्रतिरोध के बूते न केवल सर्वशक्तिमान ब्रिटिश सत्ता को घुटनों के बल ला दिया, बल्कि पिछले लंबे समय से चली आ रही कुली-बेगार जैसी अमानुषिक कुप्रथा से मुक्ति पा ली थी। उत्तराखंड में कुली-बेगार उन्मूलन आंदोलन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भारत में प्रारंभ किए गए असहयोग आंदोलन के रूप में अभिव्यक्त हुआ और पूर्णतः सफल रहा। उत्तराखंड को गोरखा सैनिक शासन के जुल्मी शिकंजे से मुक्त करा कर अंग्रेजों ने 1815 में यहां अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था। ब्रिटिश राज कायम होने के बाद बेशक हरिद्वार का 'दास बाजार' धीरे-धीरे कमजोर पड़ा, लेकिन अंग्रेज यहां के पूर्ववर्ती राजाओं की भांति गांवों के प्रधानों/पटवारियों के माध्यम से इस क्षेत्र के काश्तकारों से कुलियों का काम अनवरत लेते रहे। 1815 में यहां ईष्ट इंडिया कंपनी और 1858 में ब्रिटिश शासनकाल में यह कुप्रथा उत्तराखंड के भोले - भाले ग्रामीण काश्तकारों के अपमान और शोषण का औजार बन गई थी। 1863 -73 के दसवें भूमि बंदोबस्त में जे.ओ.बी. बेकट ने बड़ी चालाकी से कुली - बेगार, कुली - उतार और कुली - बर्दायश को भूमि बंदोबस्ती इकरारनामों का हिस्सा बना दिया था।

कुली- बेगार कुप्रथा के तहत यहां के प्रत्येक जमींदार, हिस्सेदार और आसामी को सरकार ने कुली का दर्जा दिया था। जिनके पास भी काश्तकारी की जमीन हो, वे सभी कुली कहलाते थे। भूमिहीन इस कलंक से मुक्त थे। तब पहाड़ में भूमिधर होना सम्मान की नहीं बल्कि 'कुली' होने का अभिशाप था। यह कुख्यात कुली प्रथा तीन चरणों में विभक्त थी, जिसे कुली - उतार, कुली - बेगार और कुली- बर्दाश्त कहा जाता था। अंग्रेज साहबों के दौरों और सैर-सपाटों के वास्ते पटवारी कुलियों की मांग तथा कुली बर्दाश्त का रूक्का प्रधानों/ थोकदारों को भेजते थे। कुली -उतार के तहत सरकारी आदेश पर लोगों को सामान ढोने के लिए गांव से उतर कर सड़क में बने पड़ावों में एकत्र होना पड़ता था। दौरे पर आने वाले पुलिस, प्रशासन, जंगलात विभाग एवं सेना के अधिकारियों, सैलानियों, सर्वे दलों और अंग्रेज काश्तकारों का सारा सामान, यहां तक कि कमोड, जूते और ऐसी सामग्री ढोने को मजबूर किया जाता था, जिससे यहां की धर्मभीरु जनता की धार्मिक भावनाएं आहत होती हों। स्कूल, सड़कें, पुल, डाक बंगले और वन विभाग की चौकियां आदि सार्वजनिक उपयोग के निर्माण कार्य भी बेगार द्वारा कराए जाते थे। साहब लोगों के रहने के लिए मुफ्त में टेंट गाड़ना, पानी भरना, उनके जूठे बर्तन साफ करना, उनके घोड़ों के लिए घास और जलावन के लिए ईंधन की व्यवस्था करना आदि छोटे-मोटे काम कुली- बेगार कहलाते थे। जबकि कुली- बर्दाश्त कुप्रथा रसद से जुड़ी थी। इसके अंतर्गत साहब लोगों के दौरों के दौरान पटवारी गांव वालों से घास, लकड़ी, कोयला, अन्न, घी, दूध - दही, अंडा-मुर्गा, दालें, सब्जी, बर्तन और अन्य खाद्य सामग्री मुफ़्त अथवा नाममात्र की कीमत पर लेते थे। पहाड़ के प्रत्येक गांव में कुली रजिस्टर बनते थे, इन रजिस्टरों में 'कुलियों' के नाम कटते और जुड़ते रहते थे। हरेक गांव में कुलियों की संख्या निर्धारित थी। सरकारी आज्ञा पर इन्हें निर्धारित कुली पड़ावों में हर हालत में हाजिर होना पड़ता था। व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक सुख-दुःख, प्रतिकूल मौसम और तीज- त्यौहार, किसी भी परिस्थिति में कुली को बारी से छूट नहीं मिलती थी। बोझा नहीं ढोने वालों को अर्थदंड देना पड़ता था। अंग्रेज साहबों की सुविधा के लिए बेगारी देना उत्तराखंड के लोगों विशेषकर ग्रामीण काश्तकारों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी था। इस अमानुषिक कुप्रथा से संपूर्ण उत्तराखंड की जनता त्रस्त थी। अपमान सहने को विवश थी। उत्तराखंड में प्रचलित इस अमानुषिक व्यवस्था के विरुद्ध अतीत में अनेक बार विरोध के छुटपुट स्वर मुखरित होते रहे, लेकिन कोई बड़ा जनांदोलन खड़ा नहीं हो पाया था। 1913 में बदरी दत्त पाण्डे ने 'अल्मोड़ा अखबार' के संपादक का दायित्व संभाला। इसके बाद उन्होंने इस प्रथा के विरुद्ध लिखना शुरू किया।

सूडोकु नवताल- 7674

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7673 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

मकर संक्रांतिः आहार का विज्ञान और समाज संगठन का सूत्र

गिरीश जोशी

आज के समय में हम लोग अपने भोजन को लेकर बड़े सजग हैं। खाने की हर चीज के बारे में उसकी कैलोरी को देखकर उसे खाने या ना खाने का फैसला लेते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी हो जाता है कि संक्रांति के समय तिलझगुड़ और खिचड़ी क्यों खाना चाहिए, पतंग क्यों उड़ाते हैं। नई पीढ़ी के ढेर सारी सवालों का जवाब आज के विज्ञान की दृष्टि से देखने की कोशिश करते हैं तो ये दिखता है कि हमारे देश में सारे त्योहार प्राकृतिक घटनाओं से जुड़े हुए हैं। मुख्य रूप से ग्रह-नक्षत्रों की गति, अलग-अलग राशियों में भ्रमण के आधार पर उत्सव पर्व मनाए जाते हैं।

शास्त्रों में लिखा है- "माघे मासे तु संप्राप्ते मकरं सूर्यगच्छति। तस्मात संक्रान्तिरित्युक्ता पुण्यदा पुण्यवर्धिनी॥"

अर्थात - माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, उसे मकर संक्रांति कहते हैं। यह पर्व पुण्य देने वाला और पुण्य को बढ़ाने वाला होता है। वास्तव में सूर्य तो अपने अक्ष पर होता है, पृथ्वी और अन्य ग्रह उसके चारों और चक्कर लगाते हैं लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है यानी पृथ्वी से देखने पर सूर्य मकर राशि में दिखाई देने लगता है तब मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर संक्रांति के बाद दिन बड़े होने लगते हैं और रात छोटी होने लगती है। यानी इस दिन से जीवन में प्रकाश का समय बढ़ने लगता है, अंधकार घटने लगता है। हमारी संस्कृति में प्रकाश को ज्ञान का प्रतीक भी माना जाता है अंधकार को अज्ञान कहा जाता है।

संक्रांति का अर्थ है सम्यक क्रांती अर्थात योग्य दिशा में व्यक्ति और समाज का परिवर्तन। समाज को आत्मविस्मृति के अंधकार से बाहर निकाल कर, चेतना के जागृति के, सत्य के प्रकाश की ओर ले जाना सनातन संस्कृति का उद्देश्य है। इस लक्ष्य की याद समाज को करवाने के लिए मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है।

मकर राशि में प्रवेश करने वाले सूर्य की महत्ता को बताने वाली एक सूक्ति है- "नमः सूर्याय लोकाय लोकनाथाय भास्वते। सर्वरोगहरायैव मकरस्थाय ते नमः॥"

अर्थात - लोकों को प्रकाशित करने वाले, लोकनाथ, तेजस्वी सूर्यदेव को नमस्कार है। मकर राशि में स्थित सभी रोगों को दूर करने वाले सूर्य को प्रणाम है।

मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ साथ में खाने की परंपरा है। शास्त्र कहते है - "तिलगुडैः सह हर्षेण सूर्यपूजा विधीयताम्। मकरसंक्रान्तिकालेऽस्मिन् सर्वे सन्तु निरामयाः॥"

अर्थात मकर संक्रांति के अवसर पर तिल और गुड़ के साथ हर्षपूर्वक सूर्य की पूजा की जाए। इस पावन समय में सभी लोग स्वस्थ और निरोग रहें।

हमारे पूर्वज विज्ञान जानते थे। आज का विज्ञान कहता है तिल में उच्च मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन और स्वस्थ वसा होती है, जो ठंडे मौसम में शरीर को ऊर्जा देती है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। साथ ही तिल में कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। सर्दी में हड्डियों में दर्द और समस्याएँ बढ़ सकती हैं, लेकिन तिल इन समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

उसी तरह गुड के बारे में आज का विज्ञान कहता है कि गुड़ में प्राकृतिक गर्मी होती है, जो सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करती है। सर्दियों में कई बार शरीर में पानी की कमी और पाचन संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं और गुड़ इन समस्याओं को हल करने में मदद करता है। सर्दियों में शरीर की इम्युनिटी कमजोर हो सकती है और गुड़ में आयरन और फोलिक एसिड की मौजूदगी से शरीर में खून की कमी पूरी होती है। गुड़ में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इन वैज्ञानिक गुणों के कारण सर्दी में गुड़ और तिल खाने की परंपरा हमारे पूर्वजों ने स्थापित की।

खिचड़ी क्यों खाई जाती है–

मकर संक्रांति के समय शीत ऋतु अपने चरम पर होती है। इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है। खिचड़ी हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन है, जो शरीर को ठंड से संरक्षण देता है और पाचन को संतुलित रखता है। आयुर्वेदिक दृष्टि सेखिचड़ी में चावल और दाल का संयोजन होता है, जिसे आयुर्वेद में "पूर्ण आहार" माना जाता है। दाल से प्रोटीन, चावल से ऊर्जा घी से बल और ओज मिलता है। शीत ऋतु में बढ़ने वाले वात और कफ के दोष को खिचड़ी संतुलित करती हैं। उत्तर भारत, विशेषकर प्रयागराज और पूर्वांचल क्षेत्रों में मकर संक्रांति को "खिचड़ी पर्व" भी कहा जाता है। इस दिन खिचड़ी का दान पुण्यकारी माना जाता है। साधु-संतों और जरूरतमंदों को खिचड़ी खिलाने की परंपरा भी है। खिचड़ी सादा और सर्वसुलभ भोजन है। इसे सभी वर्गों के लोग एक समान रूप से ग्रहण कर सकते हैं, इसलिए यह समरसता और समानता का प्रतीक भी मानी जाती है। संक्रांति पर खिचड़ी खाना शरीर को स्वस्थ रखने, ऋतु के अनुकूल आहार लेने और धार्मिक पुण्य अर्जित करने, संगठन और समरसता का भाव बढ़ाने का प्रतीक है।

दान का महत्व–

मकरस्थे दिवाकरे दानस्नानतपःक्रियाः। कृताः कोटिगुणं पुण्यं ददाति नात्र संशयः॥

अर्थात - सूर्य के मकर राशि में स्थित होने पर किया गया दान, स्नान और तप करोड़ों गुना पुण्य प्रदान करता है, इसमें कोई संदेह नहीं। इसीलिए मकर संक्रांति के अवसर पर जरूरतमंदों को उनके लिए जरूरी चीजों का दान सक्षम और समर्थ लोगों को करने के लिए कहा गया है।

पतंग की प्रासंगिकता–

इस अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, ये भारतीय लोक संस्कृति का हिस्सा है। जो खुशी, उल्लास और उत्सव का प्रतीक है। पतंग उड़ाना एक हल्का व्यायाम है। खुले आकाश में रहने से मानसिक तनाव कम होता है। धूप में रहने से शरीर को विटामिन-ऊ मिलता है जिससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

समाज संगठन की दृष्टि से संदेश

हमारी मान्यता है कि समाज में परिवर्तन, समन्वय और आत्मीयता पूर्ण व्यवहार से लाया जाना चाहिए। इसके लिए समाज के साथ संपर्क और समाज का संगठन जरूरी है। इस उत्सव में पहले लोग एक दूसरे के घरों पर संपर्क के लिए भेंट के लिए जाया करते थे वहां तिल और गुड़ का सेवन किया जाता था। महाराष्ट्र में आज भी कहा जाता है "तिल गुड घ्या आणि गोड गोड बोला" इसका अर्थ है आइए तिल गुड खाइए और एक दूसरे से मीठा बोलिए, मधुर व्यवहार कीजिए, यही संगठन का भी मूल सूत्र है।

(लेखक- संस्कृति अध्येता एवं स्तंभकार हैं।)

ऐतिहासिकता को भी प्रमाण चाहने वाला मनोविज्ञान!

मनोज श्रीवास्तव

कभी आपने देखा कि विवेक अग्निहोत्री या सुदीप्तो सेन या आदित्य धर आदि निर्देशकों को जब फिल्में बनाना होता है तो उसके पूर्व उन्हें इतिहास का बहुत अध्ययन करना पड़ा है, बहुत सी बारीकियों में उतरना पड़ा है पर किसी मुगल-ए-आजम या किसी जोधा अकबर को बनाने के लिए कभी इन परिशुद्धताओं की आवश्यकता नहीं पड़ी। विवेक या सुदीप्तो या आदित्य से उनसे हर छोटी-छोटी बात के लिए ऐतिहासिक प्रमाण, दस्तावेज, और साक्ष्य मांगे गये। इन फिल्मों की हर घटना, हर संवाद, और हर दृश्य को सूक्ष्मदर्शी यंत्र से परखा गया। विवादों का तूफान खड़ा किया गया, तथ्य-जांचकताओं की पूरी फौज लग गई, और मीडिया में बहसें चलती रहीं।

अग्निहोत्री ने जब 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) बनाई, तो उन्होंने लगभग चार वर्षों तक शोध किया। उन्होंने 700 से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों से साक्षात्कार किए, उनके दर्द को समझा, दस्तावेजों का अध्ययन किया, और पुरानी रिपोर्ट्स, समाचार पत्रों और सरकारी अभिलेखों को खंगाला। फिल्म में दिखाए गए अधिकांश दृश्य वास्तविक घटनाओं पर आधारित हैं - जैसे बीके गंजू की हत्या, गिरजा टिक्कू की हत्या, और अन्य भीषण अत्याचार।

इसके बावजूद, फिल्म रिलीज होते ही विवादों में घिर गई। तथाकथित बुद्धिजीवियों, इतिहासकारों, और मीडिया के एक वर्ग ने फिल्म को "प्रोपेगेंडा" करार दिया। हर घटना को चुनौती दी गई, हर आंकड़े पर सवाल उठाए गए। यहां तक कि कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को भी "अतिरंजित" बताया गया। विवेक अग्निहोत्री को बार-बार अपनी फिल्म के हर दावे को सिद्ध करना पड़ा, साक्ष्य प्रस्तुत करने पड़े, और जनसुनवाई में खड़ा होना पड़ा।

द बंगाल फाइल्स बंगाल विभाजन (1947) के दौरान हुए नोआखाली नरसंहार और हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को दिखाती है। जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई या इसके निर्माण की बात आई, तुरंत विवाद शुरू हो गए। फिल्म निमार्ताओं से हर घटना के लिए दस्तावेजी सबूत मांगे गए। फिल्म को "सांप्रदायिक एजेंडा" बताया गया। कहा गया कि यह इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों ने इसका विरोध किया। निर्माण टीम द्वारा 7000 से अधिक शोध पृष्ठों और 1000 से अधिक अभिलेखों का अध्ययन किया गया। 20,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों और बचे हुए लोगों और उनके परिवारों के साक्षात्कार लिये। 1946 के भारतीय, अंतरराष्ट्रीय, अमेरिकी और ब्रिटिश समाचार पत्रों की गहन जांच की। महीनों विभिन्न शहरों और गांवों का दौरा किया गया। लोगों से साक्षात्कार लिये, स्थानीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन किया, और बंगाल के हिंसक इतिहास के मूल कारण को समझने की कोशिश की।

अग्निहोत्री ने बताया कि जब वे उस समय के समाचार पत्रों की जांच कर रहे थे, तो कुछ छवियों ने उन्हें बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। उन्हें यह जानकर भी सदमा लगा कि डायरेक्ट एक्शन डे में लगभग 40,000 लोग केवल दो रातों में मारे गए, और कोलकाता की सड़कों पर एक महीने से अधिक समय तक मानव शव पड़े रहे क्योंकि उन्हें साफ करने के लिए कोई नहीं बचा था, अधिकांश सफाई कर्मचारी मारे जा चुके थे। उनकी टीम को बहुत सारी बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिसमें कोलकाता में एक होटल में हिरासत में लिया जाना भी शामिल था।

सुदीप्तो सेन की "द केरल स्टोरी" जो केरल में लव जिहाद और आईएसआईएस में भर्ती की कहानी बताती है, को तुरंत ₹झूठी₹ और ₹भ्रामक₹ करार दिया गया। आंकड़ों पर विवाद हुआ, और फिल्म निमार्ताओं को संख्याओं में संशोधन करना पड़ा। आलोचनाओं से निपटने से कहीं अधिक कठिन था फिल्म बनाने में हुआ विरोध। सुदीप्तो ने शोध के लिए केरल में लगभग 10 वर्षों तक काम किया। यह एक असाधारण लंबी अवधि है जो उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। 2018 में सुदीप्तो ने एक विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'इन द नेम ऑफ लव - मेलानकॉली ऑफ गॉड्स ओन कंट्री' बनाई थी जो धार्मिक रूपांतरण और लव जिहाद पर थी, जिसे लंदन इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार मिला। उन्होंने केरल के हर जिले की यात्रा की, और एक बार उन्हें एक बचकर रहना पड़ा जब उन्हें पता चला कि उनके होटल पर हमला हो सकता है। वास्तविक युवा महिलाओं से मुलाकात की जो धार्मिक रूपांतरण से बच निकली थीं और आर्ष विद्या समाजम आश्रम द्वारा उनकी देखभाल की जा रही थी। सेन ने एक विशेष रूप से मार्मिक घटना साझा की जब उन्होंने पहली बार श्रुति से एक छोटे से गांव में मुलाकात की, तो उसके घर में बिजली नहीं थी क्योंकि कनेक्शन काट दिया गया था। जब भी वह सब्जियां खरीदने बाहर जाती, लोग उसका बैग छीन लेते। सेन को उनसे उनके घर की एक छोटे खिड़की के माध्यम से साक्षात्कार करना पड़ा क्योंकि वे बाहर आने से डरती थीं। 17 मई को मुंबई के रंग शारदा ऑडिटोरियम में 26 साहसी लड़कियों को केरल से विशेष रूप से इस अवसर के लिए बुलाया गया। अभिनेत्री अदा शर्मा ने निर्देशक द्वारा दिखाए गए वीडियो की भयावहता का खुलासा किया जिसमें लड़कियों और उनके बच्चों को टैंकरों में 16 घंटे तक बिना खाने, पीने या खुद को राहत देने के तरीके के बिना कपड़ों के ढेर की तरह जमा किया जा रहा था। जब तक वे अपने गंतव्य पर पहुंचते, कुछ मर चुके होते थे और अधिकांश आधे-मरे हुए होते थे।

उधर, मुगल-ए- आजम को ले लें। इतिहासकारों में आम सहमति है कि अनारकली नाम की कोई दरबारी नर्तकी का कोई विश्वसनीय ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। यह कहानी लोककथाओं और बाद के साहित्य से उत्पन्न हुई प्रतीत होती है। अकबर के समकालीन इतिहासकार अबुल फजल ने 'आइन-ए-अकबरी' में ऐसी किसी घटना का उल्लेख नहीं किया।

अकबर के शासनकाल में हुए बनी मुंडों की मीनारें, चित्तौड़ का नरसंहार, और अन्य क्रूर घटनाओं को मुगले आजम में सरासर नजरअंदाज किया गया और दरबारी संस्कृति का रूमानीकरण किया गया। मुगल दरबार को अत्यंत भव्य और सभ्य दिखाया गया, जबकि उस समय की हकीकत कहीं अधिक जटिल और कठोर थी। क्या 'मुगल-ए-आजम' के निर्माताओं से कभी यह पूछा गया कि अनारकली के अस्तित्व का प्रमाण क्या है? क्या उन्हें यह सिद्ध करना पड़ा कि दीवार में चुनवाने की घटना सत्य है? नहीं। फिल्म को "कलात्मक स्वतंत्रता" के नाम पर स्वीकार किया गया और इसे एक क्लासिक बना दिया गया।

जोधा अकबर तो ऐतिहासिक विरूपण का और भी बड़ा उदाहरण है। अकबर की पत्नी का नाम 'जोधा' था या नहीं, यह अत्यंत विवादास्पद है। अधिकांश इतिहासकारों का मानना है कि अकबर की राजपूत पत्नी का नाम 'हरका बाई' या 'हीर कुंवरी' था, जो बाद में 'मरियम-उज-जमानी' कहलाईं। 'जोधा' नाम का कोई ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। अकबर को एक अत्यंत उदार, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील शासक के रूप में दिखाया गया, जबकि उसके द्वारा किए गए नरसंहारों और क्रूरताओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया।

फिल्म रिलीज हुई, तो राजस्थान और अन्य राज्यों में राजपूत समुदाय ने इसका विरोध किया। उन्होंने फिल्म को ऐतिहासिक रूप से गलत बताया। लेकिन मीडिया और बुद्धिजीवियों ने इस विरोध को "असहिष्णुता" करार दिया। फिल्म निमार्ताओं को अपने दावों को सिद्ध करने की जरूरत नहीं पड़ी। गोलकीपर नेगी को कबीर खान बना देना कलात्मक स्वतंत्रता है तो वह स्वतंत्रता सेलेक्टिव क्यों है?

कभी गौर कीजिए कि इन दिनों गैर-वाम बहुत अध्ययन के साथ काम कर रहा है और वाम अपने चालू जुमलों में अटका पड़ा है। बुद्धिजीविता की तराजू का संतुलन बदल रहा है। आपको शायद यह व्यंग्य लगे कि मैं कहूँ कि आज के युग में शंकराचार्य के "ब्रह्म सत्य जगन्मिथ्या" को सच मानने वाला सिर्फ वाम बुद्धिजीवी है इस फर्क के साथ कि अपने ब्रह्म को वह मार्क्स कहता है।

शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले!

कैलाश चन्द्र

भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां संविधान की सर्वोच्चता और कुछ समूहों की विचारधारात्मक आक्रामकता के बीच संघर्ष अब स्पष्ट रूप में दिखने लगा है। यह समस्या किसी धर्म-विशेष के अनुयायियों की नहीं, एक तरह से देखें तो उन लोगों की है जो अपने धार्मिक या वैचारिक ग्रंथों को देश, समाज, राष्ट्र और संविधान से ऊपर रखने की घोषणा करते हैं। संविधान भारतीय नागरिकता का आधार है, और नागरिकता स्वयं तभी सार्थक होती है जब नागरिक राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानता है। दुर्भाग्य यह है कि अब कुछ संगठित समूह खुले तौर पर घोषणा करने लगे हैं कि उनके लिए शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले है। यह घोषणा सिर्फ धार्मिक भावना नहीं है, यह राष्ट्रीय ढांचे के विरुद्ध वैचारिक विद्रोह है।

इस प्रकार की विचारधारा धीरे-धीरे अपराधों को वैधता देने का खतरनाक माध्यम बन जाती है। जब किसी कट्टर नेटवर्क के भीतर अपराधी मानसिकता को "कौमी कर्तव्य" कहकर समर्थन दिया जाता है, तब वह अपराध सामान्य आपराधिक हरकत नहीं रह जाता; वह संगठित सामाजिक हिंसा बन जाता है। भीड़ हिंसा, दंगे, पत्थरबाजी, आतंकवादियों के लिए खुला समर्थन, और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले आंदोलन इसी मानसिकता की उपज हैं। यदि यह वातावरण बढ़ता रहा तो अराजकता केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और भौगोलिक स्तर पर भी देश को कमजोर कर देगी। इतिहास इस बात का प्रमाण है कि किसी भी राष्ट्र में जब कानून से ऊपर किसी वैचारिक पहचान को बढ़ावा मिलता है, तो राष्ट्र अंततः विघटन के मार्ग पर चल पड़ता है।

यहाँ पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ऐसे नागरिकों के लिए समाधान क्या होना चाहिए? क्या देश से निष्कासन या फाँसी जैसे कठोर दंड की आवश्यकता है? या कोई ऐसा उपाय है जो राष्ट्र को भी सुरक्षित रखे और लोकतंत्र की मर्यादा भी बनाए रखे? यह समझना आवश्यक है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मृत्यु-दंड या नागरिकता-निष्कासन अंतिम औजार हैं। इन्हें केवल तभी उपयोग किया जा सकता है जब नागरिक ने स्वयं हिंसक राष्ट्र-विरोधी अपराध किया हो- जैसे आतंकवाद, राजद्रोह की सशस्त्र गतिविधि या बड़े पैमाने पर हिंसा का नेतृत्व। केवल विचारधारात्मक बयान के आधार पर इन दंडों का इस्तेमाल करना संविधान की दृष्टि से संभव नहीं है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संवैधानिक व्यवस्था ऐसे घोषणाओं को सहन करने के लिए बाध्य है। समाधान दंड की कठोरता में नहीं, बल्कि कानून के निर्णायक और निर्भीक प्रयोग में है। जिस नागरिक ने संविधान-विरोधी विचार को सार्वजनिक रूप से घोषित किया है, उसके लिए कानून पहले से मौजूद है- यूएपीए, राजद्रोह से संबंधित धाराएँ, 153ए और 295ए जैसी सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी धाराएँ तथा संगठित अपराधों पर राज्यस्तरीय कठोर कानून। समस्या यह है कि इन कानूनों का प्रयोग निरंतर, निष्पक्ष और त्वरित गति से नहीं होता। जब कानून लचीला हो जाता है, तब अपराधी समूहों को यह भ्रम हो जाता है कि वे अपनी "कौमी एकता" या "धार्मिक पहचान" की आड़ लेकर किसी भी अपराध को दबा या पलट सकते हैं। यही भ्रम भविष्य में अराजकता का मूल कारण बनता है। इसलिए राष्ट्रहित में पहला और अनिवार्य कदम यह होना चाहिए कि संविधान को अस्वीकार करने की सार्वजनिक घोषणा को गंभीर अपराध माना जाए।

वस्तुतः यह अपराध उतना ही गंभीर है जितना कि किसी सशस्त्र विद्रोह की घोषणा, क्योंकि दोनों ही राष्ट्र की संप्रभुता पर सीधा प्रहार करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को तुरंत कानून की गिरफ्त में लाया जाना चाहिए, और न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यदि उन्होंने हिंसा, दंगा, देश-विभाजन का उकसावा या आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन किया है तो उनके लिए कठोरतम दंड पहले से ही उपलब्ध हैं जोकि आवश्यक होने पर मृत्यु-दंड तक जा सकते हैं। लेकिन यह दंड प्रक्रिया कानून के अनुसार होनी चाहिए, किसी मजहबी (रिलीजियस) पहचान के आधार पर नहीं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक पिछड़ेपन का लाभ उठाकर कई कट्टर समूह भीड़ को भड़काते हैं, गरीब महिलाओं को पैसे देकर आंदोलनों में बैठाते हैं, और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए "पीड़ित अल्पसंख्यक" का नैरेटिव तैयार करते हैं। ऐसे तंत्र को तोड़ना शिक्षित समाज, स्वतंत्र न्यायपालिका और कठोर शासन तीनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक यह तंत्र मजबूत रहेगा, अपराधियों को "कौमी समर्थन" मिलता रहेगा और वे राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अपनी पहचान का हिस्सा मानकर आगे बढ़ेंगे।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में नागरिक अनुशासन केवल कानून पालन का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और शक्ति का आधार है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान की मयार्दाओं का सम्मान करे, सार्वजनिक जीवन में सत्य, सहिष्णुता और जिम्मेदारी का पालन करे, तथा राष्ट्रहित को हर व्यक्तिगत या समूहगत पहचान से ऊपर रखे। देशभक्ति का अर्थ केवल भावनात्मक निष्ठा नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में ईमानदार आचरण, कानून का सम्मान, करों का सही भुगतान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा और समाज में सद्भाव बनाए रखने की सक्रिय भागीदारी है। हमारा देश सर्वोपरि है और नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है कि वह अपने आचरण से भारत को अधिक सुरक्षित, सशक्त और सम्मानित बनाए।

दैनिक पंचांग

14 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

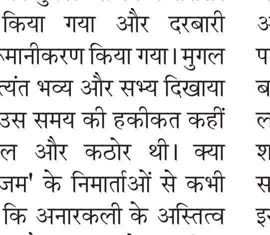

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	06.49 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कुंभ	08.35 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.08 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.19 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	15.17 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.30 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.46 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.58 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		तुला	00.09 बजे से
		वृश्चिक	02.24 ब.से
		धनु	04.40 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 14 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण **तिथि** एकादशी 17.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 03.04 बजे रात्र को समाप्त।
योग गण्ड 19.56 बजे को समाप्त।
करण बालव 17.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872589
जूलियन दिन 2461054.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 24
विशेष षटतीला एकादशी, मकर संक्रांति, पोंगल, उत्तरायण।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने मंगलवार को लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी मो. निजाम उर्फ पप्पू को पीरपैंती के बाबूपुर से गिरफ्तार करने के बाद मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। मामले को लेकर पुलिसकर्मी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना कांड संख्या 148/19 में मामला दर्ज था जिसमें वो फरार चल रहा था।

अफीम के साथ अफीम तस्कर गिरफ्तार

लातेहार : जिले के बारियातू थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलाकर पुलिस ने एक अफीम तस्कर को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार अफीम तस्कर के पास से 514 ग्राम अफीम भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार तस्कर सुदीप कुमार, धनगड्डा, टंडवा का रहने वाला है। थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि बिना रजिस्टर्ड काला लाल अपाची बाइक से दो तस्कर व्यक्ति मनातू से गिद्दीमोड़ होते हुए टोरी की ओर जाने के लिए चले हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम गठित कर चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग स्थान पर पहुंचते ही तस्कर पुलिस को देख भागने लगे। सशस्त्र बल द्वारा खदेड़कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया, जबकि दूसरा व्यक्ति भागने में सफल रहा। पकड़े गए व्यक्ति सुदीप कुमार के पास से पुलिस ने पारदर्शी प्लास्टिक डब्बा में 0.514 अफीम बरामद किया। वहीं फरार हुए में तस्कर की पहचान उमेश गंझु, हुम्बी, सराढू थाना टंडवा निवासी के रूप में की गई है। थाना प्रभारी ने कहा कि फरार हुए व्यक्ति को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। चेकिंग अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद रवानी, थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान, मिथलेश कुमार सिंह, छोटू पंडा, मौला राम सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पलामू, गढवा और उतर प्रदेश में चोरी करने वाले पांच आरोपित गिरफ्तार

पलामू : पलामू-गढवा और उतर प्रदेश के कई घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले महिला सहित पांच अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के 30 ग्राम सोना, 400 ग्राम चांदी के अलावा अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस ने उन सभी के पास चोरी करने के विभिन्न प्रकार का औजार भी बरामद किया है। इनकी गिरफ्तारी से पलामू-गढवा और उतर प्रदेश के दुद्धी थाना क्षेत्र में हुए 14 चोरी कांडों का खुलासा हुआ है। मास्टरमाइंड के खिलाफ मेदिनीनगर शहर में 7 अपराधिक मामले दर्ज हैं। इनके पकड़े जाने से पुलिस ने राहत की सांस ली है। घटना में शामिल एक महिला फरार है। चोरी के कई सामान उसके पास हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। गिरफ्तार चोरों का मास्टरमाइंड मेदिनीनगर के हास्पिटल चौक के पास कुंड मोहल्ला निवासी राजा डोम (23) है। पुलिस ने राजा के साथ नावाहाता दुर्गा बाड़ी रोड निवासी लक्की डोम (19), साहित्य समाज चौक डोम टोली निवासी आकाश डोम (19), आशु चंद्रवंशी (18) एवं साहित्य समाज डोम टाली निवासी सुनिता देवी (45) को गिरफ्तार किया है। चोरी के घटना में शामिल राजा की बहन फरार चल रही है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उसके पास भी चोरी का आभूषण है। सुनिता देवी आकाश की मां है। उसके पास से भी चोरी का सामान बरामद हुआ है। पलामू लक्की के उपर एक और आकाश के उपर दो मामला शहर थाना में दर्ज है।

जमीन के कारण की गई थी पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या, पालकोट राज परिवार के सदस्य सहित सात गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पड़हा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड में पुलिस ने सात आरोपितों को गिरफ्तार कर जिले के इस बहुचर्चित हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पालकोट राज परिवार के सदस्य पालकोट हाउस किशोरगंज रांची निवासी देवव्रत नाथ शाहदेव, ग्राम बिकुवादाग जरियागढ़ निवासी पंकज कुमार शर्मा उर्फ पंडित (45), ग्राम जियारप्पा खूंटी निवासी बाहा मुंडा (29), देवा पाहन (63), अनीश मुंडा उर्फ सुकरा (31), रविया पहन उर्फ रवि (39) और रमेश्वर संग उर्फ रमेश (25) शामिल हैं। यह जानकारी खूंटी के पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने मंगलवार शाम अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एसपी ने बताया कि पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या जियारप्पा गांव में स्थित 3.16 एकड़ जमीन के लिए हुई है। बताया गया कि जमीन दलालों द्वारा भाड़े के शूटरों से सोमा मुंडा की हत्या कराई गई थी। फिलहाल हत्याकांड की साजिश रचने वाले अन्य जमीन दलाल और दोनों शूटर फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है। एसपी ने बताया कि उक्त खाली जमीन पर पड़हा समिति की ओर से जतरा का आयोजन किया जाता रहा है। बताया गया कि गिरफ्तार देवव्रत नाथ शाहदेव की ओर से उक्त जमीन पर गत 20 से 27 नवंबर तक समतलीकरण और नापी का कार्य कराया गया था। जिसमें गिरफ्तार अन्य आरोपितों ने उनका प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग किया था। बाद में उक्त जमीन में चाहर दीवारी निर्माण के लिए नींव खुदाई का कार्य किया गया। इसकी जानकारी पड़हा समिति के लोगों को मिलने पर उन्होंने जमीन पर किए जा रहे कार्य को रुकवा दिया और तीन जनवरी को उक्त जमीन पर पत्थरगड़ी कर जमीन दलालों की ओर से जमीन पर किए जा रहे कब्जे के प्रयास का विरोध किया। इसी बात पर जमीन दलालों ने पड़हा राजा सोमा मुंडा को रास्ते से हटाने की साजिश रची और भाड़े के शूटरों से इस हत्याकांड को अंजाम दिलाया। एसपी ने बताया कि हत्या की साजिश रचने वाले अन्य जमीन दलालों एवं हत्या में शामिल शूटरों को जल्द ही गिरफ्तार कर इस बहुचर्चित हत्याकांड का खुलासा कर लिया जाएगा। बताया गया कि गिरफ्तार आरोपित देवव्रत नाथ शाहदेव का अपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या को लेकर रांची के कांके थाना में हत्या, आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में एक मामला (कांड संख्या 90/25) दर्ज है। इस मामले में वह गिरफ्तार होकर जेल भी गया था।

गिरिडीह पुलिस ने अमनारी बिरहोर टंडा में सैकड़ों जरूरतमंदों को बांटे कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : लगातार बढ़ रही ठंड से जनता परेशान है। ऐसे में ठंड से बचाव के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और विभिन्न सामाजिक संगठन सक्रिय हैं। जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में गिरिडीह पुलिस ने सरिया प्रखंड के अमनारी बिरहोर टंडा गांव में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर बिरहोर परिवारों सहित सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराए।आज गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. विमल कुमार सरिया प्रखंड के अमनारी बिरहोर टंडा पहुंचे। यहां पुलिस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने एक-एक कर सैकड़ों लोगों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम में बगोदर-सारिया के एसडीपीओ धनंजय राम, इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।एसपी डॉ. विमल कुमार ने कहा कि ठंड से राहत दिलाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि मानव सेवा भी पुलिस का महत्वपूर्ण कार्य है और गिरिडीह पुलिस नियमित रूप से ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करती है। एसपी ने अपील की कि यदि किसी को कंबल की आवश्यकता हो तो वे प्रशासन से संपर्क करें, उन्हें तुरंत कंबल उपलब्ध कराया जाएगा।यह कार्यक्रम सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजित किया गया, जिससे गरीब और असहाय लोगों को ठंड से राहत मिल रही है। जिले भर में ऐसे वितरण कार्यक्रम जारी हैं।

गोलांचल फार्मा प्रोड्यूसर कंपनी में बैठक किसानों के लिए नई योजनाओं पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मंगलवार को गोलांचल फार्मा प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के ऑपरेट कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें युवा भारत मिशन ट्रस्ट और गोलांचल फार्मा परिषद कंपनी लिमिटेड के बीच विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए नई योजनाओं को लागू करना था। बैठक में किसानों को उत्तम क्वालिटी के बीज, बायो फर्टिलाइजर, ऑर्गेनिक खाद और कीट कवच के बारे में जानकारी दी गई। इन उत्पादों के उपयोग से जमीन की सुरक्षा बढ़ती है, फसल बेहतर होता है और किसानों को अधिक आय होती है। बायो फर्टिलाइजर के द्वारा उत्पादन किया हुआ उपज स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है। बैठक में बताया गया कि विभिन्न प्रखंडों में विभिन्न पंचायतों और गांवों में प्रचार प्रसार के माध्यम से किसानों को जागृत किया जा रहा है और उनका उपयोग करने के बारे में जानकारी दी जा रही है। किसान इन उत्पादों का उपयोग करके अपने फसल को अच्छा बना रहे हैं और उत्पादन बढ़ा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। बैठक में यह भी बताया गया कि किसान अपने आप को आत्मनिर्भर बना रहे हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। कंपनी का उद्देश्य किसानों को मजबूत बनाना और भारत को विशेष भारत बनाना है। बैठक में उपस्थित लोगों ने एक साथ मिलकर भारत को आगे बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वे किसानों को और अधिक जागरूक करेंगे और उन्हें इन उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर युवा भारत मिशन ट्रस्ट और गोलांचल फार्मा परिषद कंपनी लिमिटेड के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। बैठक का संचालन कंपनी के प्रबंधक ने किया और धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड का निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, 146 लोगों की हुई जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री और कास्टिंग्स लिमिटेड ने सामुदायिक भवन, सेवटा, रामगढ़ में आईआरआईएस के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में और आस पास के इलाकों के करीब 146 लोगों की जांच की गई। इस अवसर पर आईआरआईएस के चिकित्सकों ने मरीजों के आँखों की जांच की। शिविर के दौरान जिनकी आँखों की रोशनी कम पाई गई उन्हें पावर चश्मा प्रदान किया जाएगा। साथ ही जो मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए उन्हें निःशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था कंपनी द्वारा की जाएगी। बिहार फाउंड्री और कास्टिंग्स लिमिटेड ने इससे पहले भी निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया था। 7 जनवरी को महतो टोला, 9 जनवरी को सिंह होटल, रांची रोड में और 11 जनवरी को मरार पंचायत भवन में आयोजित शिविर में क्रमशः 100, 125 और 128 मरीजों की जांच की गई थी। शिविर के आयोजन में राकेश गुप्ता, शैबाल कुमार, आशीष कटारिया, सूरज देव प्रसाद, शुभम कुमार, प्रतिष्ठा पाठक सहित समुदाय सामाजिक उत्तरदायित्व टीम के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर के सफल आयोजन में सूरज देव प्रसाद की मुख्य भूमिका रही। बिहार फाउंड्री और कास्टिंग्स लिमिटेड के इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। लोगों ने कहा कि कंपनी का यह प्रयास सराहनीय है और इससे आस पास के इलाकों के लोगों को निःशुल्क नेत्र जांच की सुविधा मिल रही है। शिविर में आए लोगों ने कहा कि वे बिहार फाउंड्री और कास्टिंग्स लिमिटेड के इस पहल से बहुत खुश हैं और वे आगे भी कंपनी के साथ जुड़कर सामाजिक कार्यों में भाग लेते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी का यह प्रयास न केवल नेत्र जांच के क्षेत्र में है बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

मकर संक्रांति पर भुरकुंडा में अखंड हरि कीर्तन, कुमार अर्जुन करेंगे संकीर्तन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 14 जनवरी को भुरकुंडा बाजार में एक भव्य और ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश के बलिया जिला अंतर्गत सहतवार निवासी, यूट्यूब और फेसबुक पर अपनी मधुर वाणी से लाखों श्रद्धालुओं के दिलों पर राज करने वाले अष्टयाम अखंड हरि कीर्तन के प्रसिद्ध गायक कुमार अर्जुन पहली बार भुरकुंडा पहुंच रहे हैं। उनके साथ उनकी पूरी कीर्तन मंडली भी आएगी, जिनके सामूहिक हरि नाम संकीर्तन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठेगा। इस भव्य आयोजन के आयोजन अध्यक्ष पप्पू सिंह हैं, मुख्य संरक्षक प्रदीप मांझी हैं तथा कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक मिश्रा बनाए गए हैं। आयोजन को सफल बनाने में विनय मिश्रा, अजय पासवान, योगेश दांगी, बाबूलाल नायक, ऋतु गुप्ता, राजेंद्र रोशन, राजेंद्र सिंह, लोकेश कुमार, सुनील यादव, पप्पू यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, सुधीर वर्मा पंकज कुमार और प्रभात कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कुमार अर्जुन के अखंड हरि कीर्तन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हैं और उनके लाखों अनुयायी हैं। उनकी दिव्य महा-मंत्र और हरि नाम संकीर्तन से भुरकुंडा बाजार का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

खेत में फसल नुकसान के दौरान हाथी की मौत, जांच में जुटा वन विभाग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : गोला वन क्षेत्र के चोपादारू गांव में सोमवार की देर रात एक जंगली हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। हाथी की मौत के कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। मृत हाथी के आसपास सुरक्षा घेरा बनाया गया है और हर संभावित पहलू की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृत हाथी के साथ एक अन्य हाथी भी मौजूद था। बताया गया कि दोनों हाथी रात के समय एक किसान के खेत में घुस गए थे, जहां उन्होंने आलू की फसल को नुकसान पहुंचाया। इसी दौरान एक हाथी की मौत हो गई, जबकि दूसरा हाथी जंगल की ओर निकल गया। आशंका जताई जा रही है कि साथी हाथी की मौत के बाद दूसरा हाथी आक्रामक हो सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने हाथी भगाओ दल को अलर्ट कर दिया है। आसपास के गांवों में निगरानी बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि मृत हाथी की उम्र लगभग 20 वर्ष है और वह पूरी तरह से स्वस्थ था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही हाथी की मौत के कारणों का पता चल पाएगा। इस बीच, ग्रामीणों में आक्रोश है और वे वन विभाग से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी ने उनकी फसल को नुकसान पहुंचाया है और उन्हें इसका मुआवजा मिलना चाहिए। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि वे ग्रामीणों की मांगों को सुन रहे हैं और जल्द ही मुआवजे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि वन विभाग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की सुरक्षा और जंगली जानवरों की रक्षा करना है।

संक्षिप्त खबरें

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के विचारों को जागृत करने के उद्देश्य से पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह, सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. रश्मि, कुलसचिव प्रो. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार और शिक्षा विभाग के सभी व्याख्याता उपस्थित थे। शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर मौजूद कुलाधिपति बी एन साह ने कहा कि युवा पीढ़ी जागरूक होगी तभी राष्ट्र सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति, राष्ट्र निर्माण, आत्मविश्वास और प्रेरणादायक संदेशों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करना सराहनीय है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए युवाओं को सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता का विकास करना था। पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं और उनके आदर्शों को अपनाकर हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। कुलपति प्रो. रश्मि ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की असली शक्ति है और विद्यार्थियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विभाग के व्याख्याता अनिल कुमार केशरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मो रिजवान नूरी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण विद्या मंदिर में लोहड़ी की रंगीन शाम, विरासत और उत्साह का संगम

रामगढ़ : श्री कृष्ण विद्या मंदिर में आज 'लोहड़ी पर्व' का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास, सांस्कृतिक गरिमा और शैक्षिक उद्देश्य के साथ किया गया। लोहड़ी उत्तर भारत की एक प्राचीन लोक परंपरा है जिसका ऐतिहासिक संबंध कृषि सभ्यता से जुड़ा हुआ है। यह पर्व शीत ऋतु के अंत, सूर्य के उत्तरायण होने तथा नई फसल के स्वागत का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में प्रतीकात्मक अलाव प्रज्वलित किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पारंपरिक लोकगीतों के साथ उसकी परिक्रमा की तथा तिल, गुड़, रेवड़ी और मूंगफली अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उल्लास और उमंग से भर दिया। लोहड़ी के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व से छात्रों को अवगत कराते हुए शिक्षकों ने संदेश दिया कि जिस प्रकार किसान पूरे वर्ष परिश्रम कर फसल प्राप्त करता है, वैसे ही छात्र निरंतर मेहनत कर ज्ञान और सफलता की फसल अर्जित करता है। झारखंड भले ही भौगोलिक रूप से पंजाब क्षेत्र से अलग हो, परंतु यहां की संस्कृति भी प्रकृति पूजा, कृषि और सामूहिक उत्सवों से गहराई से जुड़ी हुई है। विद्यालय में ऐसे आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और साथ ही साथ यह सामाजिक संदेश प्रवाहित होता है कि भारत की विविध संस्कृतियाँ भले ही अलग-अलग रूपों में दिखाई देती हैं, पर उनके मूल सम्मान हैं - परिश्रम, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामूहिक आनंद। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रशासक एस पी सिन्हा, प्रभारी प्राचार्य विजय तिवारी और शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक सभी कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। सभी की देखरेख में बच्चों ने खूब मस्ती करते हुए लोहड़ी पर्व का आनंद उठाया और यह पूरा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अग्रसेन स्कूल में धूमधाम से मनाया गया पतंग महोत्सव और लोहड़ी

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में मंगलवार को पतंग महोत्सव एवं लोहड़ी का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर बच्चों और शिक्षकों ने भारतीय लोक परंपराओं का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया एवं प्राचार्य विवेक प्रधान ने लोहड़ी अग्नि प्रज्वलित कर किया। पतंग महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहा 21 फीट का पतंग। इसे एनाकोंडा डिजाइन की पेंटिंग से सजाया गया था। इसे उड़ता देख बच्चे बेहद रोमांचित हुए। इसके अलावा बच्चों द्वारा उड़ाई गई अनेकों रंग-बिरंगी पतंगों से आसमान सज गया। पतंगों पर सेव एनवायरनमेंट, गो ग्रीन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत जैसे प्रेरणादायक संदेश लिखे थे। इससे बच्चों में रचनात्मकता के साथ सामाजिक चेतना का भी विकास हुआ। शिक्षकों ने बच्चों को सुरक्षित तरीके से पतंग उड़ाने का नियम बताते हुए केवल सूती डोर का उपयोग करने तथा प्लास्टिक एवं चाइनीज मांझे से दूर रहने की बात कही। पक्षियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने को कहा। लोहड़ी के अवसर पर पारंपरिक पंजाबी गीतों पर विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों ने लोहड़ी अग्नि के चारों ओर परिक्रमा करते हुए तिल, मूंगफली, रेवड़ी एवं गुड़ अर्पित किया और लोकगीत गाए। इससे पूरे वातावरण में उमंग, उल्लास और परंपरा की सुगंध घुल गई। इस अवसर पर अपने संदेश में निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। श्री अग्रसेन स्कूल केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु ऐसे संस्कृतिक एवं रचनात्मक आयोजनों को निरंतर बढ़ावा देता रहेगा। पतंग महोत्सव को लेकर सेल्फी कॉर्नर भी बना था जहां बच्चों ने अपनी तस्वीरें ली। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्कूल के इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के सांस्कृतिक प्रभारी ने किया।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 98.24 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे कमजोर होकर 90.22 पर पहुंच गया। आज अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 98.73 पर बना रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों के चलते निकट भविष्य में रुपये में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

इंडिगो की न्यू ईयर सेल, घरेलू फ्लाइट 1,499 से शुरू

नई दिल्ली ।

इंडिगो ने मंगलवार को अपनी न्यू ईयर सेल की घोषणा की है। यह सेल 13 जनवरी से 16 जनवरी तक चलेगी। सेल के तहत घरेलू मार्गों पर सभी कर और शुल्क शामिल 1,499 रुपए से टिकट उपलब्ध होंगे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर किराया 4,499 रुपए से शुरू होगा, जिससे यात्रियों को सस्ती फ्लाइट का लाभ मिलेगा। इंडिगो ने यह भी बताया कि चुनिंदा 6ई एडऑन पर 70 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसमें अतिरिक्त सेवाएं जैसे सीट चयन और अतिरिक्त बैगेज शामिल हो सकते हैं। यात्री इस सीमित अवधि में बुकिंग कर अपनी यात्रा को किफायती बना सकते हैं।

एचसीएल टेक्नॉलजीज का मुनाफा घटा, राजस्व में बढ़त जारी

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नॉलजीज का तीसरी` तिमाही का मुनाफा 4,076 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना आधार पर 11.1 फीसदी कम है। कंपनी ने बताया कि नवंबर में लागू नई श्रम संहिता के तहत कर्मचारी लाभों के लिए 956 करोड़ रुपए अलग रखना पड़ा, जिससे मुनाफा प्रभावित हुआ। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 13.3 फीसदी बढ़कर 33,872 करोड़ रुपए हुआ। वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों से मदद मिली। स्थिर मुद्रा आधार पर राजस्व में 8.1 फीसदी की वृद्धि रही और तिमाही आधार पर 6 फीसदी का सुधार हुआ। राजस्व बाजार अनुमान से बेहतर रहा, जबकि मुनाफा उम्मीद से कम रहा। एचसीएल अब स्थिर मुद्रा में 4-4.5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर रही है। सेवाओं से राजस्व में 4.75-5.25 फीसदी की बढ़त अनुमानित है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में 4 लाख करोड़ के पार्-केंद्रीय मंत्री वैष्णव

देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ और निर्यात 3.3 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ रुपये और निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये रहा। मंत्री ने कहा कि चार नए सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने के बाद 2026 में निर्यात में और वृद्धि होने की उम्मीद है। देश के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में मोबाइल फोन का दबदबा है। 2024-25 में मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये और निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये रहा। उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार, 2025-26 के अंत तक मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब अमेरिकी डॉलर (6.76 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 30 अरब अमेरिकी डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपये) का निर्यात शामिल है। मंत्री ने बताया कि भारत से आईफोन का निर्यात 2025 में 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो 2024 में 1.1 लाख करोड़ रुपये था। काउंटरपॉइंट के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार एप्पल ने भारत में अपने विनिर्माण का विस्तार कर निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाया है। भारत में उत्पादित हर चार स्मार्टफोन में से एक का निर्यात किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में लगभग 25 लाख लोग कार्यरत हैं। निर्यात और उत्पादन ने रोजगार सृजन के साथ-साथ विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी मदद की। एप्पल की प्रीमियम और सुपर-प्रीमियम श्रेणियों में अग्रणी स्थिति ने देश के स्मार्टफोन बाजार की वृद्धि को गति

दी है। 2026 में सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने से निर्यात और उत्पादन में और वृद्धि की उम्मीद है, जिससे भारत की वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल बाजार में स्थिति और मजबूत होगी।

टीसीएस का मुनाफा घटा, राजस्व अनुमान से बेहतर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में आय के मोर्चे पर विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल आधार पर 13.9 फीसदी घटकर 10,657 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 12,380 करोड़ रुपये था।

सितंबर तिमाही के मुकाबले मुनाफे में 11.7 फीसदी की कमी आई है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में टीसीएस की कुल आय 4.8 फीसदी बढ़कर 67,087 करोड़ रुपये रही। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर आय में 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़ा ब्लूमबर्ग के 66,849 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा, हालांकि मुनाफा अनुमानित 13,005 करोड़ रुपये से कम रहा। भौगोलिक स्तर पर उत्तर अमेरिका में आय 0.1 फीसदी और लैटिन अमेरिका में 4.6 फीसदी बढ़ी। यूरोप में 2.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ब्रिटेन में आय 1.9 फीसदी घटी। स्थिर मुद्रा आधार पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुल वृद्धि महज 0.5 फीसदी रही।

कार बाजार में काले रंग की हिस्सेदारी बढ़ी, सफेद रंग के कारों की घटी

2021 में सफेद वाहनों की हिस्सेदारी 43.9 थी, जो 2025 तक घटकर 40.7 फीसदी रह गई

नई दिल्ली ।

कार बाजार में काले रंग के कारों के प्रे ति लोगों का रुझान बढता जा रहा है वहीं सफेद रंग की कारों का रुझान युवाओं में घटता जा रहा है। एक वैश्विक ऑटोमोटिव डेटा, विश्लेषण और इंटेलिजेंस कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में सफेद वाहनों की हिस्सेदारी 43.9 फीसदी थी, जो 2025 तक घटकर 40.7 फीसदी रह गई। हालांकि, चमक और व्यावहारिक लाभों के कारण यह अभी भी खरीदारों में सबसे पसंदीदा रंग बना हुआ है। वहीं काले रंग की कारों की हिस्सेदारी 2021 में 14.8 फीसदी से बढ़कर 2025 में 20.76 फीसदी हो गई है। मारुति सुजूकी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि युवा पीढ़ी और जेन ज़ी में काले रंग की मांग वाहन उद्योग के औसत से अधिक रही। टाटा मोटर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि अब खरीदार व्यक्तिगत पसंद और जीवनशैली पर ध्यान दे रहे हैं। गहरे रंग आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और स्टेटस का प्रतीक बन गए हैं, जबकि सफेद रंग अपनी व्यावहारिकता और रीसेल वैल्यू की वजह से शीर्ष पर बना हुआ है। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2025 में 45.6 लाख रही, जो 5.06 फीसदी सालाना वृद्धि दर्शाती है। अधिकांश बढ़ोतरी जीएसटी दरों में कटौती के बाद अंतिम तिमाही में हुई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 250 अंक , निफ्टी 57 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 250.48 अंक टूटकर 83,627.69 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक फिसलकर 25,732.30 पर बंद हुआ। बाजार को हालांकि पीएसयू बैंकों ने सहारा दिया। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बीईएल, एक्सिस बैंक, भारतीय एयरटेल, एचयूएल, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील नुकसान में रहे। माना जा रहा है कि ईरान के साथ ट्रेड करने वाले देशों पर संभावित अमेरिकी टैरिफ को लेकर नई चिंताओं के कारण घरेलू बाजार में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। कुछ ही देर में मुनाफावसूली और नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते यह गिरावट में आ गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स195.79 अंक की गिरावट

के साथ 83,682.38 अंक पर वहीं निफ्टी भी 25,897 के स्तर पर मजबूत शुरुआत करने के बाद फिसल गया। सुबह खुलने के बाद निफ्टी 60.40 अंक टूटकर 25,729.85 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। निवेशकों ने ईरान और वेनेजुएला में भू-राजनीतिक तनावों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के खिलाफ आपराधिक जांच को फिलहाल नजरअंदाज किया। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.32 फीसदी चढ़ा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.04 फीसदी ऊपर रहा। जापान का निक्केई 3.22 फीसदी उछल गया। वॉल स्ट्रीट पर भी मजबूती रही। एसएंडपी 500 और डाउ जोंस रातों-रात नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी, डाउ जोंस में 0.17 फीसदी और नैस्डैक में 0.26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ी

वाहनों की बढ़ोतरी में विशेष योगदान यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग का रहा

नई दिल्ली ।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,99,216 इकाई रही, जो पिछले साल दिसंबर में दर्ज 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। इस बढ़ोतरी में विशेष योगदान यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग का रहा।` सियाम ने कहा कि इस सेगमेंट में बिक्री में सुधार उद्योग की चौथी तिमाही की मजबूत गति का संकेत देता है। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री दिसंबर 2025 में 15,41,036 इकाई रही, जो पिछले साल 11,05,565 इकाई की तुलना में 39 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि है। वहीं तिपहिया वाहनों की बिक्री 61,924 इकाई दर्ज की गई, जो पिछले साल 52,733 इकाई से 17 फीसदी अधिक है।` सियाम ने बताया कि सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि ने उद्योग की वर्ष के अंत की स्थिति को सकारात्मक बना दिया है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना हैकि भू-राजनीतिक घटनाओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2025-26 सकारात्मक वृद्धि के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। नीतिगत समर्थन और पिछले वर्षों के मजबूत प्रदर्शन की वजह से उद्योग के पास

स्थिर वृद्धि बनाए रखने के पर्याप्त अवसर हैं।` सियाम ने यह भी उल्लेख किया कि चौथी तिमाही के दौरान थोक और खुदरा बिक्री में स्थिर और मजबूत वृद्धि की संभावना बनी हुई है।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के चलते 15 जनवरी को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई ।

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों के चलते 15 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस` दिन बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। पहले यह दिन केवल सेटलमेंट हॉलिडे था, लेकिन अब नए सर्कुलर के अनुसार पूरे कैपिटल मार्केट सेगमेंट में छुट्टी घोषित की गई है। इस दिन इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग, करेंसी और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स एवं कमोडिटी डेरिवेटिव्स में केवल सुबह का सत्र रद्द रहेगा। शेयर बाजार 2026 में कई अवसरों पर बंद रहेगा, जिनमें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), होली (3 मार्च), श्री राम नवमी (26 मार्च), गुड फ्राइडे (3 अप्रैल), महाराष्ट्र दिवस (1 मई), गणेश चतुर्थी (14 सितंबर), दशहरा (20 अक्टूबर), दीवाली बलिप्रतिपदा (10 नवंबर) और क्रिसमस (25 दिसंबर) शामिल हैं। इसके अलावा सप्ताहांत यानी शनिवार और रविवार पर भी नियमित ट्रेडिंग नहीं होती।

अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और एआई सहयोग पर जोर दिया

वैष्णव ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली ।

रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने भारत की विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता को मजबूत करने के लिए खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को आवश्यक बताया। वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस और जर्मनी के वित्त मंत्री और उच्च अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रों को विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपाय अपनाकर आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को दूर करना चाहिए। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भी यह स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले से किए गए निवेशों और योजनाओं के माध्यम से मजबूत, सुरक्षित और विविध

आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस दौरान वैष्णव ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा से मुलाकात की। बैठक में भारत में फरवरी 2026 में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पेक्ट से मिट पर चर्चा हुई।

देश की खुदरा महंगाई दिसंबर में बढ़ी, फिर भी आरबीआई की सीमा के नीचे

कम महंगाई का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

दिसंबर में देश की खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) 1.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो नवंबर में 0.7 प्रतिशत थी। यह बीते तीन महीनों का उच्चतम स्तर माना जा रहा है। हालांकि, यह अभी भी भारतीय रिज़र्व बैंक की निचली सहनशील सीमा 2 प्रतिशत से नीचे है। साल 2025 में औसतन महंगाई दर लगभग 2.2 प्रतिशत रही, जो पिछले एक दशक में सबसे कम स्तरों में से एक है। इस कम महंगाई का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट रही। दिसंबर में खाद्य महंगाई लगातार सातवें महीने नकारात्मक रही, लेकिन -3.9 प्रतिशत से -2.71 प्रतिशत पर सुधरी। अनाज में 51 महीनों के बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई। सब्जियां और दालें लगातार 11वें महीने सस्ती रहीं, जबकि तेल और फलों की कीमतें भी कई महीनों के निचले स्तर पर रहीं। खाद्य और ईंधन को छोड़कर कोर महंगाई दिसंबर में 4.8 प्रतिशत तक बढ़ गई, जो 28 महीनों का उच्चतम स्तर है। यदि सोना-चांदी को हटाया जाए, तो कोर महंगाई 2.4 प्रतिशत पर स्थिर है। पर्सनल केयर महंगाई 28 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि घरेलू सामान, स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्रों में महंगाई कई सालों के निचले स्तर पर है।

जनवरी 2026 से नया 2024 आधार वर्ष लागू होगा, जिसमें गैर-खाद्य वस्तुओं का वज़न बढ़ाया गया है। इससे महंगाई आंकड़ों में बदलाव आने की संभावना है। मौद्रिक नीति पर असर की बात करें तो, महंगाई लक्ष्य से नीचे और कोर दबाव सीमित रहने के कारण आरबीआई की फरवरी बैठक में 25 बेसिस प्वाइंट दर कटौती की संभावना बढ़ गई है।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञ नए सीपीआई और जीडीपी डेटा का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि आने वाले महीनों में महंगाई में हल्की बढ़त देखने को मिल सकती है।

ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा स्कार्पियो ने

नई दिल्ली ।

अपने मजबूत लुक, दमदार इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के चलते महिंद्र की स्कॉर्पियो ने साल 2025 में भी ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा। दिसंबर 2025 में इस एसयूवी की करीब 16 हजार यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसके साथ स्कॉर्पियो ने उस महीने टॉप सेलिंग एसयूवी का स्थान हासिल किया। जनवरी से दिसंबर 2025 के पूरे साल की बात करें तो महिंद्रा स्कॉर्पियो की कुल 1,76,988 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा कंपनी के किसी भी दूसरे मॉडल से ज्यादा है। बिक्री के मामले में स्कॉर्पियो ने थार, बोलेरो और एक्सयूवी 3गुणाह्न जैसी लोकप्रिय एसयूवीएस को भी पीछे छोड़ दिया। इससे साफ है कि भारतीय ग्राहकों के बीच स्कॉर्पियो की मांग लगातार बनी हुई है। महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक अपने दमदार और पहचान वाले डिजाइन के लिए जानी जाती है। इसमें सिग्नेचर टॉवरिंग बोनट, नए डुअल-टोन बंपर, एलईडी डीआरएलएस, नई ग्रिल और रिफ्रेश्ड अलॉय व्हील्स जैसे अपडेट्स मिलते हैं। केबिन के अंदर 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ब्लूटूथ और यूएसबी कनेक्टिविटी, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स, रिमोट कीलेस एंट्री और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

सेफ्टी के लिहाज से इसमें डुअल एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, रियर पार्किंग सेंसर, स्पीड अलर्ट और सीटबेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

महिंद्रा स्कॉर्पियो की एक्स-शोरूम कीमत 12.98 लाख से 16.70 लाख रुपये के बीच है। ऊंची सीटिंग पोजिशन और स्पेशियस केबिन इसे फैमिली के लिए भी उपयुक्त बनाते हैं। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 2.2-लीटर एमहॉक डीजल इंजन दिया गया है, जो 130बीएचपी की पावर और 300एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आता है।

मुकेश अंबानी ने गुजरात में की रिलायंस के पांच बड़े कमिटमेंट्स की घोषणा

5 साल में 7 लाख करोड का निवेश करेगी रिलायंस

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में गुजरात के लिए पांच महत्वपूर्ण कमिटमेंट्स की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पिछले पांच साल में रिलायंस ने राज्य में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और अगले पांच साल में इसे 7 लाख करोड़ रुपये तक दोगुना किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना और लोगों की आजीविका को मजबूत करना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें सोलर पावर, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन फर्टिलाइजर, सस्टेनेबल एविएशन और एडवांस्ड मटीरियल्स शामिल होंगे। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य जामनगर को भारत का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी और ग्रीन मटीरियल्स एक्सपोर्ट हब बनाना है। रिलायंस कच्छ में मल्टी-गीगावॉट, यूटिलिटी-स्केल सोलर प्रोजेक्ट विकसित करेगा। यह प्रोजेक्ट चौबीसों घंटे क्लीन पावर सप्लाई के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्लीन एनर्जी परियोजनाओं में से एक बताया गया है। जामनगर में भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर बनाया जाएगा।` जियो लॉन्च करेगा पीपल-फर्स्ट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, जो भारत और दुनिया के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य हर भारतीय को अपनी भाषा और डिवाइस पर एआई सेवाओं का उपयोग करने का अवसर देना है। रिलायंस फाउंडेशन प्रधानमंत्री के 2036 ओलंपिक को अहमदाबाद लाने के विजन को समर्थन देगा। नारणपुरा में वीर सावरकर मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जामनगर में वर्ल्ड-क्लास अस्पताल और रिलायंस स्कूल नेटवर्क का विस्तार भी योजना में शामिल है।

बिहार : संक्रांति पर सियासी पिच गरमाई

विजय सिन्हा के दही-चूड़ा भोज में शामिल हुए नीतीश कुमार, राजनीति की उठी लहर

पटना। बिहार में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और सियासी वातावरण पहले से और अधिक गरमाता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार सुबह डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे संक्रांति की रस्में अब राजनीतिक महफिलों का हिस्सा बनती दिख रही हैं।सूत्रों के मुताबिक, दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम रविवार से शुरू हुए कई आयोजनों की एक कड़ी है, जिनमें पटना के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। विजय सिन्हा के सरकारी आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल तथा अन्य वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को एक राजनीतिक प्लेटफॉर्म का रूप दिया। नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर रवाना होने से पहले यह कार्यक्रम हुआ, जिसमें संक्रांति के शुभ अवसर पर नेताओं ने पारंपरिक भोज का आनंद लिया। भोज के दौरान नेताओं के बीच पारंपरिक दही-चूड़ा का आदान-प्रदान हुआ, जिसे बिहार में सामाजिक मेल-जोल और शुभकामनाओं का प्रतीक माना जाता है। हालांकि इस कार्यक्रम को धार्मिक परंपरा के साथ जोड़कर देखा जा रहा है, राजनीतिक विश्लेषक इसे आगामी चुनाव और गठबंधन समीकरणों की तैयारी का हिस्सा भी मान रहे हैं। बताया गया है कि पटना में आने वाले दिनों में कई अन्य दही-चूड़ा भोज और राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें केंद्रीय नेताओं से लेकर प्रदेश के वरिष्ठ और युवा प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस प्रकार के आयोजन पारंपरिक उत्सव के साथ-साथ नेताओं के संवाद और सियासी समीकरणों के फेर बदल का भी माध्यम बनते हैं। वहीं, राजनीतिक स्तर पर बातचीत यह भी संकेत दे रही है कि संक्रांति जैसे सामाजिक अवसरों पर नेताओं की मौजूदगी से मतदाता संपर्क भी बढ़ेगा। भोज कार्यक्रम के दौरान नेताओं के बीच हुई बातचीत, सार्वजनिक समर्थन और स्थानीय नेताओं की भागीदारी से सियासी गलियारों में चचाओं का सिलसिला जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार में पारंपरिक त्योहारों को सियासत से जोड़कर देखा जाना अब आम बात हो गई है, और इस तरह के कार्यक्रम आगामी चुनाव के लिए माहौल बनाने में मदद करते हैं। राजनीतिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक आयोजनों और पारंपरिक भोज के जरिए जनता के दृष्टिकोण को समझने और मतदाताओं के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिशें तेजी से बढ़ रही हैं। यह भी देखा जा रहा है कि भोज जैसे कार्यक्रमों में शामिल नेताओं की उपस्थिति, गठबंधन की मजबूती और स्थानीय समीकरणों पर भी प्रभाव डालेगी, जिससे बिहार की राजनीतिक दिशा अगले कुछ हफ्तों में और स्पष्ट रूप से सामने आएगी।

सांसद अरुण भारती के मकर संक्रांति भोज में हंगामा

जमुई। मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को जमुई सांसद अरुण भारती द्वारा आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद अचानक हंगामा होने की सूचना है। सांसद के कार्यक्रम स्थल से निकलते ही लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद शुरू हो गया, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई।बताया गया कि शहर के द्वारिका विवाह भवन में दही-चूड़ा खाने को लेकर जमुई के स्थानीय कार्यकर्ताओं और तारापुर से आए लोजपा (आर) कार्यकर्ताओं के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते देखते हंगामे में बदल गई। बताया गया कि

दहीझचूड़ा भोज में जमुई विधानसभा क्षेत्र से दर्जनों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान सांसद अरुण भारती स्वयं मौजूद रहे और सभी कार्यकर्ताओं को दही-चूड़ा खिलाकर आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। लेकिन, उनके अगले कार्यक्रम के लिए रवाना होते ही दही चूड़ा व्यवस्था को लेकर कुछ कार्यकर्ताओं में असंतोष उभर आया, जिसके बाद विवाद ने तूल पकड़ लिया।

रेलवे से एनओसी नहीं, मेट्रो टनल का निर्माण रुका

राजेन्द्र नगर स्टेशन के पटरी-टर्मिनल के नीचे से गुजरनी है मेट्रो, रेलवे कर रहा मंथन

पटना। मेट्रो एलिवेटेड कॉरिडोर शुरू करने के बाद अब अंडरग्राउंड स्टेशन चालू करने की तैयारी में है। मगर रेलवे से एनओसी नहीं मिलने के कारण टनल का निर्माण कार्य रुका हुआ है। राजेन्द्र नगर स्टेशन के पास पटरी और टर्मिनल के नीचे से टनल बनाने के लिए रेलवे से मंजूरी लेनी है। पटना मेट्रो की ओर से एनओसी के लिए रेलवे को पत्र लिखा गया है, लेकिन मेट्रो कॉरिडोर-टू में रेलवे से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट नहीं मिलने के कारण मेट्रो के टनल खुदाई का कार्य रुक गया है। रेलवे की ओर से अबतक टनल निर्माण को लेकर मंजूरी नहीं दी गई है। इसके साथ ही टनल के एलाइन्मेंट का टर्मिनल के विकास पर होने वाले प्रभाव पर भी रेलवे मंथन कर रहा है। दरअसल, मोइनुल हक स्टेडियम से राजेन्द्र नगर टर्मिनल होते हुए मलाही पकड़ी स्टेशन के पहले तक लगभग 1800 मीटर में टनल तैयार होनी है। इसमें मोइनुल हक स्टेडियम से राजेन्द्र नगर टर्मिनल तक लगभग 800 मीटर में टनल तैयार की जाएगी। इसके लिए पटना मेट्रो की ओर से 2 टनल बोरिंग मशीन से खुदाई का काम शुरू कर दिया गया था, लेकिन रेलवे से एनओसी नहीं मिलने के कारण पहले टीबीएम की ओर से 361 मीटर और दूसरे टीबीएम की ओर से 263 मीटर खुदाई करने के बाद कार्य रोक दिया गया है। राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन पटना मेट्रो रेल का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन है। यहां 21 मीटर नीचे से मेट्रो रेल गुजरेगी। इसका कारण राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाला रेलवे ट्रैक है। यह एक विशेष मेट्रो स्टेशन होगा, क्योंकि यह रेलवे टर्मिनल से जुड़ा होगा। इस मेट्रो स्टेशन से लोग आसानी से राजेंद्र नगर रेलवे टर्मिनल से ट्रेन भी पकड़ सकेंगे।

जयनगर-हावड़ा एक्स. की बोगी में फंसा पाइप

समस्तीपुर। जंक्शन पर सोमवार रात बड़ा रेल हादसा टल गया। रेलवे लाइन के किनारे रखा लोहे का पाइप जयनगर से हावड़ा 13022 ट्रेन की बोगी से फंस गया। करीब 140 मीटर लोहे का पाइप ट्रेन की बोगी और प्लेटफॉर्म के बीच घिसटता रहा। चिंगारी भी निकल रही थी। संजोग रहा कि चक्के से पाइप नहीं फंसा। मामले को लेकर वरीय अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबित रात करीब 11 बजे जयनगर से हावड़ा जा रही 13032 ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर तीन से अंदर प्रवेश कर रही थी, इस दौरान मुजफ्फरपुर छोर की ओर वाटरिंग कार्य के लिए रखा गया हाइड्रेंट पाइप लुढ़ककर ट्रेन की बोगी में फंस गया।

संक्षिप्त डायरी

नासिक की तर्ज पर म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करेगा नगर निगम

पटना। नगर निगम नासिक की तर्ज पर म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करेगा। निगम एक ऐसे ह्यआत्मनिर्भर पटनाह्व की कल्पना कर रहा है, जहां तकनीक और बुनियादी ढांचा साथ-साथ आगे बढ़ें। इसके लिए करीब 200 करोड़ रुपये तक का म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव पास किया गया है। राजधानी की बढ़ती आबादी और शहरीकरण की जरूरतों को देखते हुए नगर निगम अपने वित्तीय स्रोतों का विस्तार करना चाहता है, ताकि शहर को आधुनिक और स्मार्ट बनाया जा सके। अमृत 2.0 और अन्य शहरी विकास योजनाओं के तहत जलापूर्ति, सीवरेज, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के अपग्रेडेशन लिए बड़े पैमाने पर पूंजी की जरूरत है। शहर के बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से बॉन्ड के जरिए लंबी अवधि के वित्तीय संसाधन जुटाने की योजना है। बॉन्ड निर्गम की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बॉन्ड निर्गम समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता नगर आयुक्त करेंगे। म्युनिसिपल बॉन्ड एक प्रकार का एक ऐसा कर्ज है जो नगर निगम, नगर पालिका या राज्य सरकार जैसी सरकारी संस्थाएं अपनी परियोजनाओं के लिए पैसा जुटाने के उद्देश्य से जनता से लेती हैं। जब आप म्युनिसिपल बॉन्ड खरीदते हैं, तो आप नगर निगम को एक निश्चित अवधि के लिए पैसा उधार देते हैं। इसके बदले में, वह संस्था आपको एक तय दर से ब्याज देती है और अवधि पूरी होने पर आपकी मूल राशि वापस कर देती है।

कोर्ट से लौट रहे शख्स की 6 गोली मारकर हत्या

जमुई । में सोमवार की शाम अपराधियों ने सिकंदरा-जमुई मुख्य मार्ग पर पदमावत गांव के समीप अशोक यादव उर्फ आशो यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाका दहल उठा और अशोक यादव की मौके पर ही मौत हो गई। अपराधियों ने अशोक यादव के सीने में पूरी मैगजीन खाली कर दी। उनके सिर,चेहरे,पीठ और पेट में कुल छह गोलियां मारी गईं। वारदात के बाद सड़क पर मृतक की फाइलें बिखरी मिलीं,जबकि उनकी बाइक शव से करीब 20 कदम दूर गिरी हुई थी। बाइक के पहिए के नीचे एक मैगजीन, कई खोखे, गुलेल और सीसे की गोलियां भी बरामद की गई। यह पूरी वारदात 85 डिसमिल जमीन विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। मृतक अशोक यादव और गौहरनगर निवासी कामेश्वर पासवान के बीच इस जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था। जानकारी के अनुसार,इस जमीन की बंदोबस्ती वर्ष 1939 में ही अशोक यादव के पिता मिश्री यादव के नाम दर्ज थी।अदालत से भी फैसला अशोक यादव के पक्ष में आया था, लेकिन इसके बावजूद दोनों पक्षों के बीच रंजिश खत्म नहीं हुई।

अशोक यादव, मृतक

भोजपुरी के अश्लील गानों पर डांस कराया, फिर गैंगरेप

पूर्णिया। मैं चंपानगर की रहने वाली हूं। ऑर्केस्ट्रा में डांस करके अपना और मां का पेट पालती हूं। शनिवार की शाम घर पर खाना बना रही थी, कुछ जरूरत पड़ी तो नेशनल हाईवे की ओर दुकान की ओर निकल गई। इसी दौरान एक कार मेरे पास आकर रूकी। कार में दो लोग सवार थे। उन्होंने मुझे आवाज लगाई और कुछ पूछने लगे। मैं जैसे ही पास गई, उन्होंने मुझे जबरन कार में बैठा लिया। अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर मेरे कपड़े फाड़ डाले और गैंगरेप किया। छाती पर जख्म और हाथ पर घाव के निशान हैं।' पूर्णिया GMCH में रविवार की शाम रात मेडिकल के लिए लाई गई 24 साल की गैंगरेप पीड़िता ने ये बातें बताई। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए बयान में बताया कि उसे पहले किडनैप किया गया, फिर 25 किलोमीटर दूर ले जाकर 6 लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों में एक पूर्व मुखिया मो. जुनैद भी शामिल है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।गैंगरेप पीड़िता ऑर्केस्ट्रा डांसर ने बताया, मैं चंपानगर की रहने वाली हूं। मेरे माता-पिता की स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। माता-पिता ने किसी तरह पढ़ाया, लिखाया। 3 साल पहले जब मेरी उम्र 21 साल की थी। माता-पिता ने किसी तरह शादी करा दी। शादी के कुछ दिन बाद ही पिता का निधन हो गया था। पीड़िता के मुताबिक, सब कुछ ठीक चल रहा था। पति प्राइवेट जॉब कर रहे थे। उसने बताया कि करीब एक साल पहले पति काम से घर लौट रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया था।

सारण के अमनौर में शिवम हत्याकांड से उबाल

शव पहुंचते ही एनएच-722 जाम, पुलिस वाहनों में तोड़फोड़

छपरा(सारण)। अमनौर थाना क्षेत्र के मदरौली अपहर गांव निवासी राजन गुप्ता के पुत्र शिवम कुमार की हत्या के बाद मंगलवार को पूरे इलाके में जनाक्रोश फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शिवम का शव गांव पहुंचा, स्वजनों के चीत्कार और ग्रामीणों के आक्रोश ने उग्र रूप ले लिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने छपराझरेवा एनएच-722 को जाम कर दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।जानकारी के अनुसार शिवम कुमार 31 दिसंबर को अचानक घर से लापता हो गया था। स्वजनों द्वारा लगातार खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। 11 जनवरी को गांव के समीप झाड़ियों से शिवम का शव बरामद होने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सदर अस्पताल छपरा और इसके बाद पटना में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंगलवार की सुबह शव गांव लाया गया। शव पहुंचते ही माहौल पूरी तरह बदल गया। सुबह करीब आठ बजे बड़ी संख्या में ग्रामीण शव को लेकर भेल्दी चौक के पास एनएच-722 पर पहुंच गए और सड़क जाम कर दिया। ग्रामीण हत्या के खुलासे और आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। देखते ही देखते जाम उग्र हो गया और दोनों ओर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इससे यात्रियों, स्कूली बच्चों और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और जाम हटाने का प्रयास शुरू किया। अमनौर रोड पर जलालपुर चौक के पहले तैनात पुलिस बल को ग्रामीणों के तीखे आक्रोश का सामना करना पड़ा। इसी दौरान उपद्रवियों ने पुलिस के दो बोलेरो वाहनों और एक बस को क्षतिग्रस्त कर दिया। दोनों बोलेरो को सड़क और पास के खेत में धकेलकर पलट दिया गया, जबकि बस में भी तोड़फोड़ की गई। घटना की सूचना मिलते ही मढ़ौरा एसडीओ निधि कुमारी और एसडीपीओ नरेश पासवान भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने और जाम हटाने का प्रयास किया। प्रशासन की ओर से भरोसा दिलाया गया कि हत्याकांड की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भेल्दी बाजार की अधिकांश दुकानें स्वतः बंद हो गईं। पूरे इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल बना रहा। खबर लिखे जाने तक एनएच-722 पर जाम की स्थिति पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी थी। पुलिस प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और अतिरिक्त बल की तैनाती कर स्थिति को सामान्य करने के प्रयास जारी हैं।

खेती से 'शहद' तक, आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रहीं बिहार की महिलाएं

रामनगर। रामनगर प्रखंड कृषि आधारित क्षेत्र है, लेकिन यहां अब तक परंपरागत खेती ही मुख्य रूप से की जाती रही है, जिसमें लागत अधिक और मुनाफा अपेक्षाकृत कम होता है। किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, ताकि किसान परंपरागत खेती की भीड़-चाल छोड़कर नए और वैकल्पिक तरीकों को अपनाएं। इसी कड़ी में अब महिलाएं भी खेती और उससे जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं। खेती के क्षेत्र में लंबे समय तक पुरुषों का वर्चस्व रहा, लेकिन अब आधी आबादी भी बकरी पालन, गो पालन, मशरूम की खेती, मुर्गी पालन और शहद उत्पादन जैसे कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है।रामनगर प्रखंड में पहली बार अनुसूचित जनजाति की महिला कृषकों ने मधुमक्खी पालन शुरू कर एक नई पहल की है। प्रखंड के अनुसूचित जनजाति बहुल नौतनवा गांव की महिलाओं ने इस कार्य की शुरूआत की है, जो क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक बन गया है। नौतनवा गांव की 20 महिलाओं को नाबार्ड की ओर से मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं ब्राजीना फाउंडेशन के सौजन्य से महिलाओं को मधुमक्खी पालन से लेकर शहद निकालने और उसे सुरक्षित रखने के व्यावहारिक तौर-तरीके सिखाए गए। करीब एक वर्ष पहले शुरू किए गए इस कार्य से अब महिलाओं को अच्छा मुनाफा मिलने लगा है। गांव की कौशल्या देवी बताती हैं कि साल में तीन बार शहद निकाला जाता है। एक बार में कम से कम चार से पांच किलो शहद प्राप्त हो जाता है, जिसकी कीमत 500 रुपये प्रति किलो तक मिल जाती है। खास बात यह है कि शहद बेचने के लिए बाजार जाने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि ग्राहक खुद घर से शहद लेकर जाते हैं। प्रमिला देवी कहती हैं कि शुरूआत में मधुमक्खियों के काटने का डर लगता था, लेकिन अब इसकी आदत हो गई है।

इब्राहिमपुर घाट पर 71 करोड़ की लागत से बनने वाले पुल का निर्माण शुरू, शिवहर-सीतामढ़ी से कनेक्ट होगा मेहसी

मेहसी। मेहसी के बूढ़ी गंडक नदी स्थित इब्राहिमपुर घाट पर पुल का निर्माण आरंभ हो गया है। पहले नीलर की नींव रखी जा चुकी है। इस पुल को कुल 13 पिलरों पर खड़ा किया जाएगा। कार्य की गति को देखते हुए यह माना जा रहा है कि अगले वर्ष के अंत तक इस पुल का लोकार्पण किया जा सकता है। पुल का निर्माण करा रहे जय माता दी कंट्रक्शन कंपनी बेगूसराय के परियोजना प्रबंधक आनंद कुमार ने बताया कि 71 करोड़ की लागत से बनने वाले इस पुल में 13 पीलर होंगे। एक पिलर का निर्माण कार्य प्रारंभ है। शेष का जाल बनना शुरू हो गया है। निर्माण की गुणवत्ता में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जाएगी। इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। पुल निर्माण आरंभ हो जाने से लोगों में हर्ष का माहौल है।इसका श्रेय मेहसी की जनता ने सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह और तीसरी बार विधायक बने श्यामबाबू प्रसाद यादव को दिया है। मुखिया अजय कुमार

यादव, नवल राय, पूर्व मुखिया सत्येंद्र सिंह, सरपंच जोखन राय आदि ने कहा की बिहार सरकार द्वारा मेहसी प्रखंड को चौथे सौगात के रूप मे मिला यह पुल इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण है कि इसके निर्माण के बाद मेहसी का सीधा संबंध मधुबन के रास्ते शिवहर, सीतामढ़ी, जनकपुर और पड़ोसी देश नेपाल से सीधा जुड़ जाएगा। मेहसी के उत्तर में स्थित मधुबन प्रखंड मुख्यालय की दूरी मात्र 08 किलोमीटर के दायरे में सिमट जाएगी, जबकि मधुबन की सीमा नदी पार करते ही आरंभ होगी। यहां अब तक लोग नाव से नदी को पार करते थे। अब उनको नाव से मुक्ति मिलेगी। दोनों प्रखंडों के लोगों की आर्थिकी को बदलने में यह पुल निर्णायक भूमिका निभाएगा। वर्तमान में मधुबन जाने के लिए मेहसी वासियों को चकिया के रास्ते करीब 20 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। बताया जाता है की पिपरा विधायक श्यामबाबू प्रसाद यादव ने इस मांग को विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाया था।

परिणाम स्वरूप यह महत्वकांक्षी योजना धरातल पर उतर कर सामने आई। यह अलग बात है कि इब्राहिम पुल निर्माण की मांग को लेकर जनता ने पूर्व के सरकार मे अनेकों बार धरना प्रदर्शन के माध्यम से इस बड़ी समस्या के तरफ सरकार का ध्यान आकृष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मांगें फाइलों में दबी रहीं। विधायक के प्रयास के बाद पुल निर्माण की स्वीकृति मिली। विधायक श्यामबाबू प्रसाद यादव ने कहा कि पिपरा विधानसभा की जनता ने जिस विश्वास के साथ तीसरी बार उन्हें सेवा करने का मौका दिया है वे उसे कायम रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विकास उनकी पहली प्राथमिकता है और पिपरा बिहार में आदर्श विधानसभा के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने मेहसी के कटहां, सेमरा और इब्राहिमपुर घाटों पर पुल निर्माण सहित विकास को लेकर किए गए वादों को प्रमुखता से पूरा किया है। आगे भी उनका विकास अभियान जारी रहेगा। जनहित से जुड़ी समस्याओं के निदान में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्राति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्राति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्राति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार

मकर सक्रांति

ग्रहों के अनुसार दान कर पाएं सफलता

कहते हैं सौ हाथों से कमाएं और हजार हाथों से खर्च करें तो जिंदगी में आपको कभी किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मकर सक्रांति पर आपकी जन्मकुंडली में जो ग्रह कमजोर हो उस ग्रह से संबंधित दान देकर ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं इससे आपको करियर में सफलता मिलने लगेगी।

सूर्य - माणिक्य, गेहूं, सवत्सा, गाय, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, स्वर्ण, तांबा, लाल चंदन, केशर, भूमि, भवन आदि।

चंद्र - टोकरी (बांस की), चावल, कर्पूर, सफेद कपड़ा, मोती, चांदी, दूध, दही, मिश्री, शकर, घी आदि।

मंगल - गेहूं, मसूर, लाल, कपड़ा, गुड़ तांबा, लाल फूल, लाल चंदन, केशर, लाल बैल, भूमि, मूंगा आदि।

बुध - हरा वस्त्र, स्वर्ण, ही मूंग, पन्ना, कस्तूरी आदि।

गुरु - पीला धान्य, पीला कपड़ा, पुखराज, स्वर्ण, चांदी, शकर, शहद, नमक, केसर, वृद्धों की सेवा, हल्दी, घोड़ा।

शुक्र - सफेद घोड़ा, गाय-बछड़े सहित हीरा, इत्र, सेंट, चावल, घी, कर्पूर, सफेद वस्त्र, चंदन, शकर, मिश्री।

शनि - उड़द, तिल, तेल, काली गाय, काला वस्त्र, कंबल, जूता, स्वर्ण, नीलम, चांदी आदि।

राहु - गेहूं, उड़द, गोमेद, काला घोड़ा, तलवार, तेल, लोहा, रत्न, अभ्रक, नीला कपड़ा।

केतु - लहसुनिया, तिल, कंबल, कस्तूरी, चाकू, लोहा, छतरी, सीसा, रांगा, बकरा, काला कपड़ा आदि।

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

संक्रांति का अर्थ

संक्रान्ति का अर्थ है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना, अत- वह राशि जिसमें सूर्य प्रवेश करता है, संक्रान्ति की संज्ञा से विख्यात है। राशियाँ बारह हैं, यथा मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृच्छिक, धनु, मकर, कुम्भ, मीन। मलमास पड़ जाने पर भी वर्ष में केवल 12 राशियाँ होती हैं। प्रत्येक संक्रान्ति पवित्र दिन के रूप में ग्राह्य है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है। यहाँ हर जाति व संस्कृति व धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारे यहाँ कई त्योहार मनाए जाते हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा सामाजिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने के लिए मनाए जाते हैं। मकर संक्राति भी इन्हीं त्योहारों में से एक है। यह त्योहार इस संपूर्ण सृष्टि में ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य की आराधना के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायन होने के साथ ही मौसम में परिवर्तन होता है और त्योहार के रूप में खुशियाँ मनाई जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन के बाद हर दिन तिल के बराबर बड़ा होता जाता है।

हर प्रांत हर रंग

भारत के अलग-अलग प्रांतों में इस त्योहार को अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है लेकिन इन सभी के पीछे मूल ध्येय एकता, समानता व आस्था दर्शाना होता है। मकर सक्रांति को पोंगल, लोहड़ी, पतंग उत्सव, तिल सक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का, तिल-गुड़ खाने का तथा सूर्य को देने का अपना एक महत्व है। बचपन की यादें ताजा करने व दोस्तों के साथ फिर से हँसी-ठहाके करने का त्योहार मकर सक्रांति है। गिल्ली-डंडे के खेल के रूप में मौज-मस्ती के एक बहाने के रूप में म.प्र. में यह त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर परिवार के बच्चे से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली-डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं।

लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग-बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तो ऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाईयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे की पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। गुजरात में मकर सक्रांति के दिन पतंगबाजी के आयोजन में इसी प्रकार का सांप्रदायिक सद्भाव देखने को मिलता है। यहाँ अलसुबह ही सभी लोग अपने घरों की छतों पर जमा होकर पतंगबाजी करके खु?शी व उल्लास के साथ इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। कहते हैं जिंदगी बहुत छोटी है और यदि हम इस छोटी सी जिंदगी में भी अपनों से बैर पालकर बैठ जाएँ तो जिंदगी का क्या मजा आएगा? इस दिन सभी पुराने गिले-शिकवे भूलाकर तिल-गुड़ से मुँह मीठा कर दोस्ती का एक नया रिश्ता कायम किया जाता है। समूचे महाराष्ट्र में इस त्योहार को रिश्तों की एक नई शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब में लोहड़ी के रूप में तो तमिलनाडु में पोंगल के रूप में इस त्योहार को मनाते हुए प्रकृति देवता का नमन किया जाता है।

क्या करें

हमारे धार्मिक आख्यानों के अनुसार मकर संक्राति के दिन हमें ब्रह्म मूहर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य देवता को देना चाहिए। उसके बाद यथोचित दान-धर्म कर अपने ईश्वर का नमन करना चाहिए तथा अपनों के साथ खुशियाँ बाँटकर इस त्योहार को मनाना चाहिए। हर त्योहार हमारे लिए कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। मकर सक्रांति का त्योहार भी हमें भेदभाव भूलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। तो क्यों न इस दिन हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम, आत्मीयता व सम्मान का एक नया रिश्ता कायम करें।

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मकर संक्रांति के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में ही स्नान करना अच्छा माना जाता है। कुछ लोग गंगा जी जाकर स्नान करते हैं तो जो नहीं जा पाते वे घरों में ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर मकर संक्रांति का पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। इस दिन खिचड़ी का दान किया जाएगा। पूर्व उत्तरप्रदेश में इसे खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। कहा जाता है कि जाड़े के दिनों में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो माघ का महीना प्रारंभ हो जाता है। इस महीने उड़द की खिचड़ी एवं रेवड़ी-मूंगफली खाने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। इस प्रकार यह पर्व प्रकृति परिवर्तन के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने की ओर भी इशारा करता है। उत्तराखंड के लोग इसे घुघुतिया त्योहार भी कहते हैं जिसमें आटे को गुड़ या शहद में तैयार कर शकरपारे बनाए जाते हैं तथा सुबह स्नान करने के बाद काले कौआ काले पूस की रोटी माघ में खाले, के नारे लगाते हुए छोटे-छोटे बच्चे घुघुत को कौआ को बुलाकर खिलाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं समस्त प्रकृतियां, ऋतु एवं महीने सब मुझसे ही पैदा होते हैं। इसलिए भारतीय उपासना पद्धति में प्रत्येक ऋतु, मास, पक्ष, सप्ताह एवं दिन-रात परामात्मा के स्वरूप ही माने गए हैं। इसीलिए हमारी उपासना सनातन उपासना कहलाती है। हर दिन किसी न किसी देवता की उपासना से जुड़ा होने से नित उत्सव का आनंद लोगों को मिलता ही रहता है। साथ ही किसी विशेष पर्व पर होने वाले धार्मिक उत्सव में तो सारा जनमानस एक-साथ आनंद में झूमने लगता है। इसी कड़ी में है लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व जो हमें धार्मिक अनुष्ठान करते हुए प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देता है। इसकी धूम गांव, नगर, शहर हर जगह दिखाई देती है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन तिल का उपयोग 6 प्रकार से करना चाहिए। तिल का तेल जल में डालकर स्नान, तिल के तेल की शरीर पर मालिश करके स्नान, तिल का उपयोग हवन सामग्री में, तिलयुक्त जल का सेवन, तिल व गुडयुक्त मिठाई व भोजन का सेवन, तिल का दान करने से शारीरिक, धार्मिक व अन्य लाभ तथा पुण्य प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त पूजन में चंदन से अष्ठदल का कमल बनाकर उसमें सूर्यदेव का चित्र स्थापित करें। शाम को तिलयुक्त भोजन से अपना व्रत खोलें।

गज पर सवार होकर आ रही है मकर संक्रांति

जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो मकर संक्रांति होती है। 14 जनवरी 2014 को आने वाली मकर संक्रांति महोदरी है। यह संक्रांति सरकार के लिए कष्टकारी होगी। जनवरी के बाद एक माह कठिन परीक्षा का भी हो सकता है। सूर्य 14 जनवरी को मकर में राहु के नक्षत्र आर्द्रा, योग ऐन्द्र, करण में रहेंगे।

इस बार संक्रांति का वाहन है हाथी, उपवाहन है गधा, वस्त्र रक्त, आयुध धनुष, फल मध्य, जाति मृग, भक्षण पेय, लेपन गोरोचन, वय प्रौढ़ा, पात्र लोहा, भूषण मुकूट, कंचु सित, स्थिति बैठी, फल लक्ष्मी, पुष्प बेल मंगलवारी होने से दक्षिण दिशा की और गमन करेगी। नैऋत्य की और दृष्टि होती है। जिस-जिस वस्तुओं पर संक्राति आती है वह महंगी हो जाती है। जिस दिशा की और संक्रांति गमन करती है व जिस दिशा में संक्रांति की दृष्टि होती है उस दिशा को कष्ट रहता है। मंगलवारी संक्रांति होने से गुड़, रस, नमक, घी, तेल, सरसो, केसर, मंजीठ, लाल वस्तु, मक्कादि, चना, ज्वार, बाजरा आदि तेज होंगे। रुई, सूत, कपास, बिनोला, तांबा, पीतल, जस्ता, सोना, चांदी में घट-बढ़ रहेगी।

कैसा होगा संक्रांति का फल

इस संक्रांति पर मकर का सूर्य मेष लग्न में आ रहा है। लग्नेश मंगल षष्ट भाव में होने से सरकार को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। राहु के नक्षत्र आर्द्रा में होने से कष्टकारी भी रहती है। संक्रांति मेष लग्न में राहु-शनि के साथ सप्तम भाव में होने से महिला वर्ग के लिए शुभ नहीं रहेगा। सप्तम भाव व द्वितीय भाव वाणी व स्त्री है अत- स्त्रियों के लिए होने वाले वार्तालाप ठीक नहीं रहेगें। भाग्य व द्वादश भाव का स्वामी गुरु वक्री भी है अत: बाहरी मामलों में सावधानी रखना होगी। शनि की लग्न पर नीच दृष्टि होने से देश में राजनीतिक संकट मंडराता दिखाई देगा। लेकिन मंगल की उच्च दृष्टि लग्न पर होने से साहस बल द्वारा प्रभावी तरीके से हर मामला निपटा लिया जाएगा।

दक्षिण भारत का छठ है

पोंगल

मकर संक्रांति को देश में कई नामों से जाना जाता है. जहां उत्तर भारत में इसे खिचड़ी के नाम से जानते हैं वहीं दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहा जाता है. पोंगल तमिल हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है. यह त्यौहार हमारे दक्षिण भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखता है. पोंगल का महत्व दक्षिण भारतीयों के लिए उसी तरह है जैसा उत्तर भारतीयों के लिए छठ पर्व.

आखिर कैसे पड़ा नाम पोंगल

इस त्यौहार का नाम पोंगल इसलिए है क्योंकि इस दिन सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है वह पोगल कहलता है. तमिल भाषा में पोंगल का एक अन्य अर्थ निकलता है अच्छी तरह उबालना. दोनों ही रूपों में देखा जाए तो बात निकल कर यह आती है कि अच्छी तरह उबाल कर सूर्य देवता को प्रसाद भोग लगाना सबसे जरूरी है.

पोंगल पर्व मनाने का कारण

पोंगल मकर संक्रांति का ही एक रूप है. जिस तरह लोहड़ी और मकर संक्रांति फसलों से जुड़े हैं यह पर्व भी फसलों से ही संबंधित है. जनवरी महीने तक तमिलनाडु की मुख्य फसल गन्ना व धान पककर तैयार हो जाती है. जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों को देखता है तो वह भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए पोंगल का त्यौहार मनाता है. पोंगल के त्यौहार में मुख्य रूप से बैल की पूजा की जाती है क्योंकि बैल के माध्यम से किसान अपनी जमीन जोतता है और साथ ही भगवान को नई फसल का भोग लगाया जाता है.

छठ जैसी पवित्रता

जिस तरह बिहार समेत उत्तर भारत के लोग छठ मनाते हैं, वैसी ही पवित्रता के साथ दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है. इसमें दीपावली की रस्म भी पूरी की जाती है.

तीन दिन का पर्व पोंगल

पोंगल सामान्यत: तीन दिन तक मनाया जाता है. पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन की.

पोंगल पर्व का आरंभ 'बोगी पोंगल' से होता है, तो समापन 'कानुम पोंगल' से होता है. सूर्य देव की आराधना पर आधारित इस पर्व के लिए मायके से चावल, गुड़, घी आदि से आता है. मकर संक्रांति के एक दिन पहले बोगी पोंगल को घर की साफ-सफाई कर कचरे को घर के बाहर जलाया जाता है. इसके बाद आंगन में बहुत बड़ी रंगोली बनाई जाती है. 14 जनवरी को मिट्टी के नए बर्तन को मिट्टी के चूल्हे पर चढ़ाया जाता है जिसमें संयुक्त परिवार की महिलाएं अपने-अपने मायके से आए चावल, गुड़ और घी डालती हैं. जब मीठा चावल तैयार हो जाता है, तो छत पर पुरुष सदस्य सूर्य देव की पूजा करते हैं. इसी क्रम में दूध को उबाला जाता है. आमतौर पर उबलते हुए दूध का बर्तन से गिरना अशुभ माना जाता है, लेकिन पोंगल में इसे शुभ माना जाता है. दक्षिण के अलावा किसी भी दिशा में दूध उबलकर गिरता है तो उसे प्रणाम किया जाता है. मान्यता है कि ऐसा होने से पूरे वर्ष उनके घर सुख-समृद्धि बनी रहेगी. उस दिन पोंगल (खिचड़ी) के अलावा दही बड़ा अवश्य बनता है, जिसे महिलाएं नई हल्दी का लेप लगाकर स्नान करने के बाद ग्रहण करती हैं. तीसरे दिन कानुम पोंगल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं. विवाहित महिलाएं लड़कियों को हल्दी का तिलक लगाकर आशीर्वाद देती हैं. इसी दिन चावल को अलग-अलग रंग में रंगकर घर के बाहर रखा जाता है, ताकि चिड़ियां उसे खाएं. तीनों दिन गन्ना जरूर खाया जाता है. यह त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है. माना कि समय के साथ इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव आया है, लेकिन नियम-पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाता है.

दक्षिण में मकर संक्रांति को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। सौर पंचांग के अनुसार यह पर्व महीने की पहली तारीख को आता है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे तीन पशु धन की। पोंगल के दिन स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के नए बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य भगवान को नैवेद्य चढ़ाया जाता है। तब खीर को प्रसाद रूप में सब लोग ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और दामाद का घर पर स्वागत किया जाता है। तीसरे दिन किसान अपने पशुओं को खूब अच्छी तरह सजाकर जुलूस निकालते हैं। कन्याओं के लिए यह हर्षोल्लास का पर्व है।

त्योहारों को पूर्णता देता है पोंगल

पोंगल अर्थात् खिचड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्यकाल में मनाया जाता है। खुले आँगन में हल्दी की जड़ की गाँठ को पीले धागे में पिरोकर पीतल या मिट्टी की हाँड़ी की गर्दन में बाँधकर उसमें चावल एवं मूँग की दाल की खिचड़ी पकाते हैं। उसमें उफान आने पर दूध व घी डाला जाता है। उफान आते ही घर के सभी सदस्य गाजे-बाजे के साथ पोंगल - पोंगल की आवाज़ लगाकर खुशी प्रकट करते हैं। वह उफान सुख और समृद्धि का परिचायक है। लोग एक-दूसरे के सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। गन्न के साथ सूर्यदेव की पूजा की जाती है। इस दिन आग पर हाँड़ी चढ़ाने का विशेष मुहुर्त होता है, जिसे देखकर हाँड़ी को आग पर चढ़ाया जाता है। उबलता हुआ दूध जब पात्र में से गिरने लगता है, तो उसे समृद्धशाली कृषि ऋतु का प्रतीक माना जाता है। हल्दी के पौधे की छोटी-छोटी टहनियों को बर्तनों के चारों ओर बाँधा जाता है तथा उसके साथ-साथ सूर्य व चन्द्रमा की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सभी अपने मित्रों व सगे-सम्बन्धियों से मिलते हैं तथा मिठाइयों की भेंट देते हैं। पोंगल के समय गन्ने की फ़सल तैयार हो चुकी होती है तथा गन्ना सभी हाट-बाज़ारों में खूब बिकता है। जगह-जगह बच्चे गन्ना चूसते नज़र आते हैं।

रिश्तों की मधुरता का त्योहार लोहड़ी

लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्यौहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस समय रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। यह प्राय- 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यत- पंजाब का पर्व है।

लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से त्योहार (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित्त ही इसमें दिखाई पड़ता है।

लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय लोहड़ी में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्रप्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से मोहमाया या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं। शहरों के शरारती लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर लोहड़ी से जलती हु ई लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। यह लोहड़ी व्याहना कहलाता है। कई बार छीना झपटी में सिर फुटौवल भी हो जाती है। मँहगाई के कारण पर्याप्त लकड़ी और उपलों के अभाव में दुकानों के बाहर पड़ी लकड़ी की चीजें उठाकर जला देने की शरारतें भी चल पड़ी हैं।

लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं। लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। कई लोगो का मानना हैं की यह त्यौहार जाड़े की ऋतू के आने का द्योतक के रूप में मनाया जाता हैं। आधुनिक युग में अब यह लोहड़ी का त्यौहार सिर्फ पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में ही नहीं अपितु बंगाल तथा उड़िया लोगो द्वारा भी मनाया जा रहा हैं!

दुल्ला भट्टी की कहानी

लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं की लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था! उस समय संदल बार के जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था जिसे दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न की मुक्त ही करवाया बल्कि उनकी शादी की हिन्दू लडको से करवाई और उनके शादी के सभी व्यवस्था भी करवाई। दुल्ला भट्टी एक विद्रोही था और जिसकी वंशवली भट्टी राजपूत थे। उसके पूर्वज पिंडी भट्टियों के शासक थे जो की संदल बार में था अब संदल बार पकिस्तान में स्थित हैं। वह सभी पंजाबियों का नायक था।

लोहड़ी सिख परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। लोहड़ी मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। हर साल 13 जनवरी को पंजाबी परिवारों में विशेष उत्साह होता है। यह उत्साह तब और बढ़ जाता है यदि घर में बहू या फिर बच्चे के जन्म की पहली लोहड़ी हो।

दूसरे एकदिवसीय को भी जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

राजकोट (एजेंसी)। पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के निरंजन शाह स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकारार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 301 रनों का भी लक्ष्य हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। पहले एकदिवसीय में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं केएल राहुल ने भी मैच फिनिशर की जिम्मेदारी निभाई। ऑलराउंडर हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले दोनो से ही अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई थी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने भी पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी हालांकि वह मैच नहीं जीत पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में किसी भी हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना रहेगा।

पहले एकदिवसीय में कीवी टीम बीच के ओवरों में दबाव बनाने में सफल रही थी हालांकि राहुल ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। राजकोट की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है, ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है. भारत जहां जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम जीत कर सीरीज में बने रहना चाहेगी। भारतीय टीम को इस मैच में वाशिंगटन सुंदर के बिना ही उतरना पड़ेगा क्योंकि वह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर है। ऐसे में इस मैच उनकी जगह शामिल आयुष बाडोनी को शामिल किया जा सकता है। अगर आयुष को जगह मिलती है तो अपना एकदिवसीय डेब्यू करेंगे।

दोनो ही टीमों की भारत की संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आयुष बाडोनी और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवन कॉन्वे, हेनरी निकल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), ज़ाकरी फाउल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमिसन और आदित्य अशोक।

एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिया हीली ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 35 साल की हीली ने कहा कि वह भारत के साथ होनेवाली सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। हीली पिछले 15 साल से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सक्रिय हैं। टीम की कप्तानी करते हुए हीली ने छह टी-20 और तीन एकदिवसीय विश्वकप में अपनी टीम को जीत दिलायी है। हीली के पति ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क हैं।

हीली ने कहा, 'आगामी भारत दौरा ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी, यह कहते हुए मुझे हालांकि मिलाजुला अहसास हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से की मेरी इच्छा अभी भी बनी हुई है पर प्रतिस्पर्धा की वह भावना जो मुझे शुरुआत से प्रेरित करती रही है, अब कम हो गयी है। इससके साथ ही मानसिक थकान का भी अहसास हो रहा है। मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने का सही समय आ गया है। मुझे संन्यास के बाद अपने साथियों की, टीम गीत गाने की और ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने की बहुत याद आएगी।

हीली ने साल 2010 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू करते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सात शतकों लगाकर 3563 रन जबकि टी-20 में एक शतक के साथ ही 3054 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने विकेटकीपर रहते हुए 275 शिकार भी किये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हीली क्रिकेट की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभायी। हीली ने महिला क्रिकेट में अपनी अलग ही जगह बनायी। इस क्रिकेटर ने पहले ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। अब फरवरी और मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच की सीरीज में वह अंतिम बार नजर आयेंगी।

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है।

वहीं आईसीसी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा की गई स्वतंत्र सुरक्षा जांच में भारत में खेलने पर बांग्लादेश टीम के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं पाया गया। इन जांचों में कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश टीम, अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए कोई विशेष खतरा नहीं पाया गया। आईसीसी ने यह भी कहा कि कई बार आकस्मिक योजना बनायी जाती है पर उसे कभी जोखिम नहीं माना जा सकता है। ये पेशेवर जांच का हिस्सा होती है पर इसे कई बार गलत समझा जाता है। ये किसी प्रकार के वास्तविक खतरे को नहीं दिखाती है। वहीं बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल सलाहकार, आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि आईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरुल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए।

राहुल बन सकते हैं बेहतर फिनिशर: आकाश चोपड़ा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे पता चलता है कि उनमें जबरदस्त फिनिशर बनने की क्षमताएं हैं। चोपड़ा के अनुसार राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नाबाद 29 रन ही बनाये पर एक छोर थामे रखा। वहीं जब टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गिरने से दबाव में थी तब अच्छी साझेदारी बनाकर उसे उबारा। राहुल ने ऑलराउंडर हर्षित राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को उनका विकेट न मिले क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम तक पहुंचने का अवसर मिल जाता। राणा के विकेट के बाद राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की

राहुल ने 49वें ओवर तक संयम रखते हुए बड़े शॉट नहीं खेले। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, तो राहुल ने तेजी दिखाई और लगातार चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों में एक छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। चोपड़ा राहुल की इसी शांत और समझदारी भरी पारी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि राहुल में बहुमुखी प्रतिभा है। वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दबाव के बीच भी शांत बने रहे और उन्होंने धैर्य बनाये रखा। चोपड़ा ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में केएल राहुल का बल्लेबाजी का तरीका अलग ही था। हम उन्हें एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर देखते आये हैं। कई बार आपको लगता है कि वह तेजी से रन बनाएंगे और बड़े शॉट लगाकर मैच जल्दी समाप्त करने का प्रयास करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, वह उन गेंदों पर एक रन बना रहे थे जिन पर वह आमतौर पर शॉट मारते हैं, लेकिन उन्होंने सही अवसरों का इंतजार किया। एक एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी शुरु कर सकते हैं। मध्यक्रम में उतर सकते हैं और जरुरत पड़ने पर विकेट कीपिंग भी कर सकते हैं।

वीनस विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में बाहर

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) । वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 वर्षीय वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को यहा होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं। विश्व रैंकिंग में 576वें स्थान पर काबिज सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से शुरू होगा। होबार्ट में पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेज्सिकोवा को पेटन स्टर्न्स से 6-4, 1-6, 7-6 (4) से हार का सामना करना पड़ा।

अंडर19 विश्वकप में वैभव तोड़ सकते हैं कई रिकार्ड

मुम्बई । उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की नजरें अब 15 जनवरी से शुरु हो रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। वैभव ने हाल ही में दक्षिण अफीका में हुए यूएथ एकदिवसीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और वह ये सिलसिला आगे भी बनाये रखना चाहेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला अमेरिकी टीम से खेलना है। वैभव ने अब तक जिस प्रकार से बल्लेबाजी कर नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे तय है कि वह एकदिवसीय विश्वकप में भी इतिहास रच सकते हैं। विश्वप में तय है कि कई रिकार्ड वह तोड़ देंगे। वैभव अपनी बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। उनके अधिकतर रन चौकों और छक्कों से आते हैं। अंडर-19 विश्व कप के एक सत्र में सबसे ज्यादा 22 छक्कों का रिकॉर्ड। अभी दक्षिण अफीक के डेवाल्ड ब्रेविस के नाम है जो वैभव इस बार तोड़ सकते हैं। वहीं अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का रिकॉर्ड अभी भारत के ही पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 2004 में 93.51 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इस बार वैभव इसे भी तोड़ देंगे क्योंकि वह 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन सरफराज खान ने साल 2014 से 2016 के बीच 566 रन बनाए थे। वैभव जिस प्रकार से खेलते है उससे ये रिकार्ड भी टूट सकता है। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अभी जैक बर्नहैम और शिखर धवन के नाम संयुक्त रुप से है, दोनों ने ही तीन-तीन शतक लगाए हैं। वैभव अधिक से अधिक शतक लगाकर इसे भी तोड़ना चाहेंगे।

आइस हॉकी लीग की सीजन 3 के साथ लद्दाख में वापसी, तारीखों का हुआ ऐलान

लेह (लद्दाख) (एजेंसी)। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 3, 29 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक लद्दाख में आयोजित की जाएगी। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन द्वारा, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख के सहयोग से आयोजित इस सीजन में लीग के विस्तार की एक अहम झलक देखने को मिलेगी।

इस बार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यापक राउंड-रॉबिन फॉर्मेट अपनाया गया है, जिसमें प्रत्येक टीम कुल 75 मुकाबलों में एक-दूसरे से भिड़ेगी। यह लीग एक समग्र तकनीकी विकास कार्यक्रम का प्रतिस्पर्धात्मक चरण है, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक डैरिल ईसन के नेतृत्व में आइस हॉकी कोचों के प्रशिक्षण से हुई थी। इसके बाद प्रशिक्षित कोच अपने-अपने समुदायों में लौटकर प्रतिभाओं की पहचान करने और लीग में भागीदारी के लिए टीमों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित कर रहे हैं।

इस प्रकार, यह लीग सामुदायिक स्तर पर प्रशिक्षण और संगठित, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिस्पर्धा के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है। आइशर ग्रुप फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा,%रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग की जड़ें सामुदायिक विकास में हैं। हमारा फोकस स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने, युवाओं और महिलाओं को अवसर देने और हिमालयी क्षेत्रों से उभरती प्रतिभाओं के लिए एक स्पष्ट मार्ग तैयार करने पर रहा है।

यह लीग संस्कृति और गर्व का उत्सव भी है, जहां खेल लंबे शीतकाल के दौरान समुदायों को एकजुट करता है और साझा पहचान तथा दृढ़ता की भावना को मजबूत करता है।% लेह में आयोजित यह टूर्नामेंट स्थानीय प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है, जो खेल को नए क्षेत्रों तक विस्तार देता है और दूरदराज के हिमालयी समुदायों के खिलाड़ियों को संरचित लीग फॉर्मेट तथा पेशेवर रूप से प्रबंधित प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करता है। 2026 संस्करण में भाग लेने वाली टीमें लेह, नुब्रा, कारगिल, ज़ांस्कर, चांगथांग और आसपास के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस सीजन में खारू से दो नई टीमें- खारू ईगल्स (महिला) और खारू फाल्कन्स (पुरुष)-भी लीग में शामिल होंगी। लद्दाख में आइस हॉकी के विकास के लिए तैयार ब्लूप्रिंट के अनुरूप, यह लीग खेल के इकोसिस्टम को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है- जिसमें जमीनी स्तर की भागीदारी को प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों से जोड़ा जाता है। लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ी गांव और क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविरों से चुने जाते हैं, जिन्हें रॉयल एनफील्ड समर्थित क्षमता निर्माण पहलों के तहत प्रशिक्षित कोचों और अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलता है।

खेल के इकोसिस्टम को और सशक्त बनाते हुए दिसंबर 2025 में पहली बार एक समर्पित रेफरी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन के ऑफिशिएटिंग इंस्ट्रक्टर पीटर गेबी ने किया। इस पहल का उद्देश्य मैच संचालन के मानकों को ऊंचा उठाना, लीग के लिए पेशेवर गेम डिलीवरी सुनिश्चित करना और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित रेफरी तैयार करना है। खेल से परे, रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग लद्दाख में सामुदायिक जुड़ाव, युवाओं की भागीदारी और शीतकालीन पर्यटन को भी मजबूती प्रदान करती है।

मुकाबलों के दौरान जमी हुई रिंक सामूहिक सामुदायिक स्थलों में बदल जाती हैं, जहां परिवार, स्थानीय समर्थक और पर्यटक एक साथ जुटते हैं, और इस क्षेत्र में आइस हॉकी की गहरी सांस्कृतिक जड़ों को और मजबूत करते हैं। इस लीग के माध्यम से, रॉयल एनफील्ड अपने सोशल मिशन को आगे बढ़ाते हुए खेल के जरिए हिमालयी समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है-स्थानीय खेल इकोसिस्टम को मजबूत करना, आजीविका के अवसर तैयार करना, युवाओं और महिलाओं के लिए मार्ग बनाना और पूरे हिमालय क्षेत्र में समग्र शीतकालीन खेल संस्कृति को बढ़ावा देना।

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने लिया संन्यास

ओटावा । विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे। राओनिच ने एक्स पर लिखा, 'अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।' अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर तीन सेट के मैच में सबसे अधिक ऐस (47) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2024 में क्वींस क्लब टूर्नामेंट में बनाया था। उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच पेरिस ओलंपिक में खेला था, जिसमें उन्हें पहले दौर में डोमिनिक कोएफ़र से 7-6, 6-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा था।

मैरीकॉम पर उनके पति ने लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम पर उनके पति ओनलर कोम ने गंभीर आरोप लगाये हैं। मैरीकॉम के पति ओनलर का कहना है कि उनकी पत्नी का जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इसी कारण उन दोनो का तलाक हुआ है। ओनलर का कहना है कि उनके पास प्राइवेट चैट भी हैं जो वह सबूत के तौर पर पेश कर सकते हैं। उनका कहना है कि इन्हीं सब कारणों से उनकी 18 साल की शादीशुदा जिंदगी में तूफान आया। कहना है कि कि मैरीकॉम के करियर को मजबूत बनाने में मैंने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं . मैरीकॉम ने हाल में अपने पति ओनलर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था जिसके बाद ओनलर ने ये आरोप लगो हैं।

ओनलर कहा, 'मैं बताऊंगा कि उन्होंने लोक अदालत में क्या कहा। सबसे पहले, 2013 में उनका एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इससे हमारे परिवारों में झगड़ा हुआ था, और उसके बाद हमने समझौता कर लिया. इसके बाद साल 2017 से उनका मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी में काम करने वाले किसी व्यक्ति के साथ रिश्ता है. मेरे पास उनके व्हाट्सएप्प मैसेज सबूत के तौर पर हैं. मेरे पास उस व्यक्ति के नाम के साथ सबूत है जिसके साथ उसका अफेयर था। मैं चुप रहा।' मैरीकॉम ने हाल में कहा था कि जब तक मैं खेल रही थी और मेरी फाइनेंशियल हालत में मेरा कम दखल था, तब तक सब ठीक था लेकिन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले जब मुझे चोट लगी, तब मुझे लगा कि मैं झूठ की जिंदगी जी रही थी। मैं कई महीनों तक बिस्तर पर रही। उसके बाद मुझे चलने के लिए सहारे की जरूरत पड़ी। तब मुझे अहसास हुआ कि जिस इंसान पर मैंने भरोसा किया था, वह वैसा नहीं था जैसा मैंने सोचा था। मैं नहीं चाहती थी कि यह सब दुनिया के सामने तमाशा बने, इसलिए कई बार सुलह की कोशिश के बाद मैंने तलाक ले लिया. उन्होंन पति पर आरोप लगाया कि उनके साथ करोड़ों की धोखाधड़ी हुई है और उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से खरीदी गई जमीन भी खो दी है। दूसरी ओर ओनलर ने इस प्रकार की बातों को आधारहीन बताया है।

2025 के सफल साल के बाद आयुष शेट्टी का 2026 में टॉप 15 रैंकिंग का लक्ष्य

नई दिल्ली(एजेंसी)। 20 साल की उम्र में, आयुष शेट्टी भारत के सबसे होनहार शटलरों में से एक हैं, 2025 का साल उनके लिए बहुत सफल रहा जब उन्होंने यूएस ओपन सुपर 300 जीता और हाइलो ओपन में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराया, वह 2026 में देश के लिए और भी सम्मान हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। सोमवार को योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के लॉन्च इवेंट के मौके पर यूनीवार्ता से बात करते हुए, उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, 'इस साल बहुत सारे बड़े टूर्नामेंट हैं, ऑल इंग्लैंड (ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप), घर पर विश्व चैंपियनशिप (2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप), फिर एशियाई खेल, मुझे उम्मीद है कि मैं सभी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करूंगा। मेरा लक्ष्य इस साल के अंत तक टॉप 15 या टॉप 10 रैंकिंग में पहुंचना है।' आयुष ने कहा, 'यूएस ओपन की जीत ने मुझे यह विश्वास दिलाया कि मैं दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का सामना कर सकता हूं। मलेशियाई ओपन में मैंने ली ज़ी जिया और शी यूकी के खिलाफ खेला, मैं और भी टॉप खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने और जीतने की तरफ रहने के लिए उत्सुक हूं।'

आयुष हाल ही में समाप्त हुए मलेशिया ओपन 2026 में अच्छे प्रदर्शन के बाद आए हैं, जहां उन्होंने पहले राउंड में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया को हराया और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन एक करीबी मैच में हार गए। कर्नाटक के रहने वाले खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें पहले लंबी रैलियां खेलने में झिझक होती थी, लेकिन अब उन्होंने इस पर काबू पा लिया है। 'मुझे लगता है कि मैंने इस पर काबू पा लिया है, अगर आप देखें, तो मैंने कोडाई (कोडाई नाराओका) के खिलाफ दो बार अच्छा खेला, वह लंबी रैलियां खेलते हैं, मुझे लगता है कि मैं इसे बेहतर तरीके से मैनेज कर पाया।'

आयुष, जो अपने कोर्ट पर अनुमान लगाने के कौशल और जानलेवा स्मैश के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि वह अभी भी अपने करियर के शुरुआती दौर में हैं और सुधार की बहुत गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि वह गेम के दौरान स्पीड में बदलाव लाना चाहते हैं और फिजिकली ज़्यादा बेहतर बनना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'गेम के दौरान स्पीड में बदलाव और फिजिकल पहलू के मामले में सुधार की बहुत गुंजाइश है, यह एक प्रोसेस है।'

आयुष 195 सेंटीमीटर (6 फीट 5 इंच) लंबे हैं और उनकी तुलना अक्सर डेनिश बैडमिंटन के महान खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन से की जाती है क्योंकि वह भी बहुत लंबे हैं। शेट्टी इस तुलना पर हंसते हुए कहते हैं कि यह दो बार के ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन के साथ नाइंसाफी है। उन्होंने कहा, 'वह मेरे आइडल हैं, मैं लंबे समय से उनके गेम को फॉलो कर रहा हूं, मुझे लगता है कि मेरा गेम कुछ हद तक उनके जैसा है, लेकिन यह तुलना उनके साथ नाइंसाफी है क्योंकि उन्होंने बैडमिंटन में सब कुछ हासिल कर लिया है, मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं।'

उत्तरप्रदेश में 15 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश... योगी सरकार का ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मकर संक्रांति 2026 के मौके पर 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी सरकारी कार्यालय, स्कूल और राज्य संचालित संस्थान में 15 को अवकाश रहेगा। आमतौर पर मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाती है, लेकिन इस वर्ष सूर्य देव 14 को दोपहर 3ः13 बजे मकर राशि में प्रवेश कर रहे है। चूंकि संक्रांति के धार्मिक अनुष्ठान प्राय: सुबह होते हैं, इसलिए सही शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी को पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। इस मौके पर प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, उन्नाव, मेरठ और बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। लोग गंगा और सरयू में पवित्र स्नान और दान करने वाले है। इसी तरह, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलेगी। मकर संक्रांति को खिचड़ी त्यौहार के रूप में भी जाना जाता है और इस सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के दिन मनाया जाता है। इस बार शुभ मुहूर्त और धार्मिक परंपराओं के आधार पर 15 जनवरी को उत्सव मनाना उचित माना गया है।

अब्बास अंसारी को बड़ी राहत देकर सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत मंजूर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत देकर गैंगस्टर एक्ट के मामले में नियमित जमानत मंजूर कर ली है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी अंतरिम जमानत को स्थायी किया। इससे पहले कोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें अंतरिम जमानत दी थी और सितंबर 2024 में जमानत की कुछ शर्तों में ढील भी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि अंसारी के सार्वजनिक रूप से बोलने पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। अंसारी जनप्रतिनिधि होने के नाते वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन अपने खिलाफ चल रहे विचाराधीन मामलों पर सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकते है। कोर्ट ने अनुमति दी थी कि वे लखनऊ स्थित अपने पुराने पते के बजाय किसी अन्य स्थान पर रह सकते हैं, बशर्ते इसकी सूचना यूपी पुलिस और निचली अदालत को दी जाए। अब्बास अंसारी पर अगस्त 2024 में मारपीट और जबरन वसूली के आरोपों के तहत उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एंड एंटी-सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले वे अन्य आपराधिक मामलों में पहले ही जमानत पा चुके थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन्हें बड़ी कानूनी राहत मिली है।

केंद्र ने एनआईए को सौंपी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हाथों में सौंप दी है। यह मामला दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से एनआईए को स्थानातंरित किया है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए भारत में बांग्लादेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ कराने वाले पूरे नेटवर्क, उसके ऑपरेटर्स और मनी ट्रेल की गहराई से जांच करेगी। एजेंसी इस मामले में जल्द एक नई एफआईआर भी दर्ज कर सकती है। दरअसल यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर की गई है, इसके बाद देशभर में अवैध घुसपैठ के खिलाफ सख्ती बढ़ाई गई है। जांच एजेंसियों का फोकस उन संगठित सिंडिकेट्स पर है, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश दिलाने, ठहराने और उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध करने की साजिश में लगे हुए है। सूत्रों ने बताया कि जांच के दायरे में फर्जी आधार कार्ड, वोटर आईडी और अन्य पहचान पत्र बनवाने वाला पूरा नेटवर्क है।

चार साल में 3 राज्यों में ईडी चुनाव से कुछ समय पहले कर चुकी है बड़ी कार्रवाई

-पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ईडी की बढ़ती सक्रियता को लेकर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ईडी की बढ़ती सक्रियता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ताजा मामला कोलकाता में आई-पीएसी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी का है, जिसमें सीएम ममता बनर्जी और ईडी आमने-सामने आ गए हैं। बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होना हैं। इससे पहले 4 साल में 3 राज्यों झारखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र में ऐसा हो चुका है, जब ईडी ने पुराने मामलों में चुनाव से कुछ समय पहले बड़ी कार्रवाई की है।

इस साल बंगाल समेत तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होना हैं। इसके साथ इन राज्यों में ईडी ने पुराने मामलों की फाइलें खोलना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु में शराब, रियल एस्टेट और शेल कंपनियों से जुड़े मामले सत्ताधारी डीएमके के लिए परेशानी बन गए हैं। वहीं असम में बीजेपी की सरकार है। विपक्षी कांग्रेस और एआईयूडीएफ से जुड़े नेताओं पर कार्रवाई का डर चुनावी फंडिंग नेटवर्क पर असर डाल रहा है। केरल में सोना तस्करी और सहकारी बैंक मामलों से एलडीएफ सरकार घिरी हुई है। पुडुचेरी में कारोबारी और राजनीतिक गठजोड़ पर एजेंसी की नजर है।

बता दें झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद दबाव बना था। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आप का ताना-बाना बिगाड़ दिया था। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी से जुड़े मामलों के बीच दल टूटे और सरकारें गिरीं। कई बार चार्जशीट से पहले ही राजनीतिक समीकरण बदल गए। हालांकि इडी का कहना है कि उसका काम केवल कानून के तहत जांच करना है, चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में आई-पीएसी मामला 5 साल पुराना, लेकिन पहला छापा चुनाव से 2-3 महीने पहले मारा गया। ईडी ने कोयला तस्करी से जुड़े 2,742 करोड़ के मनी-लॉन्डरिंग मामले के तहत 8 जनवरी को इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के कार्यालय और निर्देशक प्रतीक जैन के घर छापेमारी की थी। सीबीआई ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने 28 नवंबर 2020 को इसकी जांच शुरू की थी। यह मामला अब 5वें साल में है, लेकिन कार्रवाई ठीक उस वक्त सामने आई, जब बंगाल में मार्च-अप्रैल 2026 में चुनाव होने हैं।

आई-पीएसी भारत की पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है, जो राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। आरोप है कि 20 करोड़ हवाला के जरिए आई-पीएसी तक ट्रांसफर हुए। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने जांच में बाधा डाली और सबूत नष्ट किए। दिल्ली में 2022 के मामले में 2024 में सीएम अरेस्ट हुए, 2025 में चुनाव थे। 2022 में शराब नीति मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में सीबीआई और ईडी जांच की शुरुआत हुई। फरवरी 2023 में इस मामले में मनीष सिसोदिया और मार्च 2024 में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई। फरवरी 2025 में विधानसभा चुनाव हुए और बीजेपी सत्ता पर काबिज हो गई।

वहीं झारखंड में अगस्त 2023 में ईडी ने भूमि और मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया। दिसंबर में पूछताछ हुई। जनवरी 2024 में ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को इस मामले में गिरफ्तार कर

लिया। इसके बाद उन्हें अपना सीएम पद छोड़ना पड़ा था। नवंबर 2024 में चुनाव हुए। हालांकि, हेमंत सोरेन की पार्टी जीती और वे फिर सीएम बन गए।

महाराष्ट्र में 2021 के मामले में 3 साल बाद चुनाव से 6 दिन पहले छापेमारी की। 14 नवंबर 2024 को ईडी ने महाराष्ट्र और गुजरात में 23 स्थानों पर छापेमारी की और व्यापारी सिराज अहमद हारुन मेमन से जुड़े 125 करोड़ रुपए के मनी-लॉन्ड्रिंग और चुनावी फंडिंग ट्रेल को खंगाला। 20 नवंबर 2024 को चुनाव से छह दिन पहले इस मामले में विपक्षी दलों पर नोट और वोट जिहाद के आरोप लगे। इस चुनाव में बीजेपी ने जी हासिल की।

डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की जांच करेगी सीबीआइ, सरकार ने पेश की स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए स्वत: संज्ञान मामले में केंद्र सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट पेश कर दी है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया है कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों की गंभीरता को देखते हुए जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसके लिए एक ठोस, समन्वित योजना बनाई जा रही है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि कोर्ट के 16 दिसंबर 2025 के आदेश के मुताबिक दिल्ली पुलिस की एफआईआर को अब सीबीआई को सौंप दिया गया है। इसके बाद सीबीआई ने 9 जनवरी को इस मामले में नई एफआईआर दर्ज की है। इसका उद्देश्य डिजिटल अरेस्ट से जुड़े नेटवर्क और अपराध के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टेटस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट की समस्या से निपटने के लिए एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता गृह मंत्रालय में आंतरिक सुरक्षा के विशेष सचिव कर रहे हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, विदेश मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, कानून मंत्रालय, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, आरबीआई, सीबीआई, एनआईए, दिल्ली पुलिस और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक समिति की पहली बैठक 29 दिसंबर को हुई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और एमिकस क्यूरी के सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद 2 जनवरी को एमिकस क्यूरी के साथ एक विशेष बैठक हुई, जिसमें दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, आरबीआई और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के प्रतिनिधि शामिल थे। वहीं, 6 जनवरी को आईटी इंटरमीडियरीज जैसे गूगल, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और माइक्रोसॉफ्ट के साथ भी बैठक की गई। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि सभी विभागों से सुझाव लेकर एक ठोस और व्यापक योजना तैयार करने के लिए उसे कम से कम एक महीने का समय दिया जाए, ताकि डिजिटल अरेस्ट जैसी गंभीर समस्या से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके।

फडणवीस के बयान पर संजय राउत का पलटवार... मराठी मानुष को ठाकरे परिवार से नहीं, भाजपा से खतरा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर तीखा पलटवार कर कहा है कि मराठी मानुष को ठाकरे परिवार से नहीं, बल्कि भाजपा से खतरा है। सीएम फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं के ÷अस्तित्व खतरे में÷ होने की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देकर राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री को ठाकरे परिवार की नहीं, बल्कि अपनी राजनीति की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकरे परिवार किसी भी तरह की धमकियों का सामना करने में सक्षम है और डरने वाला नहीं है।

दरअसल प्रेसवार्ता में सांसद संजय राउत ने कहा, 'देवेंद्र भाऊ, हमारी चिंता मत कीजिए। हम आपकी तरह डरे हुए नहीं हैं। हम न फर्जी मतदाता सूची बनाते हैं और न ही चुनाव जीतने के लिए पैसा बांटते हैं।' राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा ही मराठी मानुष के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 'भूमिपुत्र' का मुद्दा बीते 60 वर्षों से महाराष्ट्र में प्रासंगिक रहा है और यह केवल ठाकरे बंधुओं का नहीं, बल्कि पूरे मराठी समाज का सवाल है। राउत ने कहा कि शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने ही भाजपा को महाराष्ट्र में मजबूती दी। यदि बालासाहेब न होते, तब भाजपा को कोई नहीं जानता। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं पर सवाल उठाना, दरअसल बालासाहेब ठाकरे को चुनौती देने जैसा है।

इसके पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवाजी पार्क में संयुक्त रैली को संबोधित कर ठाकरे बंधुओं पर हमला बोला था। फडणवीस ने सवाल किया था कि यदि मराठी मानुष खतरे में है, तब पिछले 30 वर्षों में ठाकरे बंधुओं ने उसके लिए क्या किया। उन्होंने दावा किया कि मराठी मानुष का नहीं, बल्कि ठाकरे बंधुओं का अस्तित्व खतरे में है और बीएमसी का नया मेयर महायुति से, हिंदू और मराठी होगा।

अगर कुत्ते के काटने से कोई मौत या घायल होता है तो सरकार पर होगा मुआवजा तय

-सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई करते हुए की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर मंगलवार को अहम टिप्पणी की। बेंच ने चेतावनी दी कि अगर किसी कुत्ते के काटने से कोई मौत होती है या कोई घायल होता हैं, तो राज्य सरकार पर हर ऐसे मामले के लिए मुआवजा तय किया जाएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जो लोग कुत्तों को खाना खिलाने का दावा करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। बेंच ने पूछा कि अगर आप कुत्तों को इतना चाहते हैं तो इन्हें अपने घर ले जाइए। कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमें, लोगों को काटें और डराएं?

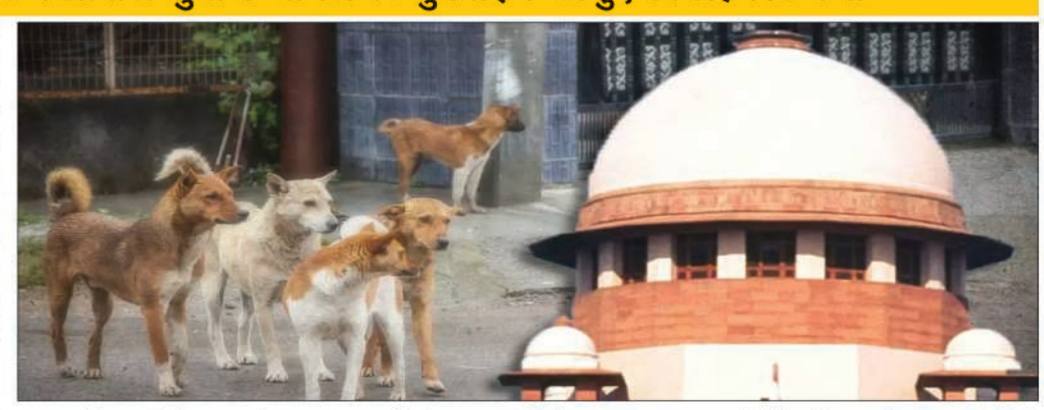

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी के उस बयान के जवाब में आई, जिन्होंने कहा था कि आवारा कुत्तों का मुद्दा भावनात्मक है। बेंच ने उनसे कहा कि भावनाएं अब तक सिर्फ कुत्तों के लिए ही लग रही हैं। इस पर गुरुस्वामी ने जवाब दिया कि ऐसा नहीं है। मैं इंसानों के बारे में भी उतना ही चिंतित हूं। कुत्ते के काटने की शिकार एक महिला ने भी कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मैं इस बात से सहमत हूं कि एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को सही से लागू करने पर कुत्तों की आक्रामकता और उनकी संख्या को कम करने में मदद मिलेगी, लेकिन मुझे एक कुत्ते ने बिना किसी उकसावे के काट लिया था। महिला ने बेंच को बताया कि वह कुत्ता लंबे समय से क्रूरता का शिकार था। यह डर के कारण होने वाली रक्षात्मक आक्रामकता थी। मैं किसी और के किए हुए कार्यों की सजा भुगत रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए कोर्ट ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं। सीनियर वकील ने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और दिल्ली में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। जज मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

रांची प्रेस क्लब ने हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के साथ संवाद में भागीदारी के लिए सदस्यों का जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभु नाथ चौधरी ने सोमवार को क्लब में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम की सफलता पर क्लब के सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि रांची प्रेस क्लब में संवाद श्रृंखला की शुरूआत एक विशिष्ट सोच के साथ हुई है। लोकतंत्र में संवाद जरूरी है, क्योंकि सवालों के माकूल जवाब चाहिए। संवाद जरूरी है, क्योंकि लोकतंत्र की बुनियाद है अभिव्यक्ति। संवाद जरूरी है, क्योंकि चुप्पी रास्ता नहीं दिखाती। संवाद जरूरी है,क्योंकि विचार टकराते हैं, तो रास्ते निकलते हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला ने राजनीति और मीडिया विषय पर सारगर्भित विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान दोनों के बीच रिश्ते की पड़ताल की एक कोशिश हुई। उन्होंने कहा, जब राजनीति भटकती है, तो मीडिया का दायित्व बढ़ जाता है। पद्मश्री बलबीर दत्त ने मीडिया पर बढ़ते बाजारवादी दबाव पर चिंता जताई। वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने विषय प्रवेश कराया। उन्होंने राजनीति और पत्रकारिता में मूल्यों के क्षरण की चर्चा की। शहर के वरिष्ठ और युवा पत्रकारों की मौजूदगी ने संवाद को जीवंत, प्रासंगिक और अर्थपूर्ण बना दिया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**